हिन्दी दैनिक

पटना (बिहार) तथा लुधियाना (पंजाब) से एक साथ प्रकाशित

रोजनामा इन्डो गल्फ

www.Newsindogulf.com/Email:-Newsindogulf730@gmail.com

सच्चाई में है दम, सच लिखते हैं हम

पटना, रविवार | 13 अप्रैल 2025 | वर्ष : 03 | अंक : 100 | पृष्ठ - 12 | PRGI NO - BIHHIN/2023/86924 | मूल्य - ₹ 3 | पटना संस्करण

ब्रीफ न्यूज

राजनीति में आने से पहले रामकथा वाचिका थीं सुमित्रा महाजन, आज मना रही 82वां जन्मदिन

एजेंसी

नई दिल्ली: वर्तमान समय में भारतीय राजनीति में कई महिला नेता अपने काम और उपलब्धियों से दमदार भूमिका हैं। इन्हीं में से एक नाम सुमित्रा महाजन का है। आज यानी की 12 अप्रैल को सुमित्रा महाजन अपना 82वां जन्मदिन मना रहे हैं। सुमित्रा महाजन पूर्व लोकसभा स्पीकर रही हैं। उन्होंने नगर निगम में पार्षद से लेकर महापौर, मंत्री और फिर लोकसभा अध्यक्ष बनने तक का सफर शानदार तय किया है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि राजनीति में आने से पहले सुमित्रा महाजन रामकथा वाचिका थीं। तो आइए जानते हैं उनके जन्मदिन के मौके पर सुमित्रा महाजन के जीवन से जुड़ी कुछ रोचक बातों के बारे में...महाराष्ट्र के चिपलूण कस्बे में 12 अप्रैल 1943 को सुमित्रा महाजन का जन्म हुआ था। यह एक कोंकणस्थ ब्राह्मण परिवार से ताल्लुक रखती हैं। इनके पिता का नाम पुरुषोत्तम नीलकंठ साठे औ? मां का नाम उषा था। इन्होंने एमए और एलएलबी की डिग्री हासिल की है।

बिहार को मेगा सौगात देने आ रहे पीएम मोदी; शिवराज सिंह बोले-

5.20 लाख गरीब परिवारों को मिलेंगे पक्के मकान

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 24 अप्रैल को बिहार दौरे पर बिहारवासियों को बड़ी सौगात देंगे। एक दिन के पटना दौरे पर आए केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह ने जानकारी देते हुए कहा कि पीएम मोदी के हाथों 5 लाख 20 हजार नए सुकृत मकानों का लाभ गरीब परिवारों को दिया

एजेंसी

पटना: केंद्र सरकार ने बिहार को एक बार फिर बड़ी सौगात दी है। पीएम आवास योजना के तहत बिहार के गरीबों को केंद्र सरकार से 5.20 लाख और आवास मिलेंगे। शनिवार को एक दिवसीय बिहार दौरे पर आए केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने बिहार के 5.20 लाख गरीबों को पक्का मकान देने की घोषणा की। इस मद में बिहार को लगभग आठ हजार करोड़ मिलेंगे। पिछली बार बिहार को 7.90 लाख आवास मिले थे। इस तरह मात्र छह-सात महीने में ही बिहार के 14 लाख गरीबों को पक्का मकान की सुविधा उपलब्ध कराने का निर्णय लिया गया है।पटना में पुराना सचिवालय के सभागार में केंद्र प्रायोजित योजनाओं की समीक्षा बैठक के बाद केंद्रीय मंत्री ने कहा कि 24 अप्रैल को पंचायत राज दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मधुबनी आ रहे हैं। पीएम के कार्यक्रम को लेकर पूरे बिहार में उत्सव का माहौल है। यह खुशी की बात है कि प्रधानमंत्री जब-जब बिहार आ रहे हैं तो बिहारवासियों को आवासों की

सौगात भी मिल रही है। पिछले साल 7 लाख 90 हजार मकान प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत बिहार के पात्र भाइयों-बहनों को दिए गए थे। आवास प्लस की जो दो सूची बनी थी, उसमें से लगभग 5 लाख 20 हजार मकान अभी बचे थे। अब 5 लाख 20 हजार पक्के मकान और बिहार के कच्चे मकानों में रहने वाले भाई-बहनों को दिए जाएंगे। इस तरह कुल मिलाकर 7-8 महीने में 14 लाख मकान बिहार के हमारे भाई-बहनों को मिल रहे हैं।केंद्रीय मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री के हाथों 5 लाख 20 हजार मकान की स्वीकृति का पत्र और जो पहले से स्वीकृत मकान हैं, उन्हें बनाने के लिए जो अलग-अलग किस्तों में राशि दी जाती है, वो किस्त सिंगल क्लिक के माध्यम से पात्र लाभुकों के खाते में डाली जाएगी। आज जो मकान स्वीकृत हुए हैं, उनकी लागत 8 हजार करोड़ है। इसके अलावा जो अपना मकान बना चुके हैं, उनका गृह प्रवेश का कार्यक्रम भी होगा। बाकी कार्यक्रम भी 24 अप्रैल को आयोजित पंचायत राज सम्मेलन के साथ-साथ करने की तैयारी है।बिहार में ग्रामीण विकास का क्रियान्वयन बेहतरबिहार में हो रहे काम की प्रशंसा करते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि मुझे खुशी है कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में ग्रामीण विकास की हर योजना का यहां बेहतर और आदर्श क्रियान्वयन हो रहा है। मैं बिहार सरकार को बहुत-बहुत बधाई देता हूं। लखपति दीदी भी 3 लाख से ज्यादा यहां बन चुकी हैं। 20 लाख इसी वर्ष लखपती दीदी बनाने का लक्ष्य है। इस तरह तेजी से हर कार्यक्रम को क्रियान्वित करने का आदर्श काम बिहार की सरकार कर रही है।बैठक में केंद्रीय पंचायती राज मंत्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह, उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और विजय कुमार सिन्हा, ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार, स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय, पथ निर्माण मंत्री नितिन नवीन, खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री लेशी सिंह, पंचायती राज मंत्री केदार प्रसाद गुप्ता, मुख्य सचिव अमृत लाल मीणा, ग्रामीण कार्य के अपर मुख्य सचिव दीपक कुमार सिंह, समाज कल्याण की अपर मुख्य सचिव हरजोत कौर, ग्रामीण विकास के सचिव लोकेश कुमार सिंह सहित संबंधित विभागों के सचिव, प्रधान सचिव और अपर मुख्य सचिव शामिल हुए।

'इसकी शुरूआत कांग्रेस ने की थी, इसमें कोई श्रेय मोदी जी को नहीं जाता'

तहव्वुर राणा के प्रत्यर्पण पर बोले दिग्विजय सिंह

एजेंसी

नई दिल्ली: 26/11 मुंबई हमले के आरोपी तहव्वुर राणा के भारत प्रत्यर्पण पर कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह ने कहा कि इसकी शुरूआत कांग्रेस ने की थी। इसमें कोई श्रेय मोदी जी को नहीं जाता है। उन्होंने आगे कहा कि तहव्वुर राणा 26/11 हमलों में शामिल था और उसका प्रत्यर्पण केवल इसलिए संभव हो सका क्योंकि यूपीए सरकार ने सही समय पर उसका नाम जांच में डाला और उसे अमेरिका में गिरफ्तार कर लिया गया। 14 साल की कैद पूरी करने के बाद उसे भारत प्रत्यर्पित किया गया। दिसंबर 2010 में दिग्विजय सिंह ने यह दावा करके एक बड़ा विवाद खड़ा कर दिया था कि महाराष्ट्र आतंकवाद निरोधक दस्ते (एटीएस) के प्रमुख हेमंत करकरे ने 26/11 के हमलों के शुरू होने से कुछ ही घंटे पहले उनसे बात की थी। सिंह ने बार-बार आरोप लगाया कि मालेगांव विस्फोट मामले के सिलसिले में हिंदू चरमपंथियों को गिरफ्तार करने के बाद करकरे को अज्ञात कॉल करने वालों से मौत की धमकियाँ मिल रही थीं।सिंह ने आगे दावा किया था कि करकरे को आरएसएस के नेताओं ने निशाना बनाया था और उनकी मौत के लिए संगठन को जिम्मेदार ठहराया था। 2008 के हमलों के दौरान करकरे की मौत हो गई थी। दिग्विजय सिंह के बयान पर शिवसेना नेता शाइना एनसी ने कहा कि यह पहली बार नहीं है जब दिग्विजय सिंह या कांग्रेस पार्टी ने विवादित बयान दिया हो। लेकिन कांग्रेस पार्टी का ट्रैक रिकॉर्ड देखिए।

शिरोमणि अकाली दल के फिर से अध्यक्ष चुने गए सुखबीर सिंह बादल, सर्वसम्मति से हुआ फैसला

एजेंसी

पंजाब: सुखबीर सिंह बादल को शनिवार को आयोजित पार्टी की चुनावी बैठक के दौरान शिरोमणि अकाली दल (एसएडी) के अध्यक्ष के रूप में फिर से चुना गया है। यह बादल के लिए एक और कार्यकाल है, जो पार्टी के वर्तमान कार्यकारी अध्यक्ष बलविंदर सिंह भुंदर की जगह लेंगे। शिरोमणि अकाली दल ने '' पर पोस्ट किया कि पंजाब के विकास पुरुष सुखबीर सिंह बादल को शिरोमणि अकाली दल का अध्यक्ष बनने पर बधाई। सुखबीर सिंह बादल पंथ और पंजाब के अधिकारों की दृढ़ता से रक्षा करें और पंजाब को फिर से समृद्ध बनाएं।चुनाव सत्र श्री दरबार साहिब परिसर के अंदर तेजा सिंह समुंदरी हॉल में हुआ। इस अवसर पर उपस्थित लोगों में बादल की पत्नी, बठिंडा की सांसद हरसिमरत कौर बादल, पूर्व मंत्री बिक्रम सिंह मजीठिया, दलजीत सिंह चीमा और वरिष्ठ नेता महेश इंदर सिंह ग्रेवाल शामिल थे। 16 नवंबर, 2024 को, अकाल तख्त द्वारा 'तनखैया' (धार्मिक कदाचार का दोषी) घोषित किए जाने के बाद, बादल ने पार्टी अध्यक्ष के रूप में अपने पद से इस्तीफा दे दिया, क्योंकि 2007 से 2017 तक शिअद और उसकी सरकार द्वारा की गई गलतियाँ थीं।

दीपावली की तरह मनेगी आंबेडकर जयंती, भीम संवाद भी होगा; पटना में जेडीयू का खास प्लान

एजेंसी

पटना: असंविधान निमार्ता भारत रत्न डॉ. भीमराव आंबेडकर की जयंती पर रविवार को जदयू की ओर से भीम संवाद कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। पटना के बापू सभागार में आयोजित इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार बतौर मुख्य अतिथि शामिल होंगे। ग्रामीण कार्य मंत्री अशोक चौधरी ने शनिवार की शाम बताया कि इस कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री ललन सिंह एवं रामनाथ ठाकुर, जदयू के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा, प्रदेश अध्यक्ष उमेश कुशवाहा, वरिष्ठ मंत्री विजय चौधरी, सुनील कुमार, रत्नेश सदा, महेश्वर हजारी तथा पार्टी के अन्य सभी मंत्री, सांसद, विधायक एवं पार्टी के अनुसूचित जाति प्रकोष्ठ के

राज्यभर के पदाधिकारी व कार्यकर्ता भाग लेंगे। मालूम हो कि भीम संवाद कार्यक्रम की तैयारी पार्टी के नेता-पदाधिकारी कई दिनों से कर रहे थे। वहीं, भीमराव आम्बेडकर की जयंती पर सोमवार को जदयू के तमाम कार्यकर्ता अपने घर में दीये जलाएंगे।दीपावली के रूप में बाबा साहेब की जयंती को जदयू के नेता और कार्यकर्ता मनायेंगे। मंत्री अशोक चौधरी ने कहा कि यह आयोजन बाबा साहेब के विचारों और उनके योगदान को समर्पित एक प्रेरणास्त्रोत अवसर होगा। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए जदयू पूरे जोश और समर्पण के साथ जुटा है। लोगों में जबरदस्त उत्साह है, क्योंकि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अपने कार्यकाल में सामाजिक, आर्थिक एवं राजनीतिक रूप से वंचित एवं दलित समाज को सशक्त बनाने के लिए ठोस योजनाएं लागू की हैं।

West Bengal: मुर्शिदाबाद में 2 लोगों की हत्या, BJP ने ममता सरकार पर लगाया बड़ा आरोप

एजेंसी

पश्चिम बंगाल:पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले के समसेरगंज में वक्फ से संबंधित हिंसा में दो लोगों की मौत हो गई है। हिंसा प्रभावित शमशेरगंज क्षेत्र में जाफराबाद स्थित एक घर में पिता और पुत्र के शव बरामद किए गए जिनके शरीर पर चाकू से वार के निशान थे। पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में वक्फ अधिनियम को लेकर विरोध प्रदर्शन के बाद भड़की हिंसक झड़पों के कारण तनाव की स्थिति बनी हुई है। विपक्षी भारतीय

जनता पार्टी (भाजपा) द्वारा उन पर आंदोलन को लेकर निष्क्रियता का आरोप लगाने के बाद मुख्यमंत्री ने कहा है कि राज्य में यह कानून लागू नहीं किया जाएगा।भाजपा नेता दिलीप घोष ने आरोप लगाया कि मुर्शिदाबाद जिले को पश्चिम बंगाल से अलग करने की साजिश चल रही है। हिंदू इलाकों में आगजनी और तोड़फोड़ हो रही है। हिंदुओं की हत्या की गई है, फिर भी डीजीपी कहते हैं कि कुछ नहीं हुआ। भाजपा सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि सभी संवैधानिक प्रक्रियाओं को व्यवस्थित तरीके से पूरा करने के बाद वक्फ बिल संसद में आया और फिर जेपीसी के पास गया। जेपीसी ने इस पर विस्तार से चर्चा की, फिर दोनों सदनों ने इसे पारित किया और राष्ट्रपति के हस्ताक्षर के बाद यह कानून बन गया। लेकिन फिर भी कुछ लोग इसमें राजनीति करने की कोशिश कर रहे हैं।

कन्हैया कुमार समेत 41 कांग्रेस कार्यकताओं पर FIR, बिना परमिशन प्रदर्शन, पुलिस से धक्कामुक्की का आरोप

एजेंसी

पटना: कांग्रेस की पलायन रोको यात्रा के दौरान राजापुर पुल के पास कांग्रेस कार्यकताओं के हंगामा करने के मामले में एसके पुरी पुलिस ने कन्हैया कुमार सहित 41 कांग्रेस कार्यकताओं पर मुकदमा दर्ज किया है। कार्यकताओं पर बिना इजाजत के प्रदर्शन और पुलिसकर्मियों के साथ धक्का-मुक्की करने का आरोप है। प्रदर्शन की वजह से वहां काफी देर तक यातायात व्यवस्था ठप हो गई थी।जाम के कारण वाहन चालकों को परेशानी का सामना

करना पड़ा था। थानेदार प्रभात कुमार ने बताया कि मजिस्ट्रेट के आवेदन पर केस दर्ज किया गया है। कन्हैया कुमार पलायन रोको-नौकरी दो के मुद्दे पर पदयात्रा कर रहे थे। शुक्रवार को पदयात्रा का पटना में समापन था। कन्हैया के नेतृत्व में प्रदर्शनकारी मुख्यमंत्री से मुलाकात करना चाहते थे। लेकिन, पुलिस ने बैरिकेड लगाकर प्रदर्शनकारियों को राजापुर पुल के पास रोक दिया था।इस दौरान कांग्रेस कार्यकताओं और पुलिस के बीच नोकझोंक हुई थी। बाद में पुलिस ने कन्हैया कुमार सहित 45 नेताओं को हिरासत में लिया था। हालांकि पीआर बॉन्ड भरवा बाद में सभी को कोतवाली थाने से जमानत दे दी गई थी। देर रात मजिस्ट्रेट की ओर से लिखित शिकायत के बाद इस संबंध में एसके पुरी थाने में केस दर्ज किया गया।

शराबबंदी की आड़ में अधिकारी कर रहे कमाई, 40 हजार करोड़ का काला कारोबार; तेजस्वी ने नीतीश सरकार को घेरा

एजेंसी

पटना: नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने शनिवार को पटना स्थित प्रदेश राजद कार्यालय में शराबबंदी को लेकर प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस दौरान उन्होने आंकड़े बताकर नीतीश सरकार पर हमला बोला। तेजस्वी ने शराबबंदी कानून के सहारे अधिकारियों द्वारा काली कमाई किये जाने के आरोप लगाए। उन्होने कहा कि 3 करोड़ 86 लाख लीटर से अधिक शराब की बरामदगी हुई है। जिसमें करीब डेढ़ लाख लीटर देशी शराब है। उन्होंने सवाल किया कि इतनी अधिक मात्रा में विदेशी शराब गरीब और वंचित समाज के लोग तो नहीं पी सकते। तो, फिर ये किसके लिए भेजी जा रही है। बिहार में शराब की आपूर्ति कौन करता है, और किसके इशारे पर की जा रही है।तेजस्वी ने कहा कि शराब का बिहार में करीब 40 हजार करोड़ का कालाबाजार बन गया है। इस दौरान नेता प्रतिपक्ष ने आरोप लगाया कि बिहार पुलिस पॉलिटिकल टूल (राजनीतिक उपकरण) बन चुकी है। उन्होंने पुलिस प्रशासन पर सलेक्टिव होकर काम करने का भी आरोप लगाया, और कहा कि वो एक-एक अधिकारी को जानते हैं। वक्त आने पर उनके नाम भी सार्वजनिक किए जाएंगे।तेजस्वी ने कहा कि शराबबंदी कानून के तहत अब तक 9 लाख 36 हजार 949 मुकदमे अब तक दर्ज किए गए हैं। जिसमें 14 लाख 32 हजार 837 लोगों की गिरफ्तारी हुई है। जिसमें से 14 लाख 20 हजार 700 से अधिक दलित, पिछड़ा, अति पिछड़ा और आदिवासी समाज के हैं।

नए वक्फ कानून के खिलाफ आंदोलन करेगा इमारत-ए-शरिया; मौलाना फैसल रहमानी ने बताया साजिश

नए वक्फ कानून को संवैधानिक अधिकार छीन लेने का एक योजनाबद्ध षड्यंत्र बताते हुए अमीर-ए-शरियत मौलाना अहमद वली फैसल रहमानी ने कहा कि इस कानून के खिलाफ इमारत-ए-शरिया संगठित आंदोलन चलाएगी। उन्होने आरोप लगाया कि बेहद चालाकी के साथ चैरिटेबल ट्रस्ट को वक्फ की परिभाषा से बाहर कर दिया गया है।

एजेंसी

पटना: वक्फ संशोधन कानून केवल एक कानूनी दस्तावेज नहीं बल्कि हमारी धार्मिक, शैक्षणिक और सांस्कृतिक पहचान पर हमला है। यह कानून वक्फ और उनके संवैधानिक अधिकार छीन लेने का एक योजनाबद्ध षड्यंत्र है। नये वक्फ कानून के खिलाफ इमारत-ए-शरिया संगठित आंदोलन चलाएगी। ये बातें शनिवार को इमारत-ए-शरिया में वक्फ संशोधन कानून को लेकर आयोजित प्रेसवार्ता में अमीर-ए-शरियत मौलाना अहमद वली फैसल रहमानी ने कही हैं।उन्होंने कहा कि

अगर वक्त रहते इसके खिलाफ सामूहिक आवाज नहीं उठायी गयी तो भविष्य में न तो मस्जिदें बचेंगी, न कब्रिस्तान, न मदरसे, न वक्फ की जमीनों पर बने शैक्षणिक संस्थान और वे संस्थाएं, जो धर्म और मतभेद से ऊपर उठकर सेवाएं दे रही हैं। मौलाना फैसल रहमानी ने आरोप लगाया कि बेहद चालाकी के साथ चैरिटेबल ट्रस्ट को वक्फ की परिभाषा से बाहर कर दिया गया है। बिहार के लगभग 3,900 मदरसे वक्फ की जमीन पर बने हैं और ट्रस्ट के जरिये चल रहे हैं। अब वे वक्फ रहेंगे या नहीं, इस पर कानून खामोश है। सरकार को यह अधिकार किसने दिया कि वह हमारी धार्मिक सम्पत्तियों पर बिना सीमा के टैक्स थोपे। उन्होंने कहा कि वक्फ की हिफाजत की जद्दोजहद आखिरी सांस तक जारी रहेगी। अगर आज हम खामोश रहे तो आने वाले कल में हमारी पहचान सिर्फ किताबों में रह जाएगी। नए वक्फ कानून को संवैधानिक अधिकार छीन लेने का एक योजनाबद्ध षड्यंत्र बताते हुए अमीर-ए-शरियत मौलाना अहमद वली फैसल रहमानी ने कहा कि इस कानून के खिलाफ इमारत-ए-शरिया संगठित आंदोलन चलाएगी। उन्होने आरोप लगाया कि बेहद चालाकी के साथ चैरिटेबल ट्रस्ट को वक्फ की परिभाषा से बाहर कर दिया गया है।

चिराग पासवान ने आज मोकामा के चाराडीह में वीर शिरोमणि बाबा चौहरमल जी की जयंती के अवसर पर आयोजित भव्य मेले का विधिवत उद्घाटन किया

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

दिनांक 12 अप्रैल, 2025लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री श्री चिराग पासवान ने आज मोकामा के चाराडीह में वीर शिरोमणि बाबा चौहरमल जी की जयंती के अवसर पर आयोजित भव्य मेले का विधिवत उद्घाटन किया। कार्यक्रम की शुरूआत बाबा चौहरमल मंदिर में पूजा-अर्चना कर आशीर्वाद प्राप्त करने से हुई।

इस ऐतिहासिक अवसर पर देशभर, विशेष रूप से बिहार के सभी जिलों एवं अन्य राज्यों से आए लाखों श्रद्धालुओं को श्री पासवान ने संबोधित किया। अपने उद्बोधन में उन्होंने कहा कि जब तक मेरे शरीर में लहू का एक भी कतरा बाकी है मेरे शरीर मे एक भी सांस बाकी है मेरे शरीर के हर एक लहू का एक-एक कतरा आप सबों के लिए समर्पित है । कई लोग जो आज भी चिराग पासवान को समाप्त करने की सोच रखते हैं जिन लोगों ने चिराग पासवान को समाप्त करने का प्रयास किया पूरी शक्ति लगा दी वह लोग भूल जाते हैं कि चिराग पासवान शेर का बेटा है ना तो मैं डरने वाला हूं ना झुकने वाला हूं और डरता तो किसी से भी नहीं हूं चाहे जितनी ताकत आजमानी हो आजमा ले ।सिसर पर कफन बांध कर निकला हूं जब तक बिहार को विकसित राज्य नहीं बना दूंगा जब तक बिहार वासियों को उसका हक उनका अधिकार नहीं दिला दूंगा तब तक चैन की सांस नहीं लूंगा मैं बिहार को फर्स्ट और बिहारी को फर्स्ट बनाने की सोच है यह वादा आप लोगों से करता हूं आप लोग मेरा साथ दीजिए इस अवसर पर अपने पिताजी को याद करते हुए श्री चिराग ने कहा कि जहां-जहां मेरे पिता गए उन्होंने प्रयास किया कि कैसे आप लोगों को मुख्य धारा से जोड़ा जाए आज आप लोगों के आशीर्वाद से मुझे भी प्रधानमंत्री जी ने मंत्रिमंडल में केंद्रीय मंत्री की जिम्मेदारी मिली है यह आप लोगों ने संभव किया है यह विश्वास दिलाता हूं कि अपनी लगन और मैं अपनी मेहनत से जीवन में आप समूह की सेवा में सदा तत्पर रहूंगा । बाबा चौहरमल हम सबों के आराध्य हैं हम सब उनके वंशज हैं उनके कृपा से हम लोग समाज को आगे ले जाने का काम करेंगे हम चाहते हैं कि ऐसे युवा बिहार का निर्माण हो जहां आप सभी युवाओं को बिहार में ही रोजगार मिले अपने ही प्रदेश में शिक्षा का अवसर मिले उद्योग लगे और कारखाने खुलें इस सोच के साथ हम आगे बढ़ रहे हैं ज्यादा से ज्यादा शैक्षिक संस्थान यहां पर आए ज्यादा से ज्यादा यहां अस्पताल खुले ताकि जी विकसित बिहार की कल्पना हमारे नेता ने की थी उसे विकसित बिहार को बिहार में रहकर ही विकसित बनाएंगे आप ऐसे ही हमारा साथ दीजिएगा हमारी केंद्र की एनडीए की सरकार हमारे प्रदेश की एनडीए की सरकार पूरी ईमानदारी और मेहनत से आप लोगों को मुख्य धारा से जोड़ने का प्रयास कर रही है आगे श्री चिराग ने कहा कि अपने भाई और बेटे का साथ और संरक्षण दीजिए । श्री चिराग ने अपने विरोधियों पर हमला करते हुए कहा कि कई लोग यहां पर आएंगे जिन्होंने हमें खत्म करने का प्रयास किया वे लोग भी आएंगे जिन्होंने हमारे मां को गाली देने का काम किया। अब मेरे पिता इस दुनिया में नहीं है आप ही को हमारी मां बहन और भाई बनना है बदले में हम बिहार को फर्स्ट और बिहारी फर्स्ट बनाने का प्रयास करेंगे। चाचा पर कटाक्ष करते हुए श्री चिराग ने कहा कि मेरे पिता के निधन के बाद कई बड़ी शक्तियों ने मुझे समाप्त करने की साजिश रचने का काम किया उसमें हमारे कई अपने भी थे आज भी मेरे परिवार को मेरी मां को मेरी बड़ी मां को अपमान करने का काम करते हैं मेरे पिता भी आप हैं मेरी मां भी आप हैं और मेरे भाई भी आप हैं आपको मेरा संरक्षण करना होगा मेरी रक्षा करनी होगी।

इस अवसर पर दो दिवसीय भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें श्री पासवान ने स्वयं श्रद्धालुओं को महाप्रसाद वितरित किया।पटना से चाराडीह तक पूरे मार्ग में पार्टी नेताओं एवं कार्यकताओं द्वारा उनका भव्य स्वागत किया गया। रानी सराय, सबनीमा, मलाही, रैली, कन्हैपुर, मोरहर, बरहपुर व मोकामा तक जगह-जगह तोरण द्वार, पोस्टर और बैनर लगाए गए। चाराडीह पहुंचते हीं श्रद्धालुओं में भारी उत्साह देखने को मिला। ह्लरामविलास पासवान अमर रहेंह्व और ह्लचिराग पासवान जिंदाबादह्व जैसे नारों से माहौल गूंज उठा। स्थानीय श्रद्धालुओं ने उन्हें फूलमाला, पगड़ी और तलवार भेंट कर सम्मानित किया।

मुख्य प्रवक्ता डॉ. राजेश भट्ट ने जानकारी दी कि इस अवसर पर जमुई सांसद श्री अरुण भारती, राजेश वर्मा पार्टी के प्रदेश राष्ट्रीय महासचिव शंकर झा बाबा, डॉ शहनवाज अहमद कैफी प्रधान राष्ट्रीय प्रवक्ता धीरेंद्र कुमार मुन्ना महासचिव संजय पासवान, संसदीय बोर्ड के प्रदेश अध्यक्ष हुलास पांडे, प्रदेश उपाध्यक्ष अशरफ अंसारी, संजय सिंह मुख्य प्रवक्ता डॉ. राजेश भट्ट, वेद प्रकाश पांडे डॉ अजय सोनू सिंह, परशुराम पासवान, शोभा सिंहा पासवान, प्रदेश प्रवक्ता जितेंद्र यादव मनीष सिंह अनुपम पासवान दिनेश पासवान राज प्रिंस मृणाल शशि भूषण प्रसाद ओमप्रकाश भारती तथा प्रदेश मीडीया प्रभारी कुंदन कुमार सहित सैकड़ों नेता और कार्यकर्ता उपस्थित थे।

पीएम मोदी के बिहार आगमन को लेकर भाजपा कार्यालय में हुई बैठक, केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह हुए शामिल

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

- बिहार के विकास के लिए पीएम की रैली अत्यंत महत्वपूर्ण–शिवराज सिंह चौहान
- पीएम नरेंद्र मोदी के मधुबनी आगमन को लेकर एनडीए घटक दल की बैठक, कार्यक्रम को ऐतिहासिक बनाने की तैयारी
- मिथिला की धरती पर पीएम मोदी का कार्यक्रम होगा ऐतिहासिक, बिहार को मिलेगी विशेष सौगात : डॉ दिलीप जायसवाल
- पीएम मोदी का विभागों को लेकर मिलेगा ाार्गदर्शन,पीएम मोदी का आगमन बिहार के लिए होगा कल्याणकारी : डॉ दिलीप जायसवाल

पटना, 12 अप्रैल। 24 अप्रैल को मधुबनी में प्रस्तावित प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यक्रम की सफलता को लेकर भाजपा प्रदेश कार्यालय में तैयारी एवं समीक्षा बैठक आयोजित की गई जिसमें मुख्य तौर पर केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान शामिल हुए। श्री चौहान ने समीक्षा बैठक के दौरान कहा कि बिहार मे पीएम का आगमन अत्यंत महत्वपूर्ण है ।पीएम मोदी पंचायत प्रतिनिधि के साथ साथ कई विभागों मे कई योजनाओं की सौगात दें सकते है ।यहां का उत्साह देखकर लग रहा है कि यह कार्यक्रम ऐतिहासिक होगा। प्रधानमंत्री 24 अप्रैल को राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस के अवसर पर 10 जिलों के पंचायत प्रतिनिधियों को भी संबोधित करेंगे जिससे यह स्पष्ट हो जाता है कि पीएम मोदी समाज के सबसे अंतिम पायदान के जनप्रतिनिधि का भी सम्मान और लगाव रखते है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री की रैली ऐतिहासिक होगी, जिसको लेकर तैयारी जोर शोर से चल रही है ।शुक्रवार को प्रधानमंत्री मोदी के प्रस्तावित कार्यक्रम स्थल का भी निरीक्षण भी किया। लोगों मे कार्यक्रम को लेकर खासा उत्साह है ।मिथिला की पावनभूमि मधुबनी में आगमन हो रहा है। वे यहां एक रैली को संबोधित करेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के इस खास कार्यक्रम में शामिल होने के लिए भाजपा के नेताओं और कार्यकताओं द्वारा संबंधित 10 जिलों के लोगों को आमंत्रित किया जाएगा ।डॉ जायसवाल ने कहा कि कार्यक्रम मे कई विभागों में जनता की सहभागिता और उसकी उपयोगिता को लेकर प्रधानमंत्री का मार्गदर्शन मिलेगा, जो बिहार के लिए लाभकारी और कल्याणकारी होगा। प्रधानमंत्री अपने इस दौरे में बिहार को कई बडे सौगात भी दें सकते हैं।

बैठक मे जदयू के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष सांसद संजय झा,डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी,विजय सिन्हा,केन्द्रीय पंचायती राज मंत्री ललन सिंह, जदयू के प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा, लोजपा (आर) के प्रदेश अध्यक्ष राजू तिवारी,हम के प्रदेश अध्यक्ष अनिल सिंह,रालोमो के प्रदेश अध्यक्ष मदन चौधरी सहित मधुबनी,दरभंगा,झंझारपुर, समस्तीपुर, मुजफ्फरपुर, सीतामढी,शिवहर,सहरसा,सुपौल, अररिया जिलों के सांसद,विधायक और प्रमुख नेतागण शामिल हुए।

बिहार से पलायन रोकने के लिए सिर्फ चुनावी यात्राएं नहीं, बल्कि ठोस आर्थिक सुधार जरूरी हैं: एस. आई. मेहदी नेहाल

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
सैयद शकील हैदर

- छपरा :भिकपुर गांव के अर्थशास्त्री और चार्टर्ड अकाउंटेंट एस. आई. मेहदी नेहाल ने बिहार में हो रहे पलायन और बेरोजगारी पर गहरी चिंता व्यक्त की है। उनका मानना है कि केवल राजनीतिक यात्राओं और वादों से इस समस्या का समाधान नहीं होगा।
- उन्होंने राहुल गांधी की ऱपलायन रोको, नौकरी दो यात्राऱ को एक चुनावी अभियान बताया और कहा कि जब तक बिहार में इंफ्रास्ट्रक्चर, औद्योगिक विकास और निवेश को बढ़ावा नहीं मिलेगा, तब तक पलायन को नहीं रोका जा सकता।
- नितीश कुमार के कार्यकाल में कुछ सामाजिक और आधारभूत सुधार जरूर हुए हैं, लेकिन उद्योग और निवेश के क्षेत्र में बिहार अभी भी पीछे है। निहाल ने यह भी कहा कि बिहार का सामाजिक ढांचा और जातिगत राजनीति अक्सर आर्थिक विकास के रास्ते में बाधा बनती है।
- उन्होंने पटना.में जमीन के दामों में हुई तेज बढ़ोतरी पर भी सवाल उठाए झ्र ऱआखिर यह पैसा आ कहां से रहा है? क्या यह काला धन है, या शराब की तस्करी से जुड़ा हुआ पैसा?
- बिहार में अधिकतर पुरानी इंडस्ट्रीज जैसे कि शुगर, टेक्सटाइल, हैंडलूम अब लगभग बंद हो चुकी हैं। सरकार का यह कहना कि बिहार एक लैंडलॉक्ड राज्य है इसलिए उद्योग नहीं लग सकते, यह तर्क भी कमजोर है झ्र क्योंकि उत्तर प्रदेश, हरियाणा और पंजाब भी लैंडलॉक्ड हैं लेकिन वहां तेज औद्योगिक विकास हुआ है।
- झारखंड के अलग हो जाने के बाद बिहार की स्थिति और भी खराब हो गई है। यहां की अर्थव्यवस्था मुख्यत: कृषि और सेवा क्षेत्र पर आधारित है। करीब 85% आबादी ग्रामीण इलाकों में रहती है, जबकि राष्ट्रीय औसत 70% है। अधिकतर लोग छोटे किसान हैं और रोजगार की तलाश में दूसरे राज्यों की ओर पलायन कर जाते हैं।
- उन्होंने कहा, ऱहर किसी को सरकारी नौकरी नहीं दी जा सकती, इसलिए हमें उद्योग लगाने ही होंगे।
- नब्बे के दशक में लालू प्रसाद यादव के समय सामाजिक न्याय के क्षेत्र में कुछ प्रगति जरूर हुई, लेकिन आधारभूत ढांचे और प्रशासनिक सुधार की अनदेखी की गई। जिससे भ्रष्टाचार और अपराध बढ़े और बिहार की छवि खराब हुई।
- लेकिन बिहार वही राज्य है जिसने भारत को आर्यभट्ट, अशोक, चंद्रगुप्त मौर्य, चाणक्य, बुद्ध, महावीर, गुरु गोविंद सिंह, शेर शाह सूरी, डॉ. राजेंद्र प्रसाद और जय प्रकाश नारायण जैसी महान हस्तियां दी हैं। और आज भी सबसे ज्यादा वढरउ में सफल अभ्यर्थी बिहार से ही आते हैं।
- निहाल का कहना है कि बिहार में आर्थिक विकास की अपार संभावनाएं हैं। इसके लिए जरूरी है कि :
- आधारभूत ढांचा मजबूत किया जाए, उद्योगों को बढ़ावा दिया जाए, निजी निवेश को आकर्षित किया जाए, कृषि उत्पादन में सुधार लाया जाए, शिक्षा और स्किल डिवेलपमेंट में निवेश हो, एक जवाबदेह और कुशल प्रशासन हो, प्रभावी कल्याणकारी योजनाएं लागू की जाएं
- इन सभी उपायों से रोजगार के अवसर पैदा होंगे, अर्थव्यवस्था को गति मिलेगी और बिहार से लोगों का पलायन रोका जा सकेगा।

विगत 24 घंटे में विशेष अभियान चलाकर 35 अभियुक्तों को किया गया गिरफ्तार

वरिष्ठ संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
शकील हैदर,

छपरा,वरीय पुलिस अधीक्षक, सारण द्वारा दिये गये निर्देश के आलोक में असामाजिक तत्वों / अपराधकर्मियों की गिरफ्तारी एवं शराब के सेवन / बिक्री/भण्डारण / निर्माण / परिवहन आदि पर पूर्ण रूप से पाबंदी लगाने तथा देशी शराब भट्टी ध्वस्त करने हेतु कार्रवाई को द्द ष्टिगत रखते हुए दिनांक-11.04.2025 को विशेष अभियान चलाया गया। इस अभियान में कुल-35 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया, जिसमें शराब कारोबार में-05, शराब सेवन-20, वारंट में-05, हत्या का प्रयास में-03, पुलिस पर हमला में-01 एवं आइटी एक्ट में-01 अभियुक्त शामिल हैं।जिले में अपराध नियंत्रण एवं यातायात सुरक्षा के दृष्टिकोण से कुल-56 वाहनों से 2,26,000 रू० जुमार्ना राशि वसूली गई। साथ ही जिला अंतर्गत मोटरसाइकिल-02 एवं स्कूटी-01 बरामद।

समरसता के भाव से सराबोर रहा द्वितीय दिवस

विद्या भारती साधारण सभा बैठक

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

राजगीर (नालंदा)। विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान की साधारण सभा का दूसरा दिन समरसता के भाव से सराबोर रहा। खास बात यह रही कि आयोजन केंद्र पूज्य तपस्वी श्री जगजीवन जी महाराज सरस्वती विद्या मंदिर द्वारा राजगीर के आस पास के क्षेत्रों में सेवा बस्तियों में संचालित संस्कार केंद्रों की माताएं और बच्चे आयोजन स्थल पर पहुंचे। उन केंद्रों से जुड़ी वंचित वर्ग की महिलाओं ने देशभर से आए अतिथियों के लिए श्रद्धाभाव से घरों से रोटियां, सब्जियां आदि लाया। फिर विद्या भारती की संगठनात्मक व्यवस्था द्वारा उन वंचित वर्ग की महिलाओं को सम्मान के साथ भोज कराया गया। सामाजिक समरसता का यह अनुपम आयोजन साधारण सभा के आगत अतिथियों के लिए भी एक अविस्मरणीय अनुभव बना ।मालूम हो कि पूज्य तपस्वी श्री जगजीवन जी महाराज सरस्वती विद्या मंदिर, हसनपुर, राजगीर द्वारा राजगीर के आस पास के क्षेत्रों में सेवा बस्तियों में तकरीबन 30 से अधिक संस्कार केंद्र चलाए जा रहे हैं। जहां वंचित वर्गों के बच्चों को शिक्षित किया जा रहा है । विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान के अखिल भारतीय महामंत्री अवनीश भटनागर ने बताया कि संस्थान द्वारा देशभर में 4000 के करीब संस्कार केंद्र संचालित किए जा रहे हैं। इन संस्कार केंद्रों का मुख्य उद्देश्य वंचित वर्गों के छात्रों को सुशिक्षा और सदसंस्कार प्रदान करना होता है। यहां छात्रों को स्वावलंबी और संस्कारी बनाने पर ध्यान केंद्रित किया जाता है। ताकि वे समाज के जिम्मेदार नागरिक बन सकें।

बेगूसराय को मिली खेल भवन सह व्यायामशाला की सौगात

जिला संवाददाता
साहिल अंसारी
रोजनामा इंडो गल्फ

बेगुसराय:शनिवार को बेगूसराय को एक नई सौगात मिली।

बिहार सरकार के सौजन्य से खेल भवन सह व्यायामशाला का निर्माण कार्य का शुभारंभ बेगूसराय समाहरणालय के बगल में हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह, विशिष्ट अतिथि के रूप में खेल मंत्री बिहार सरकार सुरेंद्र मेहता, बेगूसराय के विधायक कुंदन कुमार, मटिहानी के विधायक राजकुमार सिंह के द्वारा सामूहिक रूप से फीता काटकर और नारियल फोड़ कर खेल भवन सह व्यायामशाला के निर्माण का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर जिलाधिकारी महोदय तुषार सिंगला सर, पुलिस अधीक्षक मनीष कुमार, भूमि उप समाहर्ता सह उपाधीक्षक शारीरिक शिक्षा ऐश्वर्य कश्यप सर सहित जिले के अन्य वरीय अधिकारी मौजूद रहें ।डीएम तुषार सिंगला के प्रयास की हर कोई कर रहा है सराहना सभी आगंतुक अतिथियों का जिला प्रशासन बेगूसराय की ओर से ऐश्वर्य कश्यप सर ने अंग वस्त्र पहनाकर स्वागत किया। साथ ही उन्होंने कहा कि जिले में इस खेल भवन सह व्यायामशाला से युवाओं और खिलाड़ियों को काफी लाभ मिलेगा। केंद्र सरकार और बिहार सरकार खेल और खिलाड़ियों को लेकर के काफी काम कर रही है। हर जिला में इस तरह के खेल भवन सह व्यायामशाला बनाया जा रहा है। साथ ही हर प्रखंड में स्टेडियम का निर्माण हो रहा है और पंचायत में खेल मैदान बनाया जा रहा है। उन्होंने केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह और बिहार सरकार के खेल मंत्री सुरेन्द्र मेहता के प्रति आभार प्रकट किया। खेल विभाग बेगूसराय द्वारा जिला प्रशासन बेगूसराय से इस खेल भवन सह व्यायामशाला की मांग लंबित थी। वर्तमान जिलाधिकारी तुषार सिंगला के प्रयास से अब यह नया खेल भवन जिले के खिलाड़ियों और युवाओं को मिलने जा रहा है। वर्तमान जिलाधिकारी काफी।

भूतपूर्व ड्रेसर के निधन पर शोकसभा का आयोजन कर दिया श्रद्धांजलि

उनके निधन की सूचना पर रेफरल हॉस्पिटल ताजपुर में प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ सोनेलाल की अध्यक्षता एवं प्रधान लिपिक रंजीत कुमार के संचालन में शोकसभा का आयोजन कर श्रद्धांजलि दी गई ।साथ ही उनके आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन धारण किया गया ।सभा को डॉ जावेद अहमद सज्जाद, डॉ अफजाल, डॉ वीरेंद्र कुमार, हेल्थ मैनेजर शनि दयाल आदि ने संबोधित करते हुए उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर विस्तार से चर्चा किया

प्रखंड संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
अब्दुल कादिर

ताजपुर / समस्तीपुर ।जननायक कपूर्री ठाकुर रेफरल हॉस्पिटल के भूतपूर्व ड्रेसर अजहर इमाम (82 वर्ष) का बीते गुरुवार को नगर परिषद क्षेत्र के वार्ड संख्या 7 ताजपुर बहेलिया टोला स्थित उनके निजी आवास पर निधन हो गया । उनके निधन की सूचना पर रेफरल हॉस्पिटल ताजपुर में प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ सोनेलाल की अध्यक्षता एवं प्रधान लिपिक रंजीत कुमार के संचालन में शोकसभा का आयोजन कर श्रद्धांजलि दी गई ।साथ ही उनके आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन धारण किया गया । सभा को डॉ जावेद अहमद सज्जाद, डॉ अफजाल, डॉ वीरेंद्र कुमार, हेल्थ मैनेजर शनि दयाल आदि ने संबोधित करते हुए उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर विस्तार से चर्चा किया । अपने अध्यक्षीय संबोधन में डॉ सोनेलाल राय ने कहा कि अजहर इमाम शांत, सौम्य एवं कार्य के प्रति समर्पित व्यक्तित्व के धनी थे । संसाधन के अभाव के बावजूद वह अपने कार्य को गंभीरता के साथ निर्वहन किया करते थे ।जिसके कारण आज भी वह क्षेत्र में वह ड्रेसर बाबू के नाम से जाने जाते थे ।लगभग 20 वर्ष पहले वह कार्य से सेवानिवृत हुए थे ।वह अपने पूछे भरा पूरा परिवार छोड़कर इस दुनिया को अलविदा कह दिए । उनके निधन पर स्थानीय चेयरमैन प्रतिनिधि संतोष चौधरी, उपचेयरमैन प्रतिनिधि अनिकेत कुमार अंशु, स्थानीय वार्ड पार्षद अन्ना विक्की आदि ने शोक प्रकट किया ।

टेम्पो पलटने से पति की मौत, पत्नी घायल

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

हुसैनगंज, एक संवाददाता। थाना क्षेत्र के सीवान-सिसवन मुख्य मार्ग पर छपियाँ के समीप टेम्पो पलटने से पति-पत्नी बुरी तरह घायल हो गए। दोनो की पहचान रसुलपुर निवासी 65 वर्षीय पारस प्रसाद एवं उनकी पत्नी प्रभावती देवी के रूप में हुई है। टेम्पो पलटने के थोड़ी देर बाद ही घटनास्थल पर ही पारस प्रसाद की मौत हो गई। वहीं उनकी पत्नी प्रभावती देवी के सिर एवं हाथ मे चोट लगने से घायल हो गई है। मौत की खबर सुनकर परिजनों में कोहराम मच गया। सूत्रों के अनुसार मृतक पारस प्रसाद शनिवार को टोटो से ईलाज कराने सिवान जा रहे थे। तभी किसी अज्ञात गाड़ी की टक्कर से टोटो टेम्पो अनियंत्रित होकर पलट गई। जिससे पारस प्रसाद की घटनास्थल पर मौत हो गई। तथा

पत्नी प्रभावती देवी घायल हो गई। 112 की पुलिस टीम इलाज हेतु सदर अस्पताल लेकर गई तथा शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया। स्थानीय मुखिया प्रतिनिधि ने बताया कि मृतक के दो पुत्र एवं दो पुत्री हैं। सभी की शादी हो चुकी है। मृतक टोकरी बुनकर जीविकोपार्जन करता था। थानाध्यक्ष अजीत कुमार सिंह ने बताया कि पीड़ित की ओर से थाने में आवेदन नहीं आया है। जबकि क्षतिग्रस्त टोटो गाड़ी को जब्त कर लिया गया है।

आज बिहार कांग्रेस ने तीसरा चार्जशीट प्रदेश की सरकार को संवाददाता सम्मेलन के द्वारा सौंपा

- श्री जिग्नेश मेवानी, विधायक, कार्यकारी अध्यक्ष, गुजरात कांग्रेस का बयान
- जेडीयू-भाजपा सरकार की दलितों, पिछड़ों, अति पिछड़ों के खिलाफ साजिश का सच!
- बिहार में आकंठ गरीबी, 5 करोड़ लोग ?40 रोज और 4 करोड़ लोग 67 रोज पर जिंदा हैं!

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

कांग्रेस जातिगत जनगणना कराएगी, जितनी आबादी उतना हक दिलाएगी! पटना, 12 अप्रैल 2025भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे जी और सामाजिक न्याय के पुरोधा राहुल गांधी जी लगातार जातिगत जनगणना की मांग कर रहे हैं। उनकी मान्यता है कि समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े हुए लोगों को अगर सामाजिक और आर्थिक न्याय दिलाना है, तो उनकी न सिर्फ जनगणना जरूरी है, बल्कि उनकी आबादी के अनुसार उनका हक निर्धारित करना भी जरूरी है। एक तरफ केंद्र की मोदी सरकार जातिगत जनगणना कराने से इंकार करती है, तो दूसरी तरफ बिहार प्रदेश की जेडीयू सरकार जातिगत जनगणना का स्वांग तो रचती है, मगर उसके होने वाले फायदे से बिहार के दलितों, आदिवासियों, पिछड़ों, अति पिछड़ों, अल्पसंख्यकों और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग को लाभ से वंचित कर देती है।

कांग्रेस पार्टी अपनी प्रतिबद्धता प्रदर्शित करती है कि हम हर हाल में राष्ट्रव्यापी स्तर पर जातिगत जनगणना कराकर महात्मा गांधी, बाबा साहेब अंबेडकर, पंडित जवाहर लाल नेहरु के स्वप्न को साकार करेंगे और समाज के अंतिम पंक्ति के लोगों को अग्रणी भूमिका दिलाएंगे। दलित आदिवासी, पिछड़े, अति पिछड़ों की यह लड़ाई सिर्फ उन तक नीतियों का लाभ पहुँचाने की नहीं है, अपितु उन्हें नीति निमार्ता बनाने की है।

जेडीयू भाजपा सरकार ने सत्ता की मलाई खाई, बिहार की जनता की झोली में आकंठ गरीबी आई।

बिहार की जेडीयू सरकार ने कास्टवाईज सोशो इकॉनॉमिक रिपोर्ट 07/11/2023 को प्रकाशित की। इस रिपोर्ट में बिहार के आकंठ गरीबी में डूबे होने के प्रमाण सामने आए। बिहार में 94.42 लाख से अधिक परिवार 200 रुपये प्रतिदिन या उससे भी कम आय पर गुजारा कर रहे हैं। रिपोर्ट के अनुसार राज्य में कुल 2,76,68,930 परिवार हैं। इनमें से 94.42 लाख परिवारों (34.13 प्रतिशत) की सभी स्त्रोतों से कुल मासिक आय या तो 6,000 रुपये या उससे कम है। इसका मतलब है कि ये परिवार प्रतिदिन केवल 200 रुपये या उससे कम कमा रहे हैं। राज्य में अन्य 81.91 लाख परिवारों (29.61 प्रतिशत) की मासिक आय 6,000 रुपये से 10,000 रुपये के बीच है। अर्थात लगभग 5 करोड़ लोग 40 रुपये रोज पर और 4 करोड़ लोग 67 रुपये रोज पर जिंदा हैं।

इसका अर्थ यह हुआ कि बिहार के 13.83 करोड़ लोगों में से 8.82 करोड़ लोग यानी लगभग 64 प्रतिशत लोगों की आर्थिक स्थिति इस कदर बदहाल कर दी गई है।

अनुसूचित जनजातियों (एसटी) में से एक जाति बिरहोर में सबसे अधिक 78 प्रतिशत गरीब परिवार हैं, इसके बाद चेरो (59.6 प्रतिशत), सौरिया पहाड़िया (56.5 प्रतिशत) और बंजारा (55.6 प्रतिशत) हैं।

अनुसूचित जातियों (एससी) में मुसहर में सबसे ज्यादा 54.5 प्रतिशत गरीब परिवार हैं, उसके बाद भुइयां (53.5 प्रतिशत) और डोम (53.1 प्रतिशत) हैं।

सर्वेक्षण रिपोर्ट के अनुसार, राज्य भर में मुसहर जाति के कुल 8.73 लाख परिवार हैं। इनमें से 4.76 लाख परिवार आर्थिक रूप से गरीब की श्रेणी में आते हैं। इसका आशय साफ है कि बिहार के संसाधन गरीबों तक नहीं पहुँचे और भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गए।

कांग्रेस पार्टी के नेता हिमांशु कुमार का निधन, राहुल गांधी सहित प्रदेश अध्यक्ष राजेश कुमार व वरिष्ठ नेताओं ने जताया

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

पटना, 12 अप्रैल, 2025 कांग्रेस पार्टी के नेता एवं उत्तर बिहार किसान कांग्रेस के अध्यक्ष हिमांशु कुमार का आज असामयिक निधन हो गया।

उनके निधन पर कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष व देश के विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने गहरी संवेदना जताई है और उनके पुत्र को ढांढ़स बढ़ाया है। राहुल गांधी ने अपने शोक संदेश में कहा है कि हिमांशु कुमार जिम्मेदार और मेहनती इंसान थे जो हमेशा संगठन और समाज के भलाई के लिए काम करते रहें। विशेष रूप से किसानों और मजदूरों की बेहतरी के लिए उन्होंने जो योगदान दिया है उसे हमेश सम्मान के साथ याद किया जाएगा।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश कुमार ने भी गहरा शोक व्यक्त किया है और कहा कि वे आजीवन किसानों के उत्थान के लिए उन्होंने कार्य किया और लगातार विभिन्न मंचों पर और पार्टी फोरम में उनके हक की आवाज उठाते रहें। उनके निधन से हमने एक क्रांतिकारी नेता खो दिया है। पार्टी के विभिन्न कार्यक्रमों में बढ़ चढकर उन्होंने सदैव हिस्सा लिया करते थे। उनके निधन से कांग्रेस पार्टी की अपूरणीय क्षति हुई है। ईश्वर उनकी दिवंगत आत्मा की शांति एवं शोक संतप्त परिवार को दुख सहने की शक्ति प्रदान करे।

बिहार कांग्रेस के प्रभारी कृष्णा अल्लावारू, डा0 शकील अहमद खान, डा0 मदन मोहन झा, डॉ शकील अहमद , मोतीलाल शर्मा, कृपानाथ पाठक, प्रेमचन्द्र मिश्रा, राजेश राठौड़, अजय चौधरी, डा0 हरखू झा, भावना झा, डॉ स्नेहाशीष वर्धन पाण्डेय ने हिमांशु कुमार के निधन पर गहरी शोक संवेदना व्यक्त की।

हनुमंत ध्वजारोहण के उपरांत बैठक में श्रीराम कथा के लिए कई निर्णय

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

- 28 अप्रैल से 6 मई तक होगी जगत गुरू श्रीरामभद्राचार्य की श्रीराम कथा

सीतामढ़ी । नौ दिवसीय जानकी प्राक्टयोत्सव के दौरान तुलसीपीठाश्वर जगत गुरु श्रीरामभद्राचार्य जी महाराज के श्रीमुख से आयोजित होने वाली श्रीराम कथा निर्विघ्न संपन्न कराने के उद्देश्य से शनिवार पुनौराधाम मंदिर परिसर में मिथिला राघव परिवार और जन्मस्थान जानकी मंदिर न्यास के व्दारा मंत्रोच्चारण के साथ श्री हनुमंत ध्वजारोहण किया गया।आचार्य श्री पंकज द्विवेदी ने ध्वजारोहण के यजमान राम छबिला चौधरी के व्दारा वैदिक रीति से विधिवत हनुमंत ध्वज पूजन तथा आरती संपन्न कराए। ध्वजारोहण उपरांत मंदिर परिसर में श्रीराम कथा की तैयारी के लिए प्रो उमेश चन्द्र झा तथा राम शंकर शास्त्री के संयुक्त अध्यक्षता की बैठक हुई। जिसमें सर्वसम्मति से नौ दिवसीय जानकी प्राक्टयोत्सव हर्षोल्लास के साथ धुम धाम से मनाने का निर्णय लिया गया। साथ ही प्रशासनिक सहयोग के लिए डीएम एसपी और नगर आयुक्त से मिलकर सीता कुण्ड को सजाने तथा विधि व्यवस्था बनाए रखने के लिए नौ दिन पुलिस बल तथा दंडाधिकारी की प्रतिनियुक्त कराने के लिए संपर्क करने का निर्णय लिया गया। वहीं सीता कुण्ड की परिक्रमा पथ को सुगम बनाने के लिए पथ पर मैट और ऊपर हल्का धूप से बचाव के लिए सेड बनाने हेतु प्रशासन से सहयोग लेने का निर्णय लिया गया।साथ साथ नगर आयुक्त से मिलकर सीता कुण्ड घाट की मरम्मति, कचड़ा प्रबंधन, सम्पूर्ण परिसर की साफ-सफाई, जल जमाव से निजात और आयोजन उमड़ने वाली भीड़ को लेकर जल का टैंकर और चलंत शौचालय की व्यवस्था के लिए पहल करने का निर्णय लिया गया। साथ साथ जानकी नवमी के दिन सीता कुण्ड की महा आरती को लेकर घाट पर सेड व मंच बनाने, लोगों तथा जगतगुरु के आने जाने बास्ते बैरिकेड्स के प्रवेश और निकास की अलग अलग व्यवस्था करने का निर्णय लिया गया। बैठक में जन्म स्थान पुनौराधाम मंदिर के महंथ श्री कौशल किशोर दास जी के उत्तराधिकारी राम कुमार दास, महंथ मनमोहन कौशिक, राम छबिला चौधरी, रंजन कुमार बाल्मीकि कुमार, रघुनाथ प्रसाद श्रवण कुमार, निशांत कुमार शर्मा, धनुषधारी प्रसाद सिंह, जीतेश कुमार, राम कुमार मनोहर, साकेत बिहारी वीरेन्द्र चौधरी, निर्मल चन्द्र ठाकुर हरिवंश प्रसाद तथा राहुल कुमार आदि दर्जनों मिथिला राघव परिवार तथा न्यास समिति के प्रतिनिधि तन मन धन से जानकी प्राक्टयोत्सव हर्षोल्लास के मनाने का संकल्प दुहराया।सीता रसोई में महा प्रसाद की व्यवस्था की गई थी।

राकेश कुमार राय उर्फ बच्चा बाबू बने बछवाड़ा जदयू के प्रखंड अध्यक्ष

जिला संवाददाता
साहिल अंसारी
रोजनामा इंडो गल्फ

बेगुसराय:बेगूसराय जिला जेडीयू संगठन प्रभारी डॉ० राम प्रवेश पासवान के अनुशंसा पर बिहार प्रदेश जेडीयू के मुख्यालय प्रभारी स्थापना चंदन कुमार सिंह ने पत्रांक शून्य दिनांक 09 मार्च 2025 के अनुशंसा पत्र में राकेश कुमार राय उर्फ बच्चा बाबू को जनतादल यू बछवाड़ा प्रखंड का प्रखंड अध्यक्ष मनोनीत किया ।राकेश कुमार राय उर्फ बच्चा बाबू के मनोनयन पर मटिहानी विधानसभा के बिधायक राज कुमार
सिंह, जदयू जिलाध्यक्ष रूदल राय, पूर्व एमएलसी भूमिपाल राय, विष्णु ट्रामा सेंटर बेगूसराय के आथोपेंडिक सर्जन सह प्रदेश सचिव डॉक्टर प्रवीण कुमार, जदयू जिला प्रवक्ता अरुण कुमार महतो, जदयू जिला उपाध्यक्ष

09 मार्च 2025 के अनुशंसा पत्र में राकेश कुमार राय उर्फ बच्चा बाबू को जनतादल यू बछवाड़ा प्रखंड का प्रखंड अध्यक्ष मनोनीत किया ।

अमरजीत राय, जदयू नेता सनोज कुमार राय, अंकुर कुमार , सोनू कुमार ने राकेश कुमार राय उर्फ बच्चा बाबू को बधाई दी इस अवसर पर जदयू जिलाध्यक्ष रूदल राय ने कहा कि राकेश कुमार राय उर्फ बच्चा बाबू समता पार्टी काल के कार्यकर्ता है इनके नेतृत्व में जदयू पार्टी संगठन और मजबूत होगा

टेम्पो पलटने से दम्पति घायल हो गए. उस घटना में रसूलपुर निवासी पारस प्रसाद उम्र 65 वर्ष की मौत

हुसैनगंज संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

सिवान- सिसवन मुख्य सड़क पर हुसैनगंज थानाक्षेत्र के छपियाँ में पास टेम्पो पलटने से दम्पति घायल हो गए. उस घटना में रसूलपुर निवासी पारस प्रसाद उम्र 65 वर्ष की मौत हो गई. मृतक की पत्नी प्रभावती देवी के सिर एवं हाथ में चोट लगने से गंभीर रूप से घायल हो गई .मौत की खबर सुनते ही स्वजनों में कोहराम मच गया.सूत्रों ने बताया कि मृतक पारस प्रसाद अपनी पत्नी के साथ शनिवार को टोटो से ईलाज कराने सिवान जा रहा था. उसी दौरान किसी अज्ञात वाहन ने टोटो में जोरदार टक्कर मारकर भाग गया. टोटो वहीं सड़क पर पलट गया. जिसमें उसका घटनास्थल पर ही मौत हो गई. स्थानीय लोगों ने 112 कि पुलिस वाहन को सूचना दिया. पुलिस टीम दोनों को लेकर सदर अस्पताल सीवान इलाज के लिए लेकर गई. मृतक के शव का पोस्टमार्टम कराकर पुलिस उसके परिजनों को सौंप दिया. बताया जा रहा है कि मृतक के दो पुत्र एवं दो पुत्री हैं.सभी विवाहित है. ग्रामीणों ने बताया कि मृतक टोकरी बुनकर अपने परिवार की जीविकोपार्जन करता था. इस संदर्भ में थानाध्यक्ष अजीत कुमार सिंह ने बताया कि पीड़ित के परिवार की ओर से थाने में अभी तक आवेदन नहीं आया है. पुलिस क्षतिग्रस्त टोटो वाहन को जब्त कर अपने कब्जे में ले लिया है. टोटो वाहन के चालक फरार हो गया. पुलिस घटना की जांच पड़ताल में जूट गयी है.

सड़क दुर्घटना में हुई एक घायल युवक की इलाज के दौरान मौत

हुसैनगंज संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

संवाददाता हुसैनगंज:थाना क्षेत्र के स्थानीय प्रखंड के बीआरसी कार्यालय गेट के पास लगभग एक माह पूर्व इनोवा कार के चालक ने फार्म हाउस के बाउंड्री को तोड़ते हुए पलट गया था. उसी दौरान थाना के स्थानीय गाँव के एक बाईक पर सवार दो युवक हुसैनगंज बाजार जा रहे थे. उनके बाईक में कार ने जोरदार ठोकर मार दिया था. जिसमें दोनों युवकों को गंभीर चोंटे लगी थी.उसमें से एक युवक की घटना स्थल पर ही मौत हो गई थी जबकि एक गंभीर रूप से घायल हो गया था. घायल युवक तारकेश्वर साह का पुत्र दिलीप साह उम्र 27 वर्ष बताया जाता है. उसका इलाज परिजनों द्वारा सीवान, पटना और गोरखपुर में कराया गया. इलाज के दौरान उसका भी गुरूवार की रात्रि गोरखपुर में मौत हो गया. मृतक के एक 4 वर्षीय पुत्र अंश कुमार व एक 2 वर्षीय पुत्री अदिति कुमारी है. मृतक दिलीप शादी विवाह में टेंट चला कर अपने परिवार की जीविका चलाता था. उसके मौत होने पर उसके परिजनों पर पहाड़ टुट पड़ा है.

समाज सेवी ने किया पार्क का उद्घाटन

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
अबु बकर सिद्दीकी

दरभंगा वॉव वाटर पार्क का उद्घाटन होते ही छात्र-छात्राओं में हर्ष*
वॉव वाटर पार्क दरभंगा जिला के एन एच. 57
बिजली हॉलट के निकट इस वॉव वाटर पार्क खुलने से सभी लोग वॉव वाटर पार्क में आनंद लेने के लिए दूर दराज से लोगो की भीड़ देखने को मिल रहि है ' वॉव वाटर पार्क का उद्घाटन होते ही छात्र-छात्राओं एवं अभिभावक को अब बड़े शहर जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी वॉव वाटर पार्क का आनंद अब अपने जिला दरभंगा के बिजुली हॉलट एन.एच 57 के निकट ही मिल जाएगा वाटर पार्क के प्रोपराइटर सैयद मोजम्मिल एवं मैनेजर विकास कुमार ने बताया कि हमारे यहां पूरी सुरक्षा के साथ सभी तरह की सुविधा उपलब्ध है खास कर महिलाओं के लिए स्पेशल सेक्रेटरी की व्यवस्था की गई है '
ताकि जो भी पेरेंस है उन्हें किसी तरह की कोई कठिनाई न हो
यहां वेल्मिंटन वाव रेस्टोरेंट
भी इसी कैंपस में सभी तरह के खाना एवं वेज नॉन वेज पर भी विशेष छूट के साथ आप स्वाद ले सकते हैं '
वही विकास कुमार ने बताया कि यहां गाड़ी पार्किंग से लेकर सारी सिक्योरिटी इसी कैंपस में मिल जाएगी और हम लोगों का उद्देश्य है की सभी कस्टमर को अच्छी से अच्छी सुविधा प्रदान करना कि हमारा उद्देश्य है एक बार आप जरूर आई और इस वाटर पार्क का आनंद उठाइए
विशेष जानकारी के लिए हमारा मोबाइल नंबर है, 7070915144
9263 467 639
इस पर भी आप विशेष जानकारी एवं कांटेक्ट कर सकते हैं और टिकट से संबंधित और भी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं
से हर मौसम में अलग-अलग ऑफर रहता है खास कर स्टूडेंट और
आने वाले अतिथियों के लिए विशेष छूट रखी गई है '.पता.एन एच. 57 वॉव वाटर पार्क कैंपस बिजली हाल्ट नियर सीता पेट्रोल पंप दरभंग

पीएम किसान निधि के लाभुकों का बनेगा फार्मर आईडी, बैठक आयोजित

प्रखंडसंवाददाता
साहिल अंसारी
पंकज कुमार सिंह

मशरक के ई किसान सभागार में प्रखंड कृषि पदाधिकारी राकेश कुमार की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गयी। कृषि पदाधिकारी राकेश कुमार ने बताया कि किसानों को सरकारी योजनाओं का लाभ सही समय पर और आसानी से मिल सके, इसके लिए कृषि विभाग ने फार्मर रजिस्ट्री की शुरूआत की है। योजना के पहले चरण में मशरक के नगर पंचायत और बंगरा पंचायत के राजस्व गांवों का चयन किया गया है। इन गांवों में किसानों का पंजीकरण किया जाएगा और उन्हें एक डिजिटल फार्मर आईडी दी जाएगी।कृषि पदाधिकारी राकेश कुमार ने बताया कि किसान कार्ड के लिए कई महत्वपूर्ण दस्तावेजों की आवश्यकता होगी। इसमें किसान का आधार कार्ड, रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर, ईमेल आईडी, जमीन के कागजात आदि शामिल हैं। बैठक में कृषि सलाहकार अनिल कुमार, मनोज कुमार, ओम प्रकाश सिंह, त्रिलोकी राय समेत अन्य कर्मचारी मौजूद रहें।

मधुबनी जिलाधिकारी अरविन्द कुमार वर्मा ने समाहरणालय के विभिन्न शाखाओं के प्रधान लिपिकों , सहायकों आदि के साथ बैठक कर कर दिए कई निर्देश।

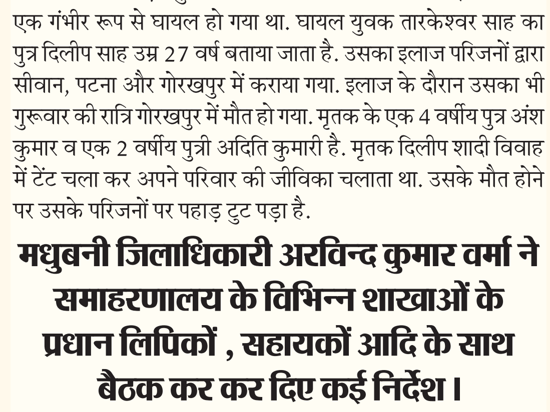

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मो. अबु बकर सिद्दीकी

मधुबनी जिलाधिकारी अरविन्द कुमार वर्मा ने समाहरणालय के विभिन्न शाखाओं के प्रधान लिपिकों , सहायकों आदि के साथ डीआरडीए सभागार में बैठक कर कई आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने सभी प्रधान लिपिकों एवं सहायकों को निर्देश दिया कि आगत पंजी,निर्गत पंजी,रोकड़ पंजी,अवकाश पंजी सहित सभी पंजियों को अधतन रखे।जिलधिकारी ने सेवान्त लाभ , विभागीय अनुशासनिक कार्रवाई, सी0डब्लू0जे0सी/एम0जे0सी0/डी0सी0 विपत्र/लोकायुक्त से संबंधित मामले/लोक शिकायत/लोक सभा/विधान सभा प्रश्न आदि की समीक्षा कर कई निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक कार्यालय के मुख्य रोकड़ पंजी के अंतिम पृष्ठ की सत्यापित प्रति पत्येक कार्यालय के प्रधान सहायक द्वारा समीक्षा हेतु बैठक में अचूक रूप से लाना सुनिश्चित करेंगे। उक्त बैठक में वरीय उप समाहर्ता शशि कुमार सहित सभी कार्यालयों के प्रधान सहायक उपस्थित थे।

मधुबनी जिलाधिकारी-सह- अध्यक्ष, जिला सड़क सुरक्षा समिति, अरविन्द कुमार वर्मा की अध्यक्षता में जिला सड़क सुरक्षा समिति एवं विद्यालय परिवहन समिति की बैठक

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मो. अबु बकर सिद्दीकी

मधुबनी जिलाधिकारी-सह- अध्यक्ष, जिला सड़क सुरक्षा समिति, अरविन्द कुमार वर्मा की अध्यक्षता में जिला सड़क सुरक्षा समिति एवं विद्यालय परिवहन समिति की बैठक हुई आयोजित।सड़क सुरक्षा, हिट एंड रन मामले, सड़क दुर्घटनाओं का न्यूनीकरण, सुरक्षित वाहन चालन, घायलों की मदद, दुर्घटना दावा, चिन्हित ब्लैक स्पॉट पर सड़क सुरक्षा को लेकर की गई कार्रवाई,अवैध पार्किंग, शहर में जाम की समस्या, यातायात नियमों के संबंध में जागरूकता आदि को लेकर डीएम ने दिए कई आवश्यक निर्देश.

दुर्घटना स्थल पर हुई दुर्घटना का विस्तृत आकलन का रिपोर्ट करे,ताकि दुर्घटना में कमी लाने हेतु ठोस प्लान बनाई जा सके। ड्ट सड़क दुर्घटनाओं में घायलों और मृतकों का आंकड़ा उपलब्ध कराने तथा संबंधित थाने को दुर्घटनाओं में पीड़ितों को एंबुलेंस उपलब्धता का प्रतिवेदन उपलब्ध कराने के दिए निर्देश.

ड्ट हिट एंड रन के शत प्रतिशत मामले को पूरी गंभीरता से लेकर मुआवजा हेतु त्वरित करवाई करे.

ड्ट मोटर वाहन अधिनियम अंतर्गत जांच एवं कार्रवाई को सख्ती से लागू करने के भी दिए निर्देश.डीएम ने अवैध वाहन पार्किंग को लेकर लगातार अभियान चलाते रहने का दिया निर्देश.पथ निर्माण विभाग के अभियंताओं को सभी आवश्यक एवं महत्त्वपूर्ण स्थलों पर अनिवार्य रूप से साइनेज लगाने का दिया निर्देश।.

जिलाधिकारी -सह- अध्यक्ष, जिला सड़क सुरक्षा समिति अरविन्द कुमार वर्मा की अध्यक्षता में समाहरणालय स्थित सभा कक्ष में जिला सड़क सुरक्षा समिति एवं विद्यालय परिवहन समिति की बैठक आयोजित की गई. जिलाधिकारी ने सड़क सुरक्षा, हिट एंड रन मामले, सड़क संबधी कमियों का न्यूनीकरण, सुरक्षित वाहन चालन, घायलों की मदद, दुर्घटना दावा, चिन्हित ब्लैक स्पॉट पर सड़क सुरक्षा को लेकर की गई करवाई, शहर में जाम की समस्या, यातायात नियमों के संबंध में जागरूकता आदि को लेकर विस्तृत समीक्षा कर संबधित अधिकारियों को कई आवश्यक दिशानिर्देश भी दिए. जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि दुर्घटना स्थल पर हुई दुर्घटना का विस्तृत आकलन का रिपोर्ट करे,ताकि दुर्घटना में कमी लाने हेतु ठोस प्लान बनाई जा सके।उन्होंने मोटर वाहन अधिनियम अंतर्गत जांच एवं कार्रवाई को सख्ती से लागू करने का निर्देश देते हुए कहा कि नियमित रूप से कृत कार्रवाई से संबधित रिपोर्ट भेजे. उन्होंने कहा कि आम लोगों को जागरूक कर सड़क दुर्घटना की आशंका को काफी कम किया जा सकता है।

जिलाधिकारी ने संबंधित विभाग को सड़क पर बने डिवाइडर को पेंट करने हेतु आवश्यक निर्देश दिए. साथ ही सड़क दुर्घटनाओं में घायलों और मृतकों का आंकड़ा उपलब्ध कराने तथा संबंधित थाने को दुर्घटनाओं में पीड़ितों को एंबुलेंस उपलब्धता का प्रतिवेदन उपलब्ध कराने के दिए निर्देश भी दिए.जिलाधिकारी ने कहा कि यातायात नियमों के प्रति लोगों को जागरूक करने हेतु नियमित रूप से अभियान चलाने की जरूरत है. उन्होंने जिला शिक्षा पदाधिकारी को विद्यालय के पठन-पाठन में बच्चों के बीच वाद-विवाद प्रतियोगिता, स्लोगन, पेंटिंग कंपटीशन, विचार गोष्ठी का आयोजन के माध्यम से सड़क सुरक्षा के प्रति बच्चों को जागरूक करने का निर्देश दिया. जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि हिट एंड रन के शत प्रतिशत मामले को पूरी गंभीरता से लेकर मुआवजा हेतु त्वरित कार्रवाई करे. जिलाधिकारी ने उपस्थित जिला परिवहन पदाधिकारी को निर्देश दिया कि सभी घटित मामलों के आलोक आवेदन प्राप्त कर मुआवजा हेतु अग्रेतर कार्रवाई करे. जिलाधिकारी ने सड़क अतिक्रमण, सड़क मरम्मति और जाम की समस्या को लेकर भी समीक्षा किया. उन्होंने नगर निकायों को निर्देश दिया गया कि सड़क अतिक्रमण को लेकर लगातार अभियान चलाया जाए. साथ ही,अवैध पार्किंग,बिना निबंधित वाहन परिचालन, ओवरलोडिंग, निर्धारित रूट से इतर वाहन चलाने वाले के विरुद्ध विशेष अभियान चलाकर जुमार्ना व जब्ती की कार्रवाई प्रारंभ कराएं, जिसकी रिपोर्ट भी उपलब्ध करवाना सुनिश्चित करे। उन्होंने सड़क निर्माण और पुल निर्माण के अभियंता को निर्देश दिया गया कि सड़क को मोटरेबल रखने हेतु नियमित रूप से साइट का विजिट करें।जिलाधिकारी ने जिले में दुर्घटना बाहुल्य ब्लैक स्पॉट के रूप में चिन्हित स्थलों की समीक्षा के क्रम में निर्देश दिया कि सभी चिन्हित स्थलों पर रोड एजेंसी के कार्यपालक अभियंता को निर्देश दिए कि स्वयं जाकर देखे तथा वहाँ दुर्घटना को कम करने हेतु सभी आवश्यक कदम उठाएं, जिसकी रिपोर्ट जिला मुख्यालय में भी करे.उन्होंने यातायात व्यवस्थाओं में आवश्यक सुधार एवं यातायात पुलिस कर्मियों की पर्याप्त व्यवस्था आदि को लेकर भी सम्बन्धित अधिकारियों को कई निर्देश दिए. उन्होंने कहा कि अवैध पार्किंग, ओवरस्पीड करने वाले वाहनों के विरूद्ध सख्त से सख्त कार्यवाही करते हुए उनके चालान काटे जाने की कार्यवाही सुनिश्चित की जाए,

विश्वविद्यालय अंग्रेजी विभाग तथा इंग्लिश लैंग्वेज टीचर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया के मिथिला चैप्टर द्वारा दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय कांफ्रेंस प्रारंभ

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मो. अबु बकर सिद्दीकी

शोध विश्वविद्यालय का दर्जा मिल जाने से ऐसे बहुविषयक एवं प्रासंगिक शैक्षणिक आयोजनों का महत्व इस विश्वविद्यालय के लिए अधिक बढ़ा- कुलपति

हनुमान जयंती के अवसर पर इस अंतरराष्ट्रीय कांफ्रेंस का आयोजन काफी शुभ है। इसमें भाषा, साहित्य और समाज पर दो दिनों तक विश्व स्तरीय गहन विचार-विमर्श से मानवीय समझ एवं सामाजिक विकास को नया स्वरूप मिलेगा। यह कॉन्फ्रेंस विद्वानों एवं शोधार्थियों के लिए एक विस्तृत एवं वैश्विक मंच प्रदान करेगा जो अर्थपूर्ण विमर्श के लिए विद्वानों को जोड़ने का भी काम कर रहा है। मुझे विश्वास है कि कांफ्रेंस में प्रस्तुत शोध पत्र भाषायी एवं साहित्यिक अध्ययन को सार्थक रूप से योगदान करेगा। उक्त बातें ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय, दरभंगा के कुलपति प्रोफेसर संजय कुमार चौधरी ने विश्वविद्यालय अंग्रेजी विभाग एवं इंग्लिश लैंग्वेज टीचर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया के मिथिला चैप्टर के संयुक्त तत्वावधान में भाषा, साहित्य एवं समाज : वर्तमान संदर्भ में विषय पर जुबली हॉल में आयोजित दो- दिवसीय अंतरराष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस में मुख्य संरक्षक के रूप में कही। उन्होंने कहा कि शोध विश्वविद्यालय का दर्जा मिल जाने से हमारे विश्वविद्यालय के लिए ऐसे बहुविषयक, विस्तृत एवं प्रासंगिक विषय पर शैक्षणिक आयोजन का महत्व अधिक बढ़ गया है। कुलपति ने कहा कि देश- विदेश के विद्वानों द्वारा कॉन्फ्रेंस में प्रस्तुत शोध पत्रों को आईएसबीएन बुक या स्तरीय शोध पत्रिकाओं में अवश्य ही प्रकाशित करें, ताकि भविष्य में समाज और शोधार्थी लाभान्वित हो सकें।अध्यक्षीय संबोधन में अंग्रेजी विभागाध्यक्ष एवं मानविकी संकायाध्यक्ष प्रो मंजू राय ने कहा कि मैं सहभागियों एवं अतिथियों का स्वागत करते हुए गौरवान्वित महसूस कर रही हूं। यह कॉन्फ्रेंस नई धारणाओं को जन्म देगा तथा भविष्य के विद्वानों एवं शोधार्थियों के लिए नया मार्ग प्रशस्त करेगा। इसमें सीमा रहित देश- विदेश के विद्वानों की खोज से समाज को मार्गदर्शन प्राप्त होगा। यह कॉन्फ्रेंस वैश्विक एवं क्षेत्रीय दृष्टिकोणों का संगम है, जिसमें भाषा-साहित्य एवं सामुदायिक अनुभवों पर आधारित शोध पत्र साहित्यिक संवाद के रूप में हमें प्रेरित करेंगे। की-नोट एड्रेस देते हुए पूर्व प्राध्यापक डॉ अमरेन्द्र शर्मा ने तकनीकी एवं एआई की चर्चा करते हुए कहा कि कांफ्रेंस का उद्देश्य विस्तृत एवं विभिन्न आयामों से जुड़ा हुआ है।

हनुमान जयंती के अवसर पर निजी स्कूल के छात्र - छात्राओं द्वारा निकाली गई शोभा यात्रा

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। राम भक्त हनुमान जयंती के अवसर पर प्रभु श्री राम के आदर्श एवं राम भक्त हनुमान के समर्पण के बारे मे बच्चो को जागरूक किया गया। इस अवसर पर एक निजी स्कूल के निदेशक प्रकाश कुमार के नेतृव में छात्र - छात्राओं द्वारा शोभा यात्रा निकाली गई, शोभा यात्रा स्कूल परिसर से निकलकर जय हनुमान की जयघोष करते हुए ग्रामीणों को हनुमान जयंती याद दिलाते हुए डेकारी चौक गई, शोभा यात्रा मे हनुमान जी की कृदार निभाने मे दिव्यांशु कुमार, प्रभु श्रीराम के कृदार में प्रणव कुमार, माता सीता के रूप में लवी सिंह ने कृदार निभाते हुए लोगो को जागरूक किया। शोभा यात्रा में सहयोग कर रहे अन्य छात्रों के साथ विद्यालय के शिक्षक विकास कुमार, इमरान खान, जयंती कुमार प्राचार्य कंचन कुमारी, जयंती कुमारी, दिलीप कुमार, सुमित कुमार, संतोष कुमार आदि मौजूद थे।

हनुमान जयंती पर मंदिर में सुंदरकांड पाठ का हुआ आयोजन

प्रखंड संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
पंकज कुमार सिंह

मशरक के महावीर चौक अवस्थित महावीर मंदिर, चैनपुर गांव में सूर्य मंदिर और चरिहारा गांव अवस्थित राम-जानकी शिव मंदिर परिसर में हनुमान जयंती के अवसर पर विशेष धार्मिक आयोजन किए गए। मंदिरों में सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया गया। थाना परिसर अवस्थित राम-जानकी शिव मंदिर के पुजारी टुन्ना बाबा ने बताया कि हनुमान जयंती पर मंदिर परिसर में विधिः विधान से पूजा अर्चना की गयी और प्रसाद का वितरण किया गया। चैत्र पूर्णिमा के इस पावन अवसर पर 12 अप्रैल शनिवार को हनुमान जन्मोत्सव मनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस वर्ष का हनुमान जन्मोत्सव विशेष है क्योंकि कई शुभ ग्रहों का योग बन रहा है। भद्रा के साया में बजरंगबली की पूजा की गयी। मान्यता है कि इस दिन पवनपुत्र हनुमान की विधिवत पूजा करने से साधकों को रोग, दोष और भय से मुक्ति मिलती है। साथ ही सुख- समृद्धि की प्राप्ति होती है।हिंदू धर्म में हनुमान जन्मोत्सव का विशेष महत्व है। हिंदू पंचांग के अनुसार, चैत्र मास की पूर्णिमा तिथि को हनुमान जी का जन्मदिन मनाया गया। हनुमान जयंती को लेकर शहर से गांव तक हनुमान भक्तों में काफी उत्साह देखा गया। लोग अपने अपने स्तर से हनुमान जी के पूजा अर्चना के लिए तैयारी में लगे हुए रहें। चरिहारा गांव में कांग्रेस नेता शैलेश सिंह ने विशेष पूजा अर्चना किया।

समस्तीपुर। जनता दरबार में दो मामले का हुआ निष्पादन

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। जिले के वारिसनगर थाना परिसर में सप्ताहिक जनता दरबार का आयोजन किया गया। जनता दरबार में नया और पुराना मामले को लेकर कुल 9 फरियादी पहुंचे हुए थे जिसमें से आज दो मामले का मौके पर निष्पादन किया गया। आज जिन फरियादियों का निष्पादन हुआ उनमें रिंकू देवी, राम किशुन साह, राम जीवन सहनी, राम सागर सहनी का नाम शामिल है। जनता दरबार के अवसर पर राजस्व कर्मचारी अमरजीत कुमार,पुलिस पदाधिकारी संजय कुमार, अमीन चंदेश्वर सिंह, अंचल कर्मी मंटून कुमार आदि मौजूद थे।

कार्यान्वयन समिति का अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष बनने पर जदयू परिवार ने किया सम्मानित

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। शनिवार को शहर के लोहिया आश्रम में जनता दल यूनाइटेड के प्रखंड अध्यक्षों को प्रखंड कार्यक्रम कार्यान्वयन समिति का अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष बनने पर जनता दल यूनाइटेड के जिला अध्यक्ष डॉ दुर्गेश राय ने पाग, माला, चादर देकर सम्मानित किया एवं मिठाई खिलाकर खुशी मनाई। इस अवसर पर जिला जदयू अध्यक्ष डॉ दुर्गेश राय ने प्रखंड अध्यक्षों से कहा कि लंबे समय के बाद आपलोगों को पार्टी और सरकार ने नई जिम्मेवारी दी है। इस जिम्मेवारी के माध्यम से आप सरकार की नीतियों एवं योजनाओं को धड़ातल पर जनजन तक पहुंचाने का सकारात्मक प्रयास करेंगे। जिससे कि आने वाले विधानसभा चुनाव में जिले के दसों विधानसभा सीट पर एनडीए उम्मीदवारों की जीत सुनिश्चित हो जाय। इस मौके पर पुर्व विधायक राजकुमार राय, रामाश्रय प्रसाद सिंह, राजकुमार सिंह, अरुण शेखर कुंवर, संजीव कुशवाहा, रंधीर कुमार, किशोरी प्रसाद सिंह, अमित कुमार गुल्लू, कैलाश राय, राजीव कुमार सिंह, शवेर्दु कुमार, अशोक पटेल, डॉ कुमार समर्पण, रंजीत कुमार सिंह टुनटुन, सुनिल कुमार बमबम, प्रांतीय नेता प्रो तकी अख्तर, सुबोध कुमार सिंह, अनस रिजवान, धर्मदेव सिंह कुशवाहा, मनीष कुमार, प्रेम पासवान, डॉ अंजनी कुशवाहा, दयानंद ठाकुर, अशरफी सहनी, मो तौहीद अंसारी उर्फ नन्हें, कामेश्वर सिंह, संजीत कुशवाहा, मो कमरुल अंसारी, शुभकांत ठाकुर, अभिषेक कुमार आदि मौजूद थे।

अंबेडकर जयंती पर मशरक के लखनपुर गोलम्बर होंगे कार्यक्रम

प्रखंड संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
पंकज कुमार सिंह

मशरक के लखनपुर गोलम्बर पर अवस्थित बाबा साहेब डॉ भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर 14 अप्रैल को जयंती के उपलक्ष्य में अलग- अलग कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इसको लेकर मशरक के सिरसा जलालपुर, सोनौली और अम्बेडकर लोक सेवा संघ के कार्यालय परिसर में बैठक आयोजित की गयी। सिरसा जलालपुर गांव में आयोजित बैठक में बताया गया कि 14 अप्रैल को लखनपुर गोलम्बर पर अवस्थित डॉ भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर कार्यक्रम आयोजित कर माल्यार्पण किया जाएगा। वहीं अगल बगल के गांव से विभिन्न झांकियों से सुसज्जित शोभा यात्रा निकाली जाएगी जो गांव का भ्रमण करते हुए लखनपुर गोलम्बर पर पहुंचेगी। अम्बेडकर लोक सेवा संघ के अध्यक्ष रणधीर कुमार मांझी और पूर्व मुखिया ललन मांझी ने बताया कि इस बार भव्य कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा वहीं इससे जुड़े कार्यक्रम के लिए थाना पुलिस को आवेदन दिया गया है। वही कार्यक्रम की सफलता को लेकर लगातार तैयारियां चल रही है।

रंग कर्मी सफदर हाशमी की मनाई गई जयंती

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। जनवादी लेखक संघ के जिला अध्यक्ष शाह जफर इमाम ने निम्नलिखित प्रेस विज्ञप्ति जारी की है जिसमें उन्होंने लिखा है कि महान रंगकर्मी सफदर हाशमी की जयंती शनिवार को राष्ट्रीय नुक्कड़ नाटक दिवस के रूप में मनाई गई। इस मौके पर आज जनवादी लेखक संघ एवं जनवादी सांस्कृतिक मोर्चा की समस्तीपुर जिला इकाई की ओर से स्टेशन रोड स्थित शहीद उदय शंकर स्मारक भवन में एक विचार - गोष्ठी का आयोजन किया गया। जनवादी लेखक संघ के जिला अध्यक्ष शाह जफर इमाम एवं जनवादी सांस्कृतिक मोर्चा के जिला अध्यक्ष रामविलास सहनी की अध्यक्षता में सामाजिक परिवर्तन में नुक्कड़ नाटक कीम भूमिका विषय पर सम्पन्न हुई विचार गोष्ठी में सर्वप्रथम सफदर हाशमी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। सांस्कृतिक मोर्चा की ओर से राम प्रवेश चौरसिया, रामप्रीत सहनी एवं नरेन्द्र कुमार टुनटुन ने इन्कलाबी गीत पेश किए। जनवादी सांस्कृतिक मोर्चा के जिला सचिव चन्देश्वर राय के संचालन में हुई विचार गोष्ठी में स्वागत भाषण शंभू शरण यादव ने किया। जनवादी लेखक संघ के कार्यकारी जिला सचिव डॉ अरुण अभिषेक ने विषय प्रवर्तन करते हुए कार्यक्रम की महत्ता पर प्रकाश डाला। जन संस्कृति मंच के जिला अध्यक्ष एवं समस्तीपुर कॉलेज समस्तीपुर के पूर्व अंग्रेजी विभागाध्यक्ष डॉ प्रभात कुमार ने मुख्य वक्ता के रूप में अपनी बातें रखीं। सफदर हाशमी के जीवन और एक रंगकर्मी के रूप में उनकी भूमिका की विस्तार से चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि यद्यपि सफदर की हत्या कर दी गई, मगर उनके विचारों की हत्या करना संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि सामाजिक परिवर्तन की लड़ाई में नुक्कड़ नाटक एक धारदार वैचारिक हथियार के रूप में एक अहम भूमिका अदा करता है। विचार गोष्ठी में पूर्व प्रधानाध्यापक राज कुमार राय राजेश, एटक नेता सुधीर कुमार देव, पूर्व बैंक अधिकारी चन्देश्वर राय, किसान नेता सत्यनारायण सिंह एवं गंगाधर झा, शायर कासिम सबा, सीटू के जिला अध्यक्ष रघुनाथ राय, सेवानिवृत्त शिक्षक राम स्वरूप महतो, मो अयूब तथा युवा नेता महेश कुमार एवं बलवंत प्रसाद सहित कई वक्ताओं ने अपने - अपने विचार व्यक्त किए। अपने अध्यक्षीय भाषण में शाह जफर इमाम ने कहा कि कि देश के विभिन्न हिस्सों में धार्मिक अंधविश्वास, सामाजिक ना बराबरी एवं आर्थिक विषमता के खिलाफ नुक्कड़ नाटकों ने बहुत महत्वपूर्ण भूमिका अदा की है। एक लेखक, रंगकर्मी, निर्देशक एवं संगठनकर्ता के रूप में सफदर हाशमी ने इस काम को बखूबी अंजाम दिया। इसी वजह से सफदर हाशमी को अपनी शहादत देनी पड़ी। उनकी शहादत से सीख लेकर उनके नक्शे कदम पर चलने वाले हजारों लेखक कलाकार आज भी देश के विभिन्न हिस्सों में सक्रिय हैं। कार्यक्रम में रामाश्रय महतो, आनंदी राय, हरे कृष्ण रजक, रवि कुमार पाण्डेय, डॉ राम सूरत प्रियदर्शी, सुरेश राम, समशाद आलम, राम सागर पासवान, राम प्रकाश यादव, बिगन पटेल आदि मौजूद थे।

राणा सांगा की जयंती पर चौंक का हुआ नामकरण ,मनाई गई जयंती

प्रखंड संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
पंकज कुमार सिंह

तरैया के डुमरी छपिया गांव में राणा सांगा की जयंती धूमधाम से मनाई गई।क्षत्रिय समाज के लोगों ने इकट्?ठे होकर केक काटा और राणा सांगा अमर रहे के नारे लगाए। इस दौरान लोगों ने संबोधित करते हुए कहा कि राणा सांगा एक महान योद्धा थे जो कि केवल अपने समाज के लिए ही नहीं बल्कि सर्व समाज के लिए युद्ध किए थे। लेकिन ऐसे ऐसे महापुरुषों को सरकार ने कोई जगह ही नहीं दी। समारोह में उपस्थित लोगों ने कहा कि राणा सांगा का अपमान किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा। मौके पर शैलेन्द्र सिंह, मिथिलेश सिंह, रबिंद्र सिंह, प्रमोद सिंह समेत अन्य मौजूद रहें। वहीं पर गंडार पुल का सर्वसम्मति से राणा सांगा चौंक रखा गया और नामकरण का बोर्ड लगाया गया।

महादलित टोलों में होने वाली विकास शिविर को लेकर बैठक

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। जिले के कल्याणपुर प्रखंड स्थित पंचायत समिति सभागार में प्रखंड विकास पदाधिकारी देवेंद्र कुमार की अध्यक्षता महादलित टोला में होने वाली पंचायतों में विशेष विकास शिविर को लेकर शनिवार को बैठक आयोजित की गई। बैठक में 22 प्रकार की योजनाएं जिससे उन लोगों को आच्छादित करना है उसका आवेदन प्राप्त करने व निष्पादन करने का निर्देश दिया गया। इस संबंध में लोगों को जानकारी देने व्यापक प्रचार प्रसार करने हेतु निर्देश किया गया। आगे बीडीओ ने कहा कि आवंटित पंचायतों का भ्रमण कर लोगों को अधिक से अधिक जानकारी दें। बैठक में अंचल पदाधिकारी शशि रंजन कुमार, प्रखंड पंचायती राज पदाधिकारी संतोष चौरसिया, मनरेगा कार्यक्रम पदाधिकारी महेश भगत, प्रखंड कल्याण पदाधिकारी के अलावे प्रखंड के कर्मी आदि मौजूद थे।

तेज रफ्तार में हाईवा ने बाईक में मारी ठोकर, एक की मौत, दूसरा घायल

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। जिले के दलसिंहसराय में तेज रफ्तार अज्ञात हाईवा ने दो बाईक सवार युवकों को टक्कर मार दी। इस हादसे में एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई वही दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल का इलाज निजी अस्पताल में चल रहा है। हादसा शुक्रवार देर रात करीब 3 बजे एनएच 28 पर सरदारगंज चौक के पास हुआ। मृतक की पहचान विद्यापति थाना क्षेत्र के राजा चौक साहिट वार्ड संख्या 8 निवासी शंकर कुमार सिंह के 25 वर्षीय पुत्र आकाश कुमार के रूप में हुई है। घायल युवक अंकुश कुमार है, जो विद्यापति नगर निवासी पप्पू सिंह का बेटा है, दोनों दोस्त थे। पटना से विद्यापति स्टेशन पर उतरे थे। वहां से आकाश के डेरा दलसिंहसराय लौट रहे थे। रास्ते में सरदारगंज चौक के पास तेज रफ्तार हाइवा ने टक्कर मार दी। आकाश कुमार की मौके पर ही मौत हो गई। अंकुश गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसे पुलिस ने अनुमंडल अस्पताल में भर्ती कराया। बेहतर इलाज के लिए उसे निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मृतक के पिता शंकर सिंह ने बताया कि आकाश उनका बड़ा बेटा था। वह दलसिंहसराय में मुकेश अंबानी की कैंपर कोला कंपनी का डीलर था। हादसे के वक्त वह अपने दोस्त अंकुश को स्टेशन से लेकर लौट रहा था। इसी बीच तेज रफ्तार हाईवा ने उसे टक्कर मार दी, जिसकी मौत मौके पर ही हो गई। वही घायल अंकुश दलसिंहसराय बाजार में इलेक्ट्रॉनिक दुकान चलाता है। मृतक के ग्रामीण बबलू सिंह ने बताया कि आकाश व्यवसाय में आगे बढ़ रहा था। परिवार उसका साथ दे रहा था। उसकी शादी के लिए लड़की देखी जा रही थी। सूचना मिलते ही दलसिंहसराय थाना पुलिस मौके पर पहुंची। थाना अध्यक्ष इरशाद आलम ने बताया कि एक युवक की मौत हो चुकी थी। दूसरे को इलाज के लिए भेजा गया। मृतक के परिजनों को सूचना दे दी गई है।

भ्रष्टाचार, दमन और अनियमितताओं के घेरे में मौलाना मजहरुल हक यूनिवर्सिटी: शिक्षा मंत्री से मिला प्रतिनिधिमंडल

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

पटना स्थित बिहार सरकार के शिक्षा विभाग में आज एक प्रतिनिधिमंडल ने माननीय शिक्षा मंत्री से मुलाकात कर मौलाना मजहरुल हक अरबी और फारसी विश्वविद्यालय, पटना में व्याप्त गम्भीर अनियमितताओं, वित्तीय भ्रष्टाचार, और प्रशासनिक दुरुपयोग के मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की। प्रतिनिधिमंडल में श्री सत्यदेव राम (विधायक, भाकपा माले), माननीय शशि यादव (सदस्य, बिहार विधान परिषद), सामाजवादी छात्र सभा के प्रदेश अध्यक्ष श्री सूरज यादव तथा एक्टू के राज्य सचिव रणविजय कुमार सम्मिलित थे।सूरज यादव ने कहा कि विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा अकादमिक भवन के दो पूरे मंजिलों को एक निजी एजेंसी को ऑनलाइन परीक्षा केंद्र स्थापित करने हेतु किराए पर देने का प्रयास किया गया। इस निर्णय का डॉ. मोहम्मद नौशाद आलम (सहायक प्राध्यापक) और डॉ. इनाम जाफर (विकास पदाधिकारी) एवं अन्य शिक्षक तथा कर्मचारीगण ने पुरजोर विरोध किया। विश्वविद्यालय की गरिमा और शैक्षणिक उद्देश्यों की रक्षा हेतु यह विरोध दर्ज कराया।इसके प्रतिशोध स्वरूप डॉ. नौशाद आलम को निलंबित कर दिया गया और डॉ. इनाम जाफर लगातार प्रताड़ित किया जाने लगा।इतना ही नहीं, विकास पदाधिकारी डॉ. इनाम जाफर को कारण बताओ नोटिस का उत्तर उर्दू में देने पर कुलसचिव द्वारा पत्र जारी कर आपत्ति जताई गई एवं उनका वेतन रोक दिया गया। यह भाषा के अधिकारों का घोर उल्लंघन है और विश्वविद्यालय की सांस्कृतिक पहचान के विरुद्ध है।प्रतिनिधिमंडल ने इस बात पर भी रोशनी डाली कि विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा बीते एक वर्ष में लगभग 11 करोड़ रुपये की खरीददारी की गई है, जो अनेक अनियमितताओं से भरा है और नियमो को परे रख कर की गई है। यह खरीद प्रक्रिया भ्रष्टाचार और घोटालों से पूर्ण रूप से ग्रस्त है।प्रतिनिधिमंडल ने यह भी बताया कि विश्वविद्यालय के कुलसचिव कर्नल (सेवानिवृत्त) कामेश कुमार का कार्यकाल समाप्त हुए लगभग 9 महीने बीत चुके हैं, बावजूद इसके वे अब भी अवैध रूप से पद पर बने हुए हैं। प्रतिनिधिमंडल ने उन्हें विश्वविद्यालय में फैले भ्रष्टाचार, अनियमितताओं और मनमानी का मुख्य दोषी करार दिया। प्रतिनिधिमंडल ने माननीय शिक्षा मंत्री से अनुरोध किया कि इन सभी मामलों में उच्चस्तरीय एवं निष्पक्ष जांच करवाई जाए, दोषियों पर कठोर कार्रवाई की जाए, और कुलसचिव के पद पर उनके अवैध बने रहने की स्थिति को तत्काल समाप्त किया जाए।माननीय शिक्षा मंत्री ने प्रतिनिधिमंडल के सभी बिंदुओं को गंभीरता से सुना और आश्वासन दिया कि राज्य सरकार पूरे मामले में निष्पक्ष जांच कराएगी। मंत्री महोदय ने स्पष्ट किया कि भ्रष्टाचार, प्रशासनिक दमन या भाषा के अधिकारों का उल्लंघन किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।प्रतिनिधिमंडल ने मंत्री महोदय का आभार प्रकट करते हुए उम्मीद जताई कि सरकार शीघ्र ही ठोस कदम उठाकर विश्वविद्यालय में शिक्षा और प्रशासन की गरिमा बहाल करेगी।

सिवान जिला पदाधिकारी श्री मुकुल कुमार गुप्ता ने प्रेस कांफ्रेंस के माध्यम से दिया जिला वासियों को भरोसा, कहा किसी भी आपदा से घबराने की आवश्यकता नहीं,

विशेष संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

सिवान/ सिवान जिला पदाधिकारी श्री मुकुल कुमार गुप्ता ने प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हुए कहा कि जिला में 2 दिन पूर्व भयंकर आंधी तूफान तथा ब्रजपात की घटना घटित हुआ है उपरोक्त आपदा में जिला के चार लोगो की मृत्यु हो गई थी तथा कुछ जगह रोड पर पेड़ पौधे गिर गए थे साथ-साथ कुछ जगहों पर बिजली कटौती की भी समस्या थी प्रशासन ने त्वरित कार्रवाई करते हुए सिवान जिला के चार लोग जो आपदा के शिकार हो गए थे उनकी मृत्यु हो गई थी सभी का पोस्टमार्टम कराते हुए सरकार द्वारा जो आपदा की राशि चार लाख दिया जाता है उन में तीन मृतकों के परिजनों को 24 घंटे के अंदर अंदर चार-चार लाख रुपए की राशि का चेक प्रशासन द्वारा दिया गया, एवं जो पेड़ गिरकर रास्ते को बाधित कर दिए थे उन्हें भी जिला प्रशासन त्वरित कार्रवाई करते हुए हटाने का कार्य किया, जिला पदाधिकारी श्री मुकुल कुमार गुप्ता ने बताया कि आने वाले समय में लुह, सुखार के साथ ही छोटे बच्चों में कई नई बीमारियों की समस्या तथा मानसून के समय में जो बाढ़ की समस्या देखी जाती है उसको देखते हुए सरकार और जिला प्रशासन आपदा प्रबंध विभाग लुह, सुखार, बाढ़ से निपटने के लिए एक का निर्माण किया गया है जिसमें जिला के सभी विभागों को क्या-क्या करना है सभी को जानकारी तथा निर्वहन करने का दायित्व दिया गया है लोगों की समस्या को देखते हुए जिला के 21 स्वास्थ्य केन्द्रो में अलग से वार्ड की व्यवस्था किया गया है जिसमें एयर कंडीशन की व्यवस्था की गई है सभी पीएचसी, सीएचसी तथा सदर अस्पताल में जो हमारे मरीज खड़े होकर दवा प्राप्त करते हैं या रजिस्ट्रेशन करवाते हैं वहां सेड की व्यवस्था की गई है, तथा लुह से बचने के लिए दवाइयों की भरपूर व्यवस्था किया गया है साथ ही एक-एक पंचायत से अगर कोई साथी लुह का शिकार होता है उसे नजदीकी पीएचसी अस्पतालच लाने के लिए एंबुलेंस की व्यवस्था की गई है, सभी स्वास्थ्य केन्द्रो से विभिन्न पंचायत को टैग किया गया है साथ ही मुख्यमंत्री ग्रामीण परिवहन द्वारा लगभग 1400 से ज्यादा ऑटो तथा उनके ड्राइवर को अस्पताल से ट्रैक किया गया है एवं जनप्रतिनिधि तथा सामाजिक लोगों को भी इसकी सूचना दी गई है, जिला पदाधिकारी ने बताया कि यदि कोई भी व्यक्ति लुह का शिकार होता है तो तुरंत अपने नजदीकी पीएचसी तथा अस्पताल जाए सदर अस्पताल जाने की आवश्यकता नहीं है नजदीकी पीएचसी, सीएससी में सभी तरह की जो सदर अस्पताल में व्यवस्था होती है पीएचसी, सीएससी में भी गई है, इसी प्रकार सुखार की स्थिति अगर बनती है तो कृषि विभाग के द्वारा फसल के लिए जो सरकार द्वारा योजना तैयार किया गया है उसे भेज दिया गया है साथ ही अगर बाढ़ की स्थिति उत्पन्न होती है उस से भी निपटने हेतु जिला प्रशासन सक्रिय है श्री कुमार गुप्ता ने बताया कि हमारी 40 विभाग लुह, बाढ़ तथा अन्य किसी भी आपदा से निपटने के लिए हमेशा तैयार है, जिला में जिला नियंत्रण कच्छ भी पूरी तरह से चालू है आग लगी से निपटने के लिए अग्निशमन यंत्र की सभी गाड़ियों की चेकिंग करने के बाद सभी को दुरुस्त करके रखा गया है, आग लगी जैसे आपदा से भी निपटने के लिए जिला प्रशासन तैयार है, जिला पदाधिकारी ने जिला वासियों को आग, लुह, एवं अन्य आपदाओं से बचने के लिए भी टिप्स दिए,

मौसम की बेरुखी को देखते हुए किसान रहें सतर्क, रब्बी फसलों के बचाव का करें उपाय

जिला संवाददाता
साहिल अंसारी
रोजनामा इंडो गल्फ

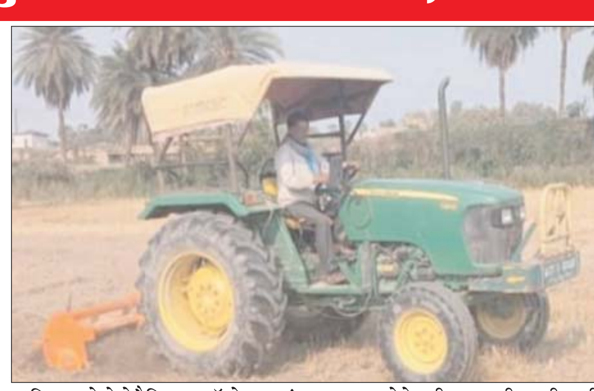

खोदावंदपुर/बेगूसराय आगामी दो से तीन दिनों तक मौसम की बेरुखी रह सकती है. मौसम के इस बदलाव को लेकर कृषि वैज्ञानिकों ने किसानों को सतर्क रहने एवं खेतों में लगी विभिन्न रब्बी फसलों को बचाने के उपाय करने की सलाह दी है. इसके अलावे आम व लीची के मंजरों के बचाव के उपाय भी कृषि वैज्ञानिकों ने बताये हैं. इस संदर्भ में कृषि विज्ञान केंद्र खोदावंदपुर, बेगूसराय के वरीय वैज्ञानिक सह सह प्रधान डॉ राम पाल ने बताया है कि जहां वर्षा होने से एक ओर मूँग, तिल, सूरजमुखी आदि फसलों को अंकुरण कार्य में लाभ पहुंच सकता है. वही खेतों में अत्यधिक नमी हो जाने से बीज सड़ने और जड़ सड़न जैसी समस्याएं भी उत्पन्न हो सकती है. इसको देखते हुए किसान खेतों से जल निकासी की उचित व्यवस्था रखें. तिल और मूँग में होने वाले फफूंद से बचाव के लिए फफूंदनाशी दवा मैनकोजेब 2.5 ग्राम, प्रति लीटर पानी का घोल बनाकर इसका छिड़काव करें. उन्होंने बताया कि तेज आंधी के कारण फलदार वृक्षों को नुकसान पहुंच सकता है,इसलिए आम व लीची के बागों में पेड़ों की जरूरत के हिसाब से सहारा देने की व्यवस्था करें. साथ ही कीट व रोगों के प्रसार को रोकने के लिए पेड़ से नीचे गिरे हुए फलों को नष्ट कर दें, केविके प्रभारी ने बताया कि वर्तमान में आम और लीची दोनों में फल विकास की सक्रिय अवस्था चल रही है. इस अवधि में कीट एवं रोगों का प्रकोप अधिक होता है. उन्होंने बताया कि आम में लगने वाले फल छेदक कीट और एन्थेक्नोज रोग से फलों को काफी नुकसान होता है. इससे बचाव के लिए डेल्टामेथ्रिन 1 मिली दवा प्रति लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें, जबकि लीची में होने वाले पुष्प और फल झड़ाव रोग को रोकने के लिए व इसके गुणवत्ता मेंसुधार के लिए 1 प्रतिशत मोनोपोटैशियम फॉस्फेट एवं एक प्रतिशत पोटैशियम नाइट्रेट दवा का छिड़काव करें. लीची फलों में लगने वाले फफूद नाशक रोग के बचाव के लिए मैनकोजेब 2.5 ग्राम दवा प्रति लीटर पानी के घोल का छिड़काव करें. इसके अलावे कृषि वैज्ञानिकों ने किसानों को मौसम की जानकारी पर नजर रखने, अपने खेत और बागानों की नियमित निगरानी करने की सलाह भी दी है. किसानों को जरूरत पड़ने पर कृषि विज्ञान केंद्र या कृषिविशेषज्ञों से सलाह लेने की बात भी कही गयी है.कृषि विश्वविद्यालय द्वारा जारी मौसम के पूवानुर्मान में आगामी 3 से 4 दिनों तक न्यूनतम तापमान 20 से 23 डिग्री सेल्सियस एवं अधिकतम तापमान 30 से 32 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना जतायी गयी है. इस अवधि में 2 से 5 मिलीमीटर वर्षा होने का भी अनुमान लगाया गया है, जबकि इस अवधि में 15 से 20 किलोमीटर प्रति घण्टा की रफ्तार से पछिया हवा चलने कापूवानुर्मान है. कुछ स्थानों पर 30 से 35 किलोमीटर प्रति घण्टा की रफ्तार से तेज हवा चलने की संभावना भी जतायी गई है।मौसम में हुए अचानक बदलाव को लेकर कृषि वैज्ञानिकों द्वारा रब्बी के विभिन्न फसलों व सब्जियों के पौधों के बचाव के लिए किसानों को जरूरी सलाह दिया गया है. कृषि विज्ञान केंद्र खोदावंदपुर, बेगूसराय के वरीय वैज्ञानिक सह प्रधान डॉ रामपाल ने खेतों में तैयार गेहू की खड़ी फसल की कटनी व दौनी में किसानों को अत्यंत सावधानी बरतने की सलाह दी है. उन्होंने वर्तमान मौसम में किसानों को अपने खेतों में ओल की रोपाई करने की सलाह दी है. उन्होंने ओल रोपाई कार्य में दो गड्ढों के बीच 75 सेमी की दूरी बनाये रखने एवं 80 क्विंटल प्रति हेक्टेयर की दर से बीज का उपयोग करने की सलाह दी है. साथ ही ओल रोपने के दौरान प्रति गड्ढा में 3 किलो सड़ा हुआ गोबर, 20 ग्राम अमोनियम सल्फेट या 10 ग्राम यूरिया, 37.5 ग्राम सिंगल सुपर फॉस्फेट एवं 16 ग्राम सोडीयम फॉस्फेट का प्रयोग करने की सलाह दी है. इस मौसम में गरमा मूंग एवं उड़द की बोआई करने की सलाह भी किसानों को दिया गया है. इसके लिए खेत की जुताई के दौरान प्रति हेक्टेयर 20 किलो नेत्रजन, 45 किलो सल्फर, 20 किलो पोटाश एवं 20 किलो गन्धक व्यवहार करने की सलाह दी गयी है. प्रधान कृषि वैज्ञानिक ने भिंडी के पौधे को प्ररोह रोधक कीटों से बचाने के लिए डाईमेथोएट 30 ईसी दवा 1.5 मिली पानी के साथ घोल बनाकर छिड़काव करने की सलाह दी है. इसके अलावे भिंडी में लगने वाले लीफ हॉपर कीट से बचाव के लिए इमिडा क्लोप्रिड 0.5 मिली प्रति लीटर पानी का घोल बनाकर पौधों की पत्तियों पर छिड़काव करने की सलाह दी गई है. उन्होंने किसानों को मौसम साफ हो जाने के बाद ही जरूरत के अनुसार विभिन्न फसलों व पौधों में कीट नाशक दवा का छिड़काव करने की सलाह किसानों को दी है।

9 बच्चों के पिता की घर में मिली लाश

पूर्णिया। 9 बच्चों के पिता का घर में शव मिला। मृतक की पहचान मुफस्सिल थाना क्षेत्र के वार्ड नंबर-44 के सतडोभ गांव निवासी मंतलाल ऋषि के बेटे चंदन ऋषि (36) के रूप में हुई है। जिसने 4 शादियां कर रही थी, पर चंदन शराबी था। इसलिए सभी पत्नियां उसके साथ नहीं रहती थी। उसे छोड़ दिया था। चंदन घर में अकेला ही रहता था। स्थानीय लोग आत्महत्या की आशंका जता रहे हैं। मामले की जानकारी पत्नियों और पुलिस को दी गई। पुलिस तो मौके पर पहुंच गई, पर 4 पत्नियों में से एक भी नहीं आई। मुफस्सिल थाना की पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। मृतक मंतलाल ऋषि 4 भाई कुंदन, पवन और शक्तिमान ऋषि में सबसे बड़ा। तीनों काम की तलाश में पूर्णिया से बाहर दिल्ली और पंजाब में है।मृतक की चाची शनिचरी देवी ने बताया कि चंदन ऋषि शराबी प्रवृत्ति का व्यक्ति था।

बच्चों के सामने मां की हत्या,लाश को पीटता रहा पति

मुजफ्फरपुर। में पति ने बच्चों के सामने लाठी से पीट-पीटकर पत्नी की हत्या कर दी। महिला ने बच्चों के सामने दम तोड़ दिया। पति मौत के बाद भी लाश पर लाठियां बरसाता रहा। इस घटना का एक वीडियो भी सामने आया है। वीडियो में दिख रहा है कि एक महिला जमीन पर बेसुध पड़ी है, जिस पर एक शख्स लगातार लाठी बरसा रहा है और करीब 3 से 5 फीट दूर 3 बच्चे खड़े हैं। वीडियो में पूरी घटना के दौरान बच्चों के सिसक-सिसककर रोने की आवाज सुनाई दे रही है। वीडियो बना रहे शख्स की आवाज भी आ रही है वो कह रहा है देखो दरिंदा है, लेकिन वो मदद के लिए आगे आया। मामला मोतीपुर थाना क्षेत्र के झींगहा गांव का है।बताया जा रहा है कि आरोपी पति को नशे की लत है। पत्नी ने शुक्रवार की शाम उसे नशा करने से मना किया था। इससे नाराज होकर पति ने पत्नी की पिटाई शुरू कर दी। महिला अपनी जान बचाने के लिए गांव में दौड़ती रही, पर किसी ने उसे नहीं बचाया। अंत में वो वापस अपने घर के पास आ गई, जहां वो बेसुध होकर गिर गई। महिला ने वहीं दम तोड़ दिया।

पत्रकारों ने ललन सिंह से पूछा-डी.एम एकजुटता का संदेश देंगे

केंद्रीय मंत्री बोले-नरेटिव सेट मत कीजिए, वो आपसे लिखवाकर नहीं बोलेंगे; पटना में NDA की मीटिंग

पटना। NDA की बैठक हो रही है। बीजेपी ऑफिस में हो रही इस मीटिंग में NDA के दलों के बड़े नेता शामिल हैं। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान भी इसमें शामिल हुए हैं। बैठक में बिहार चुनाव पर मंथन के साथ-साथ पीएम मोदी के बिहार दौरे पर भी चर्चा हो रही है। वहीं बैठक को लेकर जब पत्रकारों ने ललन सिंह से पूछा- क्या प्रधानमंत्री बिहार NDA के एकजुट होने का भी संदेश देने आ रहे हैं। इस सवाल पर ललन सिंह भड़क गए। उन्होंने कहा- 'नरेटिव सेट कर रहे हैं क्या। आप नरेटिव सेट कर रहे हैं क्या। वो पंचायत दिवस में शामिल होने के लिए आ रहे हैं। क्या बोलेंगे नहीं बोलेंगे वो क्या आपसे लिखवाकर बोलेंगे क्या।' JDU के कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय झा ने कहा- 'पीएम के मधुबनी दौरे को लेकर मीटिंग हो रही है। ये दौरा ऐतिहासिक इसलिए भी है, क्योंकि केंद्र का मिथिला पर विशेष ध्यान रहा है। बाढ़ को लेकर, एम्स को लेकर कई घोषणा हुई। मखाना बोर्ड भी बना है।' बैठक में जदयू राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा, जदयू मंत्री श्रवण कुमार, प्रदेश अध्यक्ष उमेश कुशवाहा, रत्नेश सदा शामिल हैं। वहीं लोजपा रामविलास के प्रदेश अध्यक्ष राजू तिवारी सहित एनडीए के संसद और विधायक बैठक में शामिल हैं। बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल के साथ दोनों डिप्टी CM भी मीटिंग में मौजूद हैं। वहीं डिप्टी CM सम्राट चौधरी ने कहा- 'प्रधानमंत्री जी के दौरे को लेकर हमारे जिले के साथी ब्लॉक स्तर पर बैठक कर रहे हैं। जिलों में भी मीटिंग हो रही है।' भाजपा प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल ने कहा कि 'प्रधानमंत्री के दौरे को लेकर बैठक हो रही है। 24 अप्रैल को पंचायत दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री मधुबनी में एक बड़ी रैली को संबोधित करेंगे, उसकी सफलता को लेकर और उसकी समीक्षा को लेकर एक बड़ी बैठक है। पीएम के दौरे को ऐतिहासिक बनाना है।' 24 अप्रैल को आएंगे PM मोदी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 24 अप्रैल को बिहार दौरे पर रहेंगे। मधुबनी में पंचायती राज दिवस के अवसर पर विकास कार्यों का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे। ग्रामीण विकास विभाग की ओर से कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इस कार्यक्रम में मधुबनी के अलावा सीतामढ़ी, शिवहर, मुजफ्फरपुर, मधेपुरा, समस्तीपुर, दरभंगा, अररिया, सहरसा और सुपौल के पंचायती राज प्रतिनिधि शामिल होंगे। बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर पटना में 17 अप्रैल को महागठबंधन की बैठक होगी। मीटिंग में RJD, कांग्रेस, माले समेत सभी घटक दलों के नेता मौजूद रहेंगे। इस दौरान सीट बंटवारा, CM फेस समेत कई मुद्दों पर चर्चा होगी। बिहार कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम के साथ प्रभारी कृष्णा अल्लावरू भी इस बैठक में शामिल होंगे। प्रदेश प्रभारी बनने के बाद पहली बार अल्लावरू आरजेडी नेता तेजस्वी यादव के साथ बैठेंगे।

संक्षिप्त डायरी

551 कन्याओं की कलश शोभा यात्रा के साथ माँ काली प्राण प्रतिष्ठा हेतु तीन दिवसीय महायज्ञ शुरू

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। जिले के दलसिंहसराय के नगर परिषद क्षेत्र अंतर्गत वार्ड संख्या 18 रामपुर जलालपुर के तेल डिपो चौक पर नवनिर्मित मंदिर में माँ काली प्राण प्रतिष्ठा हेतु तीन दिवसीय महायज्ञ का शुभारम्भ 551 कन्याओं की कलश शोभा यात्रा के साथ किया गया। यह शोभा यात्रा शहर के प्रखंड मुख्यालय परिसर से निकलकर विभिन्न मार्गों से होते हुए कार्यक्रम स्थल पर पहुँची, जिसमें बैंड बाजा, घुड़सवारों के साथ काफी संख्या में शामिल स्त्री - पुरुष श्रद्धालुओं ने भाग लिया। राष्ट्रीय लोक मोर्चा के प्रदेश महासचिव प्रशांत पंकज के संरक्षण में आयोजित इस कार्यक्रम में काशी - बनारस के ब्राह्मण पंडित दिवाकर पांडेय, श्रेयस पांडेय, नमन शुक्ला, दीपक मिश्र एवं आशुतोष त्रिपाठी के द्वारा माँ काली की प्रतिमा का प्राण प्रतिष्ठा कराया जाएगा। इसको लेकर प्रशांत पंकज ने बताया कि उक्त स्थान पर कार्तिक मास के अमावस्या को माँ काली की पूजा प्रतिमा स्थापित कर उनके पिता पूर्व मंत्री स्व राम लखन महतो के द्वारा कराई जाती थी, जो उनके निधन के बाद भी ग्रामीणों के सहयोग से अनवरत जारी है। ग्रामीणों की इच्छा एवं उनके अपार सहयोग के पश्चात मंदिर का निर्माण कराया गया। जहाँ मार्बल पत्थर से बनी बनारस से लायी गयी माँ काली की भव्य प्रतिमा स्थापित की जा रही है। उन्होंने बताया कि प्रार्थना और पूजा से आम जनता में एकजुटता की भावना आती है तथा सदभाव और भक्ति की भावना को बढ़ावा मिलता है। उन्होंने बताया कि एक ओर जहां हवन मंत्रों से मंदिर परिसर गुंजायमान होगा वहीं भंडारा प्रसाद वितरण एवं माता का जागरण कार्यक्रम भी होगा। ईधर इस शोभायात्रा में मुख्य रूप से वार्ड पार्षद बलराम पंडित, गजेंद्र सिंह, कुंती देवी, अर्चना पंकज, अनीश गौरव के अलावे मंदिर कमिटी के राम सागर महतो, पंकज महतो, राम वृक्ष महतो, रामाश्रय महतो, उपेन्द्र सिंह, अरुण कुमार, विजय महतो, राम पुकार महतो, सीता राम पंडित, उमेश प्रसाद सिंह, शंकर महतो, सोने लाल महतो, उपेन्द्र पंडित, राम कृपाल महतो, अजय शर्मा, संतोष सुमन, कारू राय, पवन राय, गोपाल शर्मा, आशुतोष कुमार, विजय सिंह, महेंद्र राय, नरेश प्रसाद सिंह, राकेश सिंह आदि शामिल थे।

जप्त शराब का विनिष्टिकरण

प्रखंड संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
अब्दुल कादिर

ताजपुर / समस्तीपुर : - - जिले के ताजपुर प्रखंड अंतर्गत नेशनल हाइवे बंगरा थाना में बीते शनिवार के दिन विभिन्न कांडो में जप्त किये शराब का विनिष्टिकरण किया गया। जानकारी देते हुए थानाध्यक्ष मनीषा कुमारी ने बताया कि अंचलाधिकारी के देख-रेख में कुल 1137 लीटर विदेशी शराब का विनिष्टीकरण किया गया है।

छपरा जंक्शन का एस्केलेटर बंद यात्रियों को हो रही परेशानी

छपरा। जंक्शन रेलवे स्टेशन पर यात्रियों की सुविधा के लिए लगाया गया एस्केलेटर पिछले कई सप्ताह से बंद पड़ा है। गर्मी के मौसम में स्टेशन पर बढ़ती भीड़ के बीच यात्रियों को भारी असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। एस्केलेटर के खराब होने से बुजुर्ग, महिलाएं और भारी सामान वाले यात्री सबसे ज्यादा प्रभावित हैं। एस्केलेटर बंद होने के कारण यात्रियों को या तो मैनुअल सीढ़ियों का इस्तेमाल करना पड़ता है या बंद एस्केलेटर से जोखिम उठाकर गुजरना पड़ता है।अक्सर बंद रहता एस्केलेटरात्री संजीत कुमार ने बताया कि स्वचालित सीढ़ी अक्सर बंद रहती है। उनका कहना है कि जनता सुविधाओं के लिए रेलवे को पैसे देती है, लेकिन बदले में परेशानियां झेल रही है।एक अन्य यात्री रंजीत कुमार ने बताया कि एस्केलेटर लंबे समय से खराब है। गर्मी के मौसम में बुजुर्गों को इससे राहत मिल सकती थी, लेकिन वर्तमान में उन्हें कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।ठीक कराने का दिया आश्वासन

ग्राहक ने दुकानदार पर धारदार हथियार से किया हमला, गंभीर

सीवान। शुक्रवार की रात एक मुर्गा दुकानदार और ग्राहक के बीच विवाद हो गया। इस दौरान ग्राहक ने पास में पड़े दाब से दुकानदार पर जानलेवा हमला कर दिया। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना सिवान जिले के जीरादेई थाना क्षेत्र के तितरा बाजार की है। जहां घायल की पहचान नूर आलम (29) के रूप में हुई है। घटना के संबंध में बताया जा रहा है कि स्थानीय निवासी शेरू नाम का व्यक्ति मुर्गा खरीदने दुकान पर आया था। जहां मुर्गे की कीमत को लेकर दोनों के बीच में विवाद हो गया। जिससे गुस्साए ग्राहक ने दुकान में रखे मुर्गा काटने वाले डाब से दुकानदार पर हमला कर दिया।स्थानीय लोगों ने झगड़ा छुड़ाया घायल के भाई मोहम्मद करीम ने बताया कि घायल अवस्था में नूर आलम को परिजनों ने पहले स्थानीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। वहां स्थिति गंभीर देखते हुए डॉक्टरों ने सदर अस्पताल सिवान रेफर कर दिया। बताया कि स्थानीय लोगों ने झगड़ा छुड़ाया और उन्हें सूचना दी। आरोपी की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी जारी जीरादेई थाना प्रभारी सोनी कुमारी ने कहा कि मामले की जानकारी मिल गई है। पीड़ित की शिकायत मिलते ही आरोपी की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जाएगी। नूर आलम मोहम्मद हारुन के पुत्र हैं और तितरा के निवासी हैं।

लकड़ी कैसे पचा लेती है दीमक?

पेड़-पौधों में पाया जाने वाला सेलुलोज ही दीमक का भोजन होता है। इसलिए वे तमाम चीजें दीमक का भोजन होती हैं जिनमें सेलुलोज होता है। बहुत सी सूखी लकड़ी पर तुमने दीमक का घर बना देखा होगा। लकड़ियों के बने फर्नीचर, कॉपी-किताबों जैसी बहुत सी चीजों को दीमक चट कर जाती है और फिर वह सामान किसी काम का नहीं रह जाता। दीमक जो सेलुलोज भोजन के रूप में प्राप्त करती है उसे पचा पाने की क्षमता उसमें नहीं होती है। इसे पचाने के लिए दीमक को दूसरे जीव की मदद लेना पडती है। ये दूसरे जीव प्रोटोजोआ कहलाते हैं, जो दीमक की आँतों में रहते हैं। दोनों के बीच सहभागिता का रिश्ता होता है। दीमक लकड़ी को चबाकर निगल जाती है और आँतों में रहने वाले प्रोटॅजोअंस इस लकडी की लुगदी को भोजन में बदल देते हैं। इस भोजन से ही दोनों जीव अपना जीवन चलाते हैं। दीमक पर्यावरण में सफाईगार की भूमिका निभाती है पर कई बार यह कीमती सामान को खराब करके नुकसानदायक भी साबित होती है। दीमक समूह में रहती है और भोजन तलाशने में एक-दूसरे की मदद भी करती है। ये चींटियों से मिलती-जुलती लगती हैं। इसलिए इन्हें 'व्हाइट एंट' भी कहा जाता है। आकार के अलावा चींटियों से इनकी कोई समानता नहीं होती।

जानो स्पेस सूट के बारे में

बच्चो, आप लोगों ने सुनीता विलियम्स के बारे में जरूर सुना होगा। सुनीता विलियम्स ने अंतरिक्ष में छह महीने तक रहने और सबसे लंबी स्पेस वॉक करने का रिकार्ड बनाया है। आप ने टेलीविजन चैनल और समाचार-पत्रों में सुनीता विलियम्स और अन्य अंतरिक्ष यात्रियों की तस्वीरें देखी होंगी। आपने देखा होगा अंतरिक्ष यात्री हमेशा एक खास तरह की ड्रेस पहनते हैं। एक मोटा सा सूट और उस पर हैलमेट और ऑक्सीजन मास्क भी लगा रहता है। अंतरिक्ष में जाने के बाद अंतरिक्ष यात्रियों को यहीं सूट पहनना पड़ता हैं। इसे स्पेस सूट कहते है। इस स्पेस सूट को पहने बगैर अंतरिक्ष में रहना संभव नहीं होता है। स्पेस सूट की वजह से ही अंतरिक्ष के प्रतिकूल माहौल में अंतरिक्ष यात्री जीवित रह पाते हैं। इस स्पेस सूट को तैयार करने के लिए भी वैज्ञानिकों ने बहुत मेहनत और शोध किया हैं। यह सूट उस कपड़े से नहीं बना होता है, जिसे हम और आप पहनते हैं। नासा के वैज्ञानिक अंतरिक्ष की स्थितियों का आँकलन करने के बाद अंतरिक्ष यात्रियों के लिए इस सूट को तैयार करते हैं। 'हार्ड अपर टोर्सो' नामक पदार्थ का इस्तेमाल करते हुए अंतरिक्ष यात्रियों के सूट तैयार किये जाते हैं। इस सूट को पहनने के बाद हमारे शरीर का तापमान और बाहरी वातावरण से शरीर पर पड़ने वाला दबाव नियंत्रित रहता है। इसके साथ ही यह सूट इस तरह से बनाया जाता है कि यह अंतरिक्ष में मौजूद हानिकारक किरणों से हमारे शरीर को बचाने के लिए कवच का काम करे। इस सूट के अंदर ही एक लाइफ सपोर्टिंग सिस्टम होता है, जिससे अंतरिक्ष यात्रियों को शुद्ध ऑक्सीजन प्राप्त होती है। इस सूट के अंदर गैस और द्रव पदार्थों को रीचार्ज और डिस्चार्ज करने की व्यवस्था भी होती है। इस सूट में ही अंतरिक्ष यात्री वहाँ से एकत्रित किये गए, ठोस कणों को सुरक्षित रख सकते हैं।

पैंगुइन उड़ क्यों नहीं पाते हैं?

ऑस्ट्रिच और इमू की तरह पैंगुइन भी पंख होने के बावजूद उड़ते नहीं हैं। कहते हैं आज से ६५0 लाख साल पहले पैंगुइन के पूर्वज उड़ पाते थे और धीरे-धीरे उनकी यह क्षमता खत्म हो गई। पैंगुइन के पूर्वज समुद्र के ऊपर उड़ते थे और भोजन की तलाश में समुद्र में डाइव लगाते थे। लाखों सालों पहले पैंगुइन की हड्डियाँ पक्षियों की तरह ही हल्की होती थीं और वे उड़ पाते थे, पर समय के साथ उनकी हड्डियाँ भारी हो गईं और वजन बढ़ जाने से उनका खुद को हवा में उठाना नामुमकिन हो गया। हालाँकि इन्हीं हड्डियों के कारण पैंगुइन अब पानी में डाइव बेहतर तरीके से लगा पाते हैं।

समुद्र में पायी जाने वाली विचित्र मछलियां

धरती के 70 प्रतिशत भाग में फैला हुआ सागर पृथ्वी की जलवायु को संतुलित रखने, भोजन और ऑक्सीजन प्रदान करने, जैव विविधता बनाये रखने और परिवहन के क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। वैज्ञानिकों के मतानुसार धरती पर प्रारंभिक जीवन सागर से ही प्रारम्भ हुआ था और चरणबद्ध विकास के फलस्वरूप यह धरती पर भी पनपने लगा और वर्तमान में उपलब्ध जैव विविधताओं का कारण बना।

वाइपर फिश

बेहद गहरे पानी और उच्च दबाव वाले क्षेत्र में रहने वाली यह मछली देखने में काफी डरावनी लगती है। बेहद कठिन परिस्थितियों में रहने के कारण यह बहुत कम खाने पर भी लम्बे समय तक जिन्दा रह सकती है। इसके पास से गुजरने वाले किसी भी शिकार का इसके नुकीले दांतों से बचना नामुमकिन ही है।

सिलिकेन्थ

प्रागैतिहासिक युग के प्राणियों के सामान दिखने वाली यह मछली एक जीवित जीवाश्म ही है। वैज्ञानिकों के अनुसार यह ७ करोड़ वर्ष पहले मिलने वाली मछलियों की संरचना से काफी मिलती है।

इलेक्ट्रिक ईल

समुद्र में पायी जाने वाली यह ईल प्रजाति की मछली आकार में २ मीटर तक लम्बी और २0 किलो तक वजनी हो सकती है। यह ६00 वोल्ट का तेज विद्युतीय झटका दे सकती है। वैज्ञानिकों के अनुसार यह अपने विद्युत का इस्तेमाल रास्ता खोजने में भी कर सकती है।

मिस्ट्री शार्क

दुनिया के सबसे गहरे समुद्री क्षेत्र के रूप में विख्यात मरियाना ट्रेंच में पाई जाने वाली यह अत्यंत दुर्लभ शार्क की तस्वीर है। यह एक प्रागैतिहासिक जीव है जिसे सबसे पहले जापानी वैज्ञानिकों ने देखे जाने का दावा किया था।

स्टोनफिश

हिन्द महासागर और पश्चिमी प्रशांत महासागर में पाई जाने वाली यह मछली एकदम पत्थर की तरह समुद्र की सतह पर निष्क्रिय पड़ी रहती है। जैसे ही कोई शिकार इसके पास आता है यह झपटकर उसे पकड़ लेती है। यह एक जहरीली मछली है और इसका शिकार हृदयाघात से बेहद दर्दनाक मौत मरता है।

स्टार गैजेर्स

यह समुद्र में पायी जाने वाली एक जहरीली मछली है। यह खुद को रेत में अच्छी तरह छुपा लेती है और जैसे ही शिकार इसके पास आता है तेजी से झपट्टा मारकर उसे पकड़ लेती है। अन्य मछलियों के विपरीत इसकी ऑखें सामने की ओर होती हैं।

पफर फिश

पफर फिश अपने नाम के अनुसार खतरा महसूस होने पर ढेर सारा पानी अपने लचीले पेट में भरकर अपना आकार बढ़ा लेती है जिससे शिकार कंफ्यूज हो जाता है और यह मौके का लाभ उठाकर बच निकलती है। यह भी एक जहरीली मछली है।

फ्रिल्ड शार्क

बहुत गहरे पानी में पायी जाने वाली यह शार्क की अत्यंत दुर्लभ प्रजाति है जिसे देखने मात्र से ही भय उत्पन्न होता है। यह पत्थर की बनी हुई दिखती है और एक जीवित जीवाश्म है।

वैम्पायर स्क्विड

यह गहरे पानी में पाया जाने वाला एक प्रकार का स्क्विड ही है जिसने अपने आप को गहरे पानी के अनुकूल ढाल लिया है। यह अँधेरे में बल्ब के सामान चमकीली संरचनाओं से प्रकाश उत्पन्न करता है। खतरा महसूस होने की स्थिति में यह चमकीली स्याही छोड़ता है जिससे शिकारी चौंक जाता है और यह मौके का लाभ उठाकर बच निकलता है।

बिगफिन स्क्विड

स्क्विड प्रजाति से सम्बन्ध रखने वाला यह जीव गहरे पानी में पाया जाता है। यह स्क्विड आकार में १६ फीट तक लम्बा हो सकता है।

मड स्किपर

यह ऐसे समुद्र तटीय क्षेत्रों में रहती है जहाँ ज्वार और भाटा निरंतर आता रहता है। यह खारे पानी और जमीन दोनों पर रह सकती है। यह एम्फीबियन प्रजाति की तरह ही त्वचा से साँस ले सकती है।

एंगलर फिश

लगभग सभी महासागरों में पाई जाने वाली यह मछली आकार में १ मीटर तक लम्बी हो सकती है। इसके सर पर चारे के सामान संरचना होती है जिसे यह जब हिलाती है तो जीवन के लिए संघर्ष करते हुए चारे के सामान प्रतीत होता है जिससे दूसरी मछलियां आकर्षित होती हैं और इसका आसान शिकार बन जाती हैं।

हैमर हेड शार्क

देखने में किसी दूसरी दुनिया के जीव सी लगने वाली यह शार्क सामान्य रूप से दुनिया भर के महासागरों में पाई जाती है। इसकी ऑखें शरीर से बहुत दूर होती हैं जो इसे ज्यादा क्षेत्र तक देखने में सक्षम बनाती हैं।

अमेरिका में राष्ट्रपतियों की याद को समर्पित स्मारक माउंट रशमोर

माउंट रशमोर अमेरिका में राष्ट्रपतियों की याद को समर्पित एक स्मारक है। यह 60 फुट या 18 मीटर लंबी रचना है जिसमें भूतपूर्व राष्ट्रपतियों जार्ज वाशिंगटन, थॉमस जैफरसन, थियोडोर रूजवेल्ट और अब्राहम लिंकन को अंकित किया गया है।

यह स्मारक 1,278 एकड़ में फैला हुआ है। इसकी देखरेख नेशनल पार्क सेवा द्वारा की जाती है जो संयुक्त राज्य अमेरिका के आंतरिकी विभाग का ब्यूरो है। इस स्मारक को वर्ष में लगभग 2 मिलियन लोग देखने आते हैं। पर्वत पर बनाए गए इस स्मारक को लकोटा सिउक्स भी कहा जाता है क्योंकि इसमें छह राष्ट्रपतियों मूर्तियाँ उकेरी गई हैं। बाद में इसका नाम न्यूयार्क के एक जाने-माने वकील चार्ल्स ई रशमोर के नाम पर रखा गया। असल में रशमोर पर्वत में इस तरह की कलाकृति उकेरने का उद्देश्य दक्षिणी डकोटा की ब्लैक हिल्स में पर्यटकों का आकर्षण बढ़ाना था। कॉंग्रेस के प्रतिनिधि मंडल और राष्ट्रपति केल्विन कूलिज के बीच लंबे समझौते के बाद यह प्रोजेक्ट प्रारंभ हो पाया। मूर्तिकार गुट्ज़न बोर्गलम के निर्देशन में 1927 में काम शुरु हुआ और 1941 में बनकर तैयार हुआ।

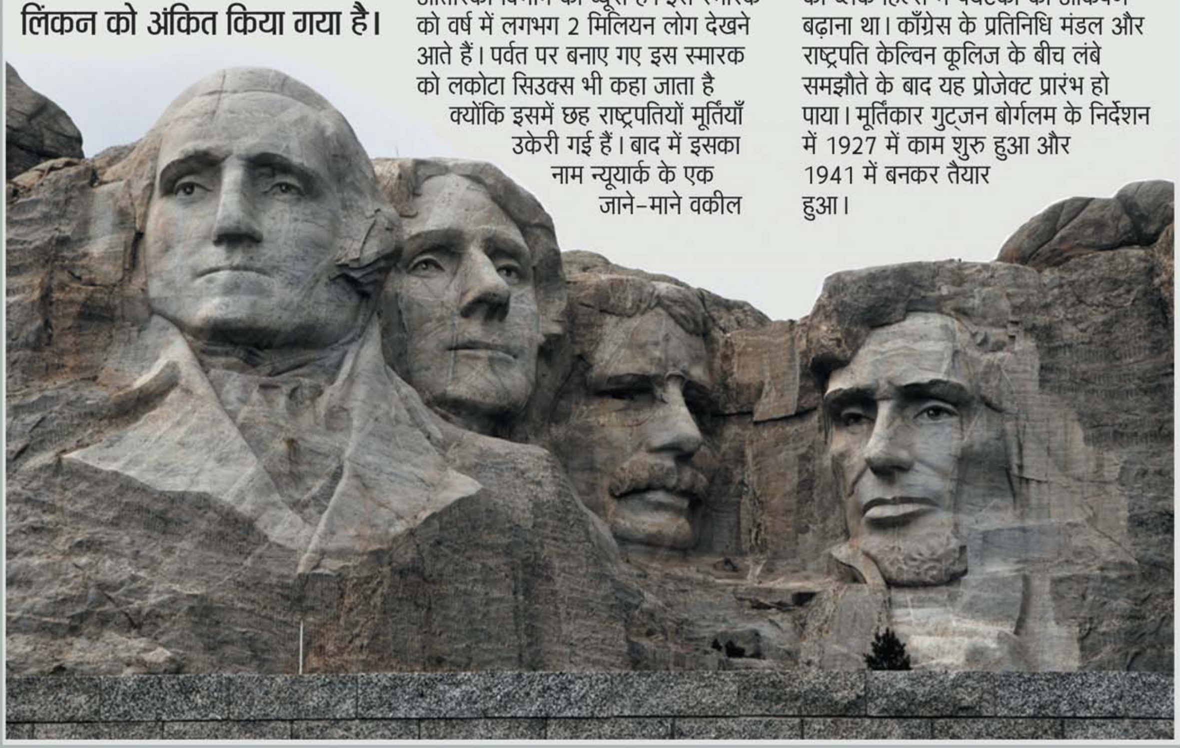

दक्षिण व मध्य अमेरिका में पाया जाने वाला एक स्तनधारी प्राणी जाइंट एंटइटर

इस घने बाल वाले प्राणी को एंट बियर भी कहते हैं। यह अपनी लंबी थूथन से कीटों को खाता है। इसकी सूंघने की शक्ति मनुष्य से 40 गुना अधिक होती है। यह अपनी जीभ को 18 इंच तक तेजी से बाहर निकाल सकता है। जाइंट एंटइटर दक्षिण व मध्य अमेरिका में पाया जाने वाला एक स्तनधारी प्राणी है जो अपने विचित्र मुख-आकार, थूथन और अपनी पतली व लम्बी जीभ से केवल चींटी, दीमक और अन्य छोटे कीट खाने के लिये प्रसिद्ध है। चींटीखोरों की चार जातियाँ पाई जाती हैं : सिर-से-पूँछ तक १.८ मी (५ फुट ११ इंच) लम्बा विशाल चींटीखोर, केवल ३५ सेमी (१४ इंच) लम्बा रेशमी चींटीखोर, १.२ मी (३ फुट ११ इंच) लम्बा उत्तरी तामान्दुआ और लगभग उतना ही लम्बा दक्षिणी तामान्दुआ। चींटीखोर पिलोसा नामक जीववैज्ञानिक गण में शामिल हैं जिसमें स्लॉथ भी आते हैं, यानि स्लॉथों और चींटीखोरों का आनुवंशिक (जेनेटिक) सम्बन्ध है।

वॉल मैगजीन

गर्मी की छुट्टियां खत्म हो गई थीं। सभी बच्चों के स्कूल खुल गए थे। सरगुन आठवीं कक्षा में पढ़ती थी। एक दिन असेम्बली में स्कूल की प्रिंसिपल स्वाति कपूर बोलीं, 'बच्चो, तुम सबके लिए एक बहुत अच्छी खबर है। तुम सभी ने गर्मी की छुट्टियों में बहुत कुछ नया सीखा होगा। तुम सब अपने माता-पिता के साथ घूमने भी गए होंगे। मैं चाहती हूं कि तुम सब अपने अनुभवों पर आधारित एक प्रोजेक्ट बनाकर जमा करो और जिसका प्रोजेक्ट सर्वश्रेष्ठ होगा, उसे इनाम दिया जाएगा।' यह सुनकर सभी बच्चे खुशी से उछल पड़े।

प्रिंसिपल ने बच्चों को सिर्फ एक सप्ताह का समय दिया था। सभी बच्चे अपने-अपने तरीके से प्रोजेक्ट बनाने की तैयारियों में जुट गए।

अचानक सरगुन की क्लास की सबसे चंचल और सुंदर लड़की गौरी बोली, 'हम सब तो कुछ न कुछ नया कर ही लेंगे, पर बेचारी सरगुन कैसे करेगी? इसके दाएं हाथ में तो केवल तीन.।' उसकी बात पूरी होती, उससे पहले ही सरगुन की बेस्ट फ्रेंड्ड अर्निका बोली, 'गौरी, तुम्हें ऐसा नहीं बोलना चाहिए। देख लेना, सरगुन ही सबसे नई और उपयोगी वस्तु खोजेगी और तुम देखती रह जाओगी।' उसकी बात सुनकर गौरी ने मुंह चिढ़ा दिया और अपनी सीट पर बैठ गई।

गौरी अक्सर सरगुन का मजाक उड़ाती थी। सरगुन के दाएं हाथ में केवल तीन उंगलियां थीं। उसकी दो उंगुलियां दो साल पहले एक एक्सीडेंट में बुरी तरह मसल गई थीं, इसलिए अब उसके दाएं हाथ में केवल तीन उंगलियां रह गई थीं। शुरुआत में सरगुन को अपना काम करने में थोड़ी परेशानी हुई, लेकिन फिर धीरे-धीरे उसे आदत पड़ गई। अब तो उसे ऐसा महसूस ही नहीं होता था कि उसकी दो उंगलियां नहीं हैं। सभी बच्चे अपना-अपना प्रोजेक्ट बनाने में लगे हुए थे। प्रिंसिपल ने बच्चों को ग्रुप में प्रोजेक्ट बनाने की अनुमति दे दी थी, इसलिए सरगुन, अर्निका और कुछ अन्य छात्रों के साथ अपना प्रोजेक्ट बनाने में लगी हुई थी। किसी ने भी अपने प्रोजेक्ट की खबर किसी को नहीं होने दी थी। प्रोजेक्ट जमा कराने से एक दिन पहले सभी बच्चे इस बात को लेकर आश्वस्त थे कि उनका प्रोजेक्ट ही बेस्ट होगा। अगले दिन अचानक तेज बारिश होने लगी। सभी बच्चे स्कूल बड़ी मुश्किलों से अपने-अपने प्रोजेक्ट लेकर पहुंचे। स्कूल पहुंचकर सभी ने अपने-अपने प्रोजेक्ट निकाले। गौरी ने अपने सुंदर चित्रों से तैयार किए गए प्रोजेक्ट को निकाला तो यह देखकर उसके होश उड़ गए कि सारे चित्रों में न जाने कैसे पानी की बूंदें पड़ गई थीं। केवल दो-तीन चित्र ही साफ बचे थे, बाकी सभी में बड़े-बड़े धब्बे बन गए थे। यह देखकर गौरी खुद पर काबू नहीं रख पाई और रोने लगी। उसके रोने पर किसी का ध्यान नहीं गया। सभी अपने प्रोजेक्ट को सजाने-संवारने में जुटे थे।

अचानक सरगुन ने उसके कंधे पर हाथ रखा और बोली, 'गौरी, तुम्हें परेशान होने की जरूरत नहीं है। तुम मेरे ग्रुप में शामिल हो जाओ। इससे तुम्हारे मार्क्स नहीं कटेंगे।' यह सुनकर गौरी को थोड़ी सांत्वना मिली। उसने अपने साफ चित्र सरगुन को देते हुए कहा, 'मेरे पास तो केवल ये हैं, तुम इन्हें अपने प्रोजेक्ट में कहीं प्रयोग कर सको तो अच्छा होगा।' सरगुन बोली, 'बिल्कुल गौरी, तुम्हारे चित्र मेरे प्रोजेक्ट को और सुंदर बना देंगे।' इसके बाद गौरी सरगुन के ग्रुप में शामिल हो गई। सभी बच्चों ने अपने-अपने प्रोजेक्ट जमा करा दिए।

आखिर परिणाम का दिन भी आ गया। सभी बच्चे असेम्बली में खड़े हुए थे और बेसब्री से परिणाम का इंतजार कर रहे थे। अचानक मंच पर प्रिंसिपल आईं और बोलीं, 'सभी बच्चों ने एक से बढ़कर एक प्रोजेक्ट बनाए हैं। लेकिन पुरस्कार तो किसी एक को ही दिया जाना था, इसलिए इस बार आठवीं कक्षा के प्रोजेक्ट 'वॉल मैगजीन' को पुरस्कार के लिए चुना गया है। इस प्रोजेक्ट की ग्रुप हेड सरगुन है और उसके ग्रुप में अर्निका, गौरी, काव्या, तन्मय व गौरांश शामिल हैं। इस मैगजीन में सामान्य ज्ञान की बातों के साथ ही कहानी, कविता, चित्रों, पहेलियों, चुटकुलों और अन्य मनोरंजक जानकारियों को भी नए तरीके से पेश किया गया है। हमने निर्णय लिया है कि स्कूल की पत्रिका में इस सामग्री को डाला जाएगा और इन सभी बच्चों को उसके सम्पादन मंडल में शामिल किया जाएगा।' यह सुनकर सरगुन के साथ ही पूरा ग्रुप उछल पड़ा। इस समय सबसे भावुक गौरी थी। वह तुरंत उठकर सरगुन के पास गई और उसके गले लगते हुए बोली, 'सरगुन, अगर तुम मेरी मदद नहीं करतीं तो मैं मदद का मूल्य कैसे जान पाती? अब मैं कभी भी किसी का मजाक नहीं उड़ाऊंगी, हर किसी की मदद करूंगी।' सरगुन गौरी के हाथ में हाथ डालकर बोली, 'गौरी अभी तो स्कूल मैगजीन को ऊंचाइयों पर ले जाना है और तुम्हारे बनाए सुंदर चित्रों के बिना यह मुश्किल है।' इसके बाद पूरा ग्रुप एकसाथ अपनी जीत की खुशी मनाने लगा।

सैमसंग ने भारत में पहली बार ग्लासेस-फ्री 3डी और 4के 240एचजेड ओएलईडी ओडिसी गेमिंग मॉनिटर्स लॉन्च किए

गुरुग्राम, एजेंसी। सैमसंग, भारत के सबसे बड़े कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड, ने आज ओडिसी गेमिंग मॉनिटर्स के 2025 लाइन-अप की उपलब्धता की घोषणा की। इसमें क्रांतिकारी ग्लासेस-फ्री ओडिसी 3डी, उद्योग का पहला 4के 240एचजेड ओडिसी ओएलईडी ल8, और बेहद शानदार कर्व्ड ओडिसी जी9 शामिल हैं।

ये मॉनिटर गेमिंग को मजेदार और शानदार बनाने के लिए डिजाइन किए गए हैं, साथ ही ये गेमर्स, कंटेंट क्रिएटर्स और प्रोफेशनल्स की जरूरतों को पूरा करते हैं जो बेहतरीन विजुअल क्वॉलिटी चाहते हैं। नया 27 इंच का ओडिसी 3डी भारतीय बाजार के लिए एक बड़ा बदलाव लाने वाला है, क्योंकि ये बिना चश्मे के 3डी गेमिंग का अनोखा अनुभव देता है।

27 इंच और 32 इंच के आकार में उपलब्ध, ओडिसी ओएलईडी जी8 दुनिया का पहला 4के ओएलईडी मॉनिटर है जिसने 240एच5 रिफ्रेश रेट के साथ उद्योग में एक नया मानक स्थापित किया है। ओडिसी जी9 49 इंच के डुअल क्यूएचडी डिस्प्ले और 1000आर कर्व्ड स्क्रीन के साथ एक बेजोड़ अल्ट्रा-वाइड अनुभव प्रदान करता है। यह 32:9 या 21:9 गेम खेलते समय उच्च-गुणवत्ता के विजुअल्स दिखाता है।

पुनीत सेठी, वाइस प्रेसिडेंट, एंटरप्राइज़ बिजनेस, सैमसंग इंडिया ने कहा, सैमसंग में, हमारा लक्ष्य है कि सबसे आधुनिक डिस्प्ले टेक्नोलॉजी को सभी के लिए आसान बनाया जाए और भारतीय ग्राहकों को दुनिया की बेहतरीन तकनीक दी जाए। ओडिसी 3डी, ओडिसी ओएलईडी जी8 और ओडिसी जी9 मॉनिटर्स की पेशकश के साथ, हम न सिर्फ दुनिया की पहली तकनीक को भारत ला रहे हैं, बल्कि गेमर्स के लिए मजेदार अनुभव, तेज स्पीड और शानदार विजुअल क्वॉलिटी को भी नए स्तर तक पहुंचा रहे हैं।

ओडिसी 3डी- भारत का पहला ग्लासेस-फ्री 3डी गेमिंग मॉनीटर

एडवांस्ड आई-ट्रैकिंग टेक्नोलॉजी और व्यू मैपिंग एल्गोरिदम की विशेषता के साथ, यह हाई-डेफिनिशन, आकर्षक 3डी विजुअल्स प्रदान करता है जो गेम और वीडियो कंटेंट को अधिक जीवंत बनाते हैं। रियलिटी हब ऐप वीडियो कंटेंट का पता लगाता है और इसे 3डी में चलाने का विकल्प प्रदान करता है।

सैमसंग प्रमुख वैश्विक गेम डेवलपर्स के साथ सक्रियता से सहयोग कर रहा है, जिसमें नेक्सॉन के साथ द फर्स्ट बर्सरकर- खज़ान के लिए इस अगली पीढ़ी की 3डी तकनीक का अधिक से अधिक लाभ उठाने के लिए काम किया जा रहा है। गेमिंग के अलावा, ओडिसी 3डी में एआई-पावर्ड वीडियो कन्वर्जन की सुविधा है, जो स्टैण्डर्ड कंटेंट को 3डी में बदलकर लगभग सभी कंटेंट में नई ऊर्जा भर देता है।

संक्षिप्त समाचार

एचईसी इंफ्रा ने हासिल किए 15.68 करोड़ की ईपीसी ऑर्डर

अहमदाबाद, एजेंसी। एचईसी इंफ्रा प्रोजेक्ट्स लिमिटेड (एचइसी, द कंपनी), जो कि एक्स्ट्रा हाई वोल्टेज ट्रांसमिशन और डिस्ट्रीब्यूशन प्रोजेक्ट्स में अग्रणी है, को एम/एस ब्रिक्सो इंडस्ट्रीज़ से 15.68 करोड़ का वर्क ऑर्डर प्राप्त हुआ है।इस अनुबंध के तहत एचईसी इंफ्रा प्लांट विद्युतीकरण और 66 केवी लाइन के शिफ्टिंग के लिए डिजाइन, आपूर्ति, स्थापना, परीक्षण और कमीशनिंग जैसी पूरी ईपीसी (इंजीनियरिंग, प्रोक्योरमेंट, कंस्ट्रक्शन) जिम्मेदारियाँ निभाएगी। यह परियोजना 12 महीनों के भीतर पूर्ण की जानी है।यह नया ऑर्डर कंपनी की ऑर्डर बुक को और भी मजबूत करता है और औद्योगिक विद्युतीकरण के क्षेत्र में इसके बढ़ते पोर्टफोलियो में एक और उपलब्धि जोड़ता है।

तकनीकी उत्कृष्टता- - एचईसी इंफ्रा उच्च वोल्टेज स्विचगियर, ट्रांसफॉर्मर, केबलिंग और सुरक्षा प्रणालियों में अपनी विशेषज्ञता का उपयोग करेगी ताकि ब्रिक्सो इंडस्ट्रीज़ को विश्वसनीय विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित की जा सके।

संचालन दक्षता- टर्नकी ईपीसी दृष्टिकोण डिज़ाइन, खरीद और निर्माण के चरणों में सहज समन्वय की अनुमति देता है, जिससे समय पर डिलीवरी और निरंतर गुणवत्ता सुनिश्चित होती है।

मजबूत साझेदारी- इस परियोजना को सफलतापूर्वक पूरा करना औद्योगिक क्षेत्र में जटिल विद्युतीकरण कार्यों के लिए - एचईसी इंफ्रा की एक विश्वसनीय भागीदार के रूप में प्रतिष्ठा को और मजबूत करेगा। यह आदेश हमारे औद्योगिक पोर्टफोलियो को और अधिक मजबूत बनाता है और उच्च गुणवत्ता वाले, एंड-टू-एंड समाधान प्रदान करने के प्रति हमारी अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाता है। इस क्षेत्र में भविष्य की महत्वपूर्ण संभावनाओं को देखते हुए, हमें विश्वास है कि यह परियोजना कंपनी को अगले स्तर तक ले जाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

बजाज आलियांज लाइफ इंश्योरेंस ने समग्र सुरक्षा समाधान लॉन्च किया

पुणे। भारत की प्रमुख निजी जीवन बीमा कंपनियों में से एक, बजाज आलियांज लाइफ इंश्योरेंस ने बजाज आलियांज लाइफ सुपरवुमन टर्म (एसडब्ल्यूटी) लॉन्च किया है, जो विशेष रूप से महिलाओं के लिए एक समग्र सुरक्षा समाधान है। यह अभिनव समाधान पारंपरिक जीवन बीमा से कहीं आगे जाकर न केवल टर्म इंश्योरेंस लाभ देता है, बल्कि महिलाओं से जुड़ी विशेष बीमारियों के लिए क्रिटिकल इलनेस बेनिफिट्स का कवरेज भी देता है. साथ ही एक वैकल्पिक चाइल्ड केयर लाभ, और स्वास्थ्य प्रबंधन सेवाएं भी प्रदान करता है, जो महिलाओं और उनके परिवारों के लिए समग्र सुरक्षा सुनिश्चित करता है। महिलाएं अपने परिवार की बेहतरीन देखभाल करती आई हैं, ऐसे में उनकी खुद की वित्तीय सुरक्षा भी उतनी ही मजबूत होनी चाहिए। बजाज आलियांज लाइफ सुपरवुमन टर्म उन्हें वित्तीय रूप से आत्मनिर्भर बनाए रखने में मदद करता है और उनके जीवन लक्ष्यों को सुरक्षित करने में सहायक है, जो उनके भावी जीवन के हर एक चरण में उन्हें आत्मविश्वास और स्थिरता प्रदान करता है।

टर्म इंश्योरेंस के माध्यम से व्यापक वित्तीय सुरक्षा-महिलाओं की बदलती भूमिकाओं और उनकी विशेष वित्तीय आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए, यह योजना बीमा धारक की मृत्यु पर नामांकित व्यक्ति को एकमुश्त राशि प्रदान करती है ताकि आश्रितों का भविष्य सुरक्षित रह सके।

गंभीर बीमारी सुरक्षा-एसडब्ल्यूटी के साथ मिलने वाले गंभीर बीमारी यानी सीआई राइडर के अंतर्गत 60 प्रमुख गंभीर बीमारियों का कवरेज शामिल है, जिसमें महिलाओं से संबंधित बीमारियां जैसे ब्रेस्ट कैंसर, सर्विक्स कैंसर, और ओवरी कैंसर शामिल हैं। यह बीमा प्लान उन्हें जरूरत पड़ने पर इलाज के दौरान वित्तीय तनाव से मुक्त रखता है।

चाइल्ड केयर बेनिफिट-बच्चे के भविष्य को सुरक्षित करने की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए, यह योजना एक वैकल्पिक चाइल्ड केयर लाभ भी देती है, जो एसडब्ल्यूटी के साथ पहली बार पेश किया गया है। इसके अंतर्गत दुर्भाग्यपूर्ण परिस्थिति में बच्चे की पढ़ाई के लिए मासिक आय सुनिश्चित की जाती है।

जोमैटो ने इस देश के कारोबार को किया बंद, खबर से रॉकेट की तरह भागा कंपनी शेयर

नई दिल्ली, एजेंसी। बाजार की जबरदस्त रिकवरी के बीच सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन यानी शुक्रवार को इटर्नल लिमिटेड (पूर्व में जोमैटो) के शेयर को खरीदने की लूट मच गई। ट्रेडिंग के दौरान इटर्नल लिमिटेड के शेयर 211.50 रुपये की पिछली क्लोजिंग के मुकाबले 3 प्रतिशत उछलकर 218.20 रुपये पर पहुंच गए। जून 2024 में इस शेयर की कीमत 146.85 रुपये पर थी। यह शेयर के 52 हफ्ते का लो है। वहीं, शेयर के 52 हफ्ते का हाई 304.50 रुपये है। शेयर का यह भाव दिसंबर 2024 में था।

इटर्नल लिमिटेड ने स्टॉक एक्सचेंजों को अपनी निष्क्रिय स्टेप-डाउन सहायक कंपनी जोमैटो नीदरलैंड बी.वी. के लिक्विडिटेशन के बारे में सूचित किया। जानकारी के मुताबिक नीदरलैंड स्थित सहायक कंपनी ने 9 अप्रैल, 2025 से परिचालन बंद करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। कंपनी ने स्पष्ट किया कि जोमैटो नीदरलैंड के पास कोई सक्रिय व्यावसायिक संचालन नहीं है। इसके लिक्विडिटेशन से कंपनी के कारोबार या राजस्व पर कोई असर नहीं पड़ेगा। इटर्नल ने यह भी बताया कि जोमैटो नीदरलैंड की निष्क्रिय स्थिति का जिक्र पहले कंपनी के रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस और 2021 में बाद की सार्वजनिक फाइलिंग में किया गया था।

कंपनी के नाम में बदलाव

बीते मार्च महीने में जोमैटो के शेयरधारकों ने कंपनी का नाम बदलकर 'इटर्नल' करने के लिए एक विशेष प्रस्ताव को मंजूरी दी थी। कंपनी के मुताबिक खाद्य वितरण कारोबार का ब्रांड नाम और ऐप का नाम 'जोमैटो' ही रहेगा। इटर्नल में फिलहाल चार प्रमुख व्यवसाय - जोमैटो, ब्लिंकिट, डिस्ट्रिक्ट और हाइपरप्योर - शामिल होंगे।

शेयर का परफॉर्मेंस

पिछले एक साल में इटरनल के शेयरों में 10 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। हालांकि, ङ्घञ्जष्ठ आधार पर शेयर में 24 प्रतिशत की गिरावट आई है। छह महीने के परफॉर्मेंस की बात करें तो 25 प्रतिशत की गिरावट दिखाई देती है, जबकि तीन महीने की अवधि में 14 प्रतिशत गिरावट आई है। पिछले एक महीने में ही शेयर में 3 प्रतिशत की गिरावट आई है।

बोनस शेयर बांट चुकी है कंपनी, अब मिला बड़ा ऑर्डर, स्मॉलकैप स्टॉक में तूफानी तेजी

नईदिल्ली, एजेंसी। स्काई गोल्ड के शेयर शुक्रवार को बीएसई में 5 पर्सेंट के अपर सर्किट के साथ 320.50 रुपये पर पहुंच गए हैं। कंपनी के शेयरों में यह उछाल एक बड़ा ऑर्डर मिलने की वजह से आया है। स्काई गोल्ड ने घोषणा की है कि उसे हर महीने 200 किलोग्राम के रेकरिंग एक्सपोर्ट का एक बड़ा ऑर्डर मिला है। कंपनी ने बताया है कि उसे यह ऑर्डर ज्वैलरी इंडस्ट्री में सबसे प्रतिष्ठित नामों में से एक से मिला है। स्काई गोल्ड, क्व2क्व ज्वैलरी मैन्युफैक्चरिंग सेगमेंट में एक बड़ा नाम है। स्काई गोल्ड ने कुछ महीने पहले ही इनवेस्टर्स को 9 बोनस शेयर दिए हैं। स्काई गोल्ड ने एक्सचेंज फाइलिंग में बताया है कि एग्रीमेंट में अपफ्रंट पेमेंट्स शामिल हैं, जो कि उनके वर्किंग कैपिटल साइकल में सुधार लाएंगे और यह हमारे कस्टमर रिलेशनशिप्स में मजबूती को दर्शाता है। साथ ही, यह हमारी मैन्युफैक्चरिंग क्षमता और सर्विस क्वॉलिटी में भरोसे को भी दिखाता है। कंपनी का कहना है कि यह डिवेलपमेंट हमारे ऑपरेशनल परफॉर्मेंस पर सकारात्मक असर डालेगा और आने वाली तिमाहियों में शेयरहोल्डर वैल्यू में अच्छा योगदान करेगा।

ज़ेटाई की प्रस्तावित रीस्ट्रक्चरिंग स्कीम पर मतदान के नतीजे

93.1 प्रतिशत क्रेडिटर्स ने हां में वोट दिया, जो कि कुल मूल्य के 94.6 प्रतिशत हिस्से का प्रतिनिधित्व करते हैं

मुंबई, एजेंसी। ज़ेटाई प्रा. लि. को यह बताते हुए खुशी है कि उसकी प्रस्तावित व्यवस्था की योजना (स्कीम ऑफ अरेंजमेंट) को हाल ही में संपन्न हुए मतदान में क्रेडिटर्स का ज़बरदस्त समर्थन मिला है। वज़ीरएक्स प्लेटफॉर्म पर क्रिप्टो बैलेंस रखने वाले सभी क्रेडिटर्स, सिंगापुर हाई कोर्ट में दायर की गई प्रस्तावित रीस्ट्रक्चरिंग स्कीम पर मतदान करने के लिए पात्र थे। मतदान प्रक्रिया क्रोल इश्युअर सर्विसेज़ प्लेटफॉर्म पर, 19 मार्च से 28 मार्च तक आयोजित की गई थी।

कुल मिलाकर, 1,41,476 स्कीम क्रेडिटर्स ने मतदान में हिस्सा लिया, जो कि स्छ195,650,529.03 के स्वीकृत दावों की राशि का प्रतिनिधित्व करते हैं। मतदान करने वाले स्कीम क्रेडिटर्स में से 1,31,659 क्रेडिटर्स ने, जो कि स्छ184,997,156.31 की स्वीकृत दावों की राशि का प्रतिनिधित्व करते हैं, स्कीम के पक्ष में वोट दिया।

अस्थिर स्थिति में उम्मीद की किरण बनकर उभर रहा है भारत:आशीषकुमार चौहान

ग्वालियर। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया (एनएसई) के एमडी और सीईओ श्री आशीष कुमार चौहान ने वैश्विक आर्थिक चुनौतियों, निवेशकों की सोच और भविष्य की संभावनाओं के बीच भारतीय बाजार के प्रदर्शन पर इंडिया ग्लोबल फोरम, मुंबई एनएक्सटी25 में अपने विचार साझा किए। अपने उच्चतम स्तर से 1.5 ट्रिलियन डॉलर नीचे आने के बावजूद भारतीय कैपिटल मार्केट में लॉन्ग-टर्म ग्रोथ ट्रेजेक्टरी पर जोर देते हुए श्री चौहान ने कहा, 2014 में भारत का मार्केट कैप 1 ट्रिलियन डॉलर से कम था, और आज यह लगभग 5 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच गया है। यह बताता है कि देश में बड़ी मात्रा में संपत्ति का निर्माण हुआ है। विदेशी निवेशकों के बाहर निकलने को लेकर उन्होंने कहा कि ये ट्रेंड वैश्विक ब्याज दरों में बदलाव और उभरते बाजार में जोखिम से बचने की भावना की वजह से देखा जा रहा है। लेकिन भारत की निर्यात संरचना कुछ ऐसी है, जिसकी वजह से यह ग्लोबल टैरिफ तनावों से काफी हद तक सुरक्षित है।

उन्होंने बताया कि भारतीय बाजार की मजबूती का एक बड़ा कारण घरेलू रिटेल निवेशक हैं। 6 करोड़ से ज्यादा भारतीय हर महीने सिर्फ 250 रुपए जैसी छोटी राशि से सिस्टेमेटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) करते हैं। इससे हर महीने बाजार में करीब 2.5-3 बिलियन अमेरिकी डॉलर की स्थायी आमदनी होती है। यह दिखाता है कि भारतीय अब देश के बिज़नेस और एंटरप्रेन्योरशिप पर भरोसा करने लगे हैं। फाइनेंशियल इनक्लूजन (वित्तीय समावेशन) पर बात करते हुए उन्होंने कहा कि छोटे निवेशों से भी मार्केट का आकर बढ़ रहा है। बाजार में उतार-चढ़ाव के समय भी हो रहे, ये डायरेक्ट इंवेस्टमेंट्स इन्वेस्टर की मैच्योर सोच के बारे में बताते हैं। आईपीओ को लेकर उन्होंने बताया कि आईपीओ में स्थिति मजबूत बनी हुई है, केवल मार्च के अंत तक 50 से ज्यादा कंपनियों ने आईपीओ फाइल किये, और 2024 में एनएसई ने कुल 268 आईपीओ की मेजबानी की, जिनसे 19.6 बिलियन डॉलर जुटाए गए, जो दुनिया में अब तक का सबसे अधिक आईपीओ फंड रहा।

भोपाल में सिनेपॉलिस का नया 5-स्क्रीन मल्टीप्लेक्स लॉन्च

अब शहर में मनोरंजन का मज़ा होगा दोगुना

भोपाल- भारत में कदम रखने वाली पहली इंटरनेशनल सिनेमा कंपनी और प्रीमियम मूवी देखने के अनुभव के लिए दुनिया भर में मशहूर, सिनेपॉलिस इंडिया ने अब भोपाल में अपने नए 5-स्क्रीन मल्टीप्लेक्स का शुभारंभ किया है। यह नया मल्टीप्लेक्स बंसल प्लाज़ा मॉल में स्थित है। यह प्रोजेक्ट बंसल ग्रुप के साथ साझेदारी में शुरू किया गया है, जो कि भोपाल के सबसे नामी मॉल डेवलपर्स में से एक है। इससे न सिर्फ भारत में सिनेपॉलिस की उपस्थिति को मजबूती मिलेगी, बल्कि भोपाल के दर्शकों को वर्ल्ड-क्लास सिनेमा का शानदार अनुभव भी मिलेगा। बंसल प्लाज़ा मॉल शहर का एक बड़ा और अहम् शॉपिंग डेस्टिनेशन है, जो करीब 2.5 लाख वर्ग फीट में फैला है और इसमें कुल 3.4 लाख वर्ग फीट का रिटेल स्पेस मौजूद है। इस मॉल में एक से बढ़कर एक सुविधाएँ हैं, जिसमें हाइपरमार्केट, डिपार्टमेंटल स्टोर्स, ब्रांडेड रिटेल आउटलेट्स, शानदार फूड कोर्ट और विज़िटर्स के लिए भरपूर पार्किंग स्पेस शामिल है। ऐसे में, सिनेपॉलिस का नया मल्टीप्लेक्स यहाँ की मनोरंजन की दुनिया को एक नया आयाम प्रदान करेगा, जहाँ फिल्में सिर्फ देखी नहीं, बल्कि महसूस भी की जाएँगी। करीब 3,436 वर्ग मीटर में फैले इस 5-स्क्रीन मल्टीप्लेक्स में कुल 804 सीटों की व्यवस्था की गई है, जिसमें 751 रेगुलर सीटें और 53 शानदार वीआईपी रिक्लाइनर शामिल हैं। यहाँ आने वाले दर्शक न सिर्फ फिल्मों का बेहतरीन अनुभव कर सकते हैं, बल्कि मल्टीप्लेक्स के सर्विस्ड किचन और कंसेशन स्टॉल से स्वादिष्ट खाने-पीने का लुफ्त भी उठा सकते हैं। टेक्नोलॉजी के मामले में सिनेपॉलिस हमेशा ही सबसे आगे रहा है और यही बात इसे खास बनाती है। यहाँ डॉल्बी एटमॉस साउंड जैसी एडवांस ऑडियो टेक्नोलॉजी, लेज़र प्रोजेक्टर से क्रिस्टल क्लियर पिख और स्क्रीन 1 और 3 में रियलडी 3डी जैसे फीचर्स मौजूद हैं, जो फिल्म देखने के अनुभव को एक अलग ही स्तर पर ले जाते हैं। इस अवसर पर सिनेपॉलिस इंडिया के मैनेजिंग डायरेक्टर देवांग संपत ने कहा, बंसल प्लाज़ा में इस नए मल्टीप्लेक्स के साथ भोपाल में अपनी उपस्थिति का विस्तार करते हुए हमें बेहद खुशी हो रही है। भारत में पहली इंटरनेशनल सिनेमा कंपनी के तौर पर हमारा उद्देश्य हमेशा से यही रहा है कि दर्शकों को भविष्य के अनुरूप सिनेमा का अनुभव दिया जाए, वह भी लेटेस्ट टेक्नोलॉजी, प्रीमियम कम्फर्ट और बेहतरीन सर्विस के साथ। बंसल सिटी सेंटर के सीईओ- कमर्शियल डेवलपमेंट, श्री अवनीश हसीजा ने कहा, बंसल प्लाज़ा को हमने भोपाल का प्रमुख लाइफस्टाइल और रिटेल डेस्टिनेशन बनाने की सोच के साथ तैयार किया है।

पॉलीकैब इंडिया ने फैन कैटेगरी में अपनी पकड़ मजबूत की

सुपर आरओआई फैंस लॉन्च किए - बेहतरीन एयर डिलीवरी, शानदार बचत

मुंबई, एजेंसी। इलेक्ट्रिकल सॉल्यूशंस में अग्रणी कंपनी पॉलीकैब इंडिया फैन कैटेगरी में अपनी उपस्थिति को और मजबूत कर रही है। कंपनी ने सुपर आरओआई फैंस की नई रेंज लॉन्च की है, जो इस श्रेणी में रिटर्न ऑन इन्वेस्टमेंट के नए स्टैंडर्ड कायम करेगी। यह रेंज शानदार प्रदर्शन, ऊर्जा दक्षता और आधुनिक डिज़ाइन का बेहतरीन तालमेल प्रस्तुत करती है। बढ़ती ऊर्जा लागत और विकसित हो रही उपभोक्ता प्राथमिकताओं के साथ, पॉलीकैब नए और आधुनिक ऐसे समाधान देने के लिए समर्पित है जो ग्राहकों के लिए उनके पैसों का बेहतर मूल्य सुनिश्चित करते हैं।

पॉलीकैब के सुपर आरओआई फेन बीएलडीसी तकनीक से लैस हैं, जो 50 त्न तक बिजली की बचत करने में सक्षम हैं। इसके कुछ विशेष बीएलडीसी मॉडल 25त्न अधिक एयर डिलीवरी प्रदान करते हैं। रिवर्स रोटेशन की सुविधा सर्दियों में भी आरामदायक माहौल बनाए रखने में मदद करती है। 100त्न कॉपर वाइंडिंग मोटर से निर्मित ये पंखे लंबे समय तक साथ निभाते हैं। ये पंखे 4 साल की वारंटी के साथ आते हैं। ये आधुनिक डिज़ाइन में 30 से अधिक रंगों में उपलब्ध हैं, जो आपके होम डेकोर को और सुंदर बनाते हैं। सुपर आरओआई पंखे अपने ग्राहकों को रिटर्न ऑन परफॉर्मेंस, रिटर्न ऑन टेक्नोलॉजी और रिटर्न ऑन प्रोडक्ट का वादा करते हैं, जिससे यह एक स्मार्ट और लाभदायक निवेश बन जाता है।

बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए, पॉलीकैब ने फैन कैटेगरी में बड़े पैमाने पर निवेश किया है। कंपनी ने 9 मिलियन से अधिक फैंस के उत्पादन की क्षमता वाला एक अत्याधुनिक मैन्युफैक्चरिंग प्लांट स्थापित किया है। इस मैन्युफैक्चरिंग प्लांट को एक एडवांस्ड रिसर्च एंड डेवलपमेंट सेंटर की ओर से सपोर्ट प्रदान किया जाता है। इस तरह मैन्युफैक्चरिंग प्लांट में गहन उपभोक्ता शोध के आधार पर निरंतर नए प्रयोग किए जाते हैं और बेहतरीन प्रोडक्टस उपलब्ध कराये जाते हैं।

लॉन्च के अवसर पर, पॉलीकैब इंडिया के एक्जीक्यूटिव प्रेसिडेंट और चीफ बिजनेस ऑफिसर , श्री ईशविंदर खुराना ने कहा, आज के उपभोक्ता अपने होम अप्लायंसेस से अधिक उम्मीद रखते हैं। बदलती ज़रूरतों और बढ़ती ऊर्जा लागत के कारण, 61त्न उपभोक्ता ऊर्जा दक्षता को प्राथमिकता देते हैं, बिना प्रदर्शन या डिज़ाइन के साथ समझौता किए। इसी मांग को पहचानते हुए, फैंस पॉलीकैब इंडिया के लिए एक महत्वपूर्ण विकास क्षेत्र बन गए हैं। हमारे रुड़की प्लांट की सफलता के बाद, हमने हलोल में एक अत्याधुनिक उत्पादन सुविधा स्थापित की है, जिससे हमारे विस्तार को और गति मिलेगी। सुपर आरओआई पंखे पारंपरिक अपेक्षाओं से भी बहुत आगे हैं और पॉलीकैब इंडिया के नवाचार और दीर्घकालिक लाभ देने की प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं और ऐसे समाधान पेश करते हैं जो वास्तव में समय के साथ आपके पैसों का पूरा मूल्य चुकाते हैं।

एनआईआईटी यूनिवर्सिटी ने भोपाल में 12वीं कक्षा के विद्यार्थियों को न्यौता दिया

भोपाल। भविष्य की यूनिवर्सिटी के रूप में स्थापित एनआईआईटी यूनिवर्सिटी ने उच्चे शिक्षा और ज्ञान-आधारित समाज के उभरते क्षेत्रों में नवाचार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से अपनी खास पहचान बनाई है। अब यह यूनिवर्सिटी अपने आगामीएडमिशन ओपन हाउसकी घोषणा करते हुए उत्सापहित है, जोरविवार, 13 अप्रैल को सुबह 9:30 से दोपहर 12:30 बजे तकभोपाल स्थितहोटल श्री वाटिका, आर-51, चेतक ब्रिज, ज़ोन-1, एमपी नगरमें आयोजित होगा।यह ओपन हाउस खासतौर पर उन छात्रों और उनके अभिभावकों के लिए है।

राणा के बहाने पाकिस्तान का पूरा आतंकी सच उजागर हो

ललित गर्ग

राणा के बहाने पाकिस्तान के मनसूबों को बेनकाब करना ज्यादा जरूरी है, इससे कई राज खुलने और जांच को नई दिशा मिलने की उम्मीद है। तमाम सबूत होने के बाद भी पाकिस्तान इस हमले के पीछे अपनी कोई भूमिका होने से इनकार करता रहा है। हालांकि वह आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा के प्रमुख हाफिज सईद और जकी-उर-रहमान लखवी जैसे आतंकवादी सरगनाओं को बचाता भी रहा है। राणा के माध्यम पाकिस्तान का पूरा सच देश भी जाने एवं दुनिया भी समझे, तभी राणा का भारत आना सफल एवं सार्थक होगा।

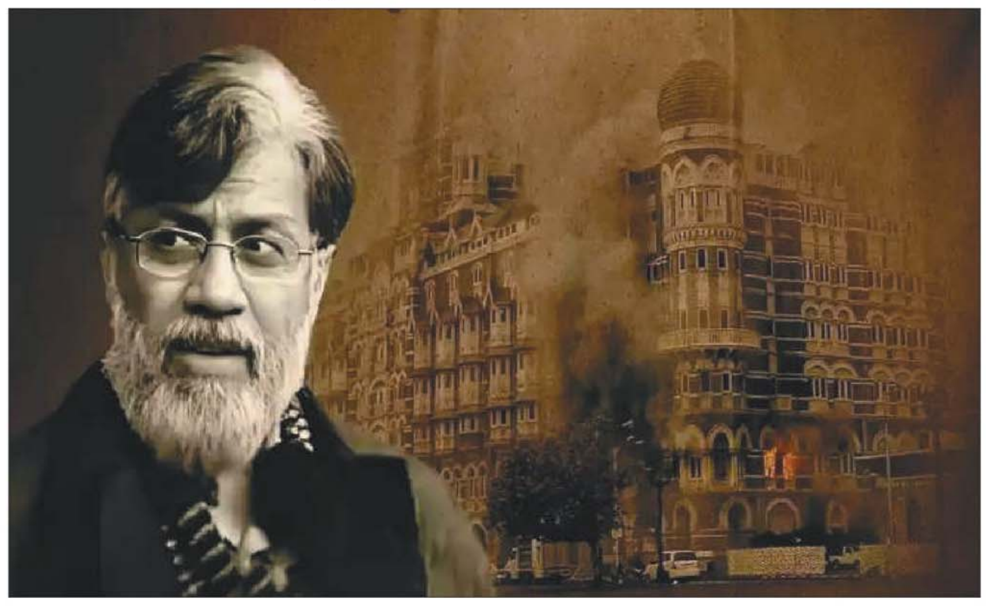

मुंबई में भीषण, खौफनाक एवं दर्दनाक आतंकी हमले की साजिश रचने और उसे अंजाम देने में सक्रिय रूप से शामिल रहने वाले पाकिस्तान मूल के कनाडाई नागरिक तहव्वुर हुसैन राणा को अमेरिका से भारत लाया जाना किसी उपलब्धि से कम नहीं है, यह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की कूटनीतिक जीत एवं भारत की कानून की बड़ी सफलता है। लगभग 170 लोगों की दर्दनाक मौत, क्रूरता एवं अमानवीयता का डरावना मंजर एवं देशवासियों की आंखों को गमगीन करने वाले इस आतंकी हमले के मास्टरमाइंड राणा का अमेरिका से प्रत्यर्पण भारत के लिये एक उजली किरण बनकर प्रस्तुत हुई है। 26-11-2008 एक ऐसी डरावनी तारीख है जिसे याद करके देशवासी सिहर जाते हैं। दहशत की तस्वीरें आंखों के सामने आ जाती हैं। यह तारीख मुम्बई के पुराने घाव को न केवल कुरेदती है बल्कि टीस भी पैदा करती है कि 150 करोड़ का यह देश अब तक क्यों नहीं राणा का प्रत्यर्पण कराकर उसे दर्दनाक सजा दे पाया। अब राणा के भारत के शिकंजे में आ जाने से 26-11 के घावों पर कुछ मरहम लगेगा क्योंकि मुम्बई एवं देश आज भी जख्मों का हिसाब मांगती है।

देर आये दुरस्त आये की कहावत को चरितार्थ करते हुए अब देश का खतरनाक दुश्मन हाथ आ गया है तो उसे ऐसी सजा दी जाये कि न केवल पाकिस्तान, पाकिस्तानी आतंकवादी संगठन एवं दुनिया में आतंक फैलाने वाले सहम जाये कि भविष्य में ऐसी घटना करने का दुस्साहस न कर सके। यह तो तय है कि राणा से पूछताछ में कई राज खुलेंगे, लेकिन यक्ष प्रश्न यह है कि क्या उसे फांसी की सजा देना संभव होगा? भारत सरकार को ऐसे कूटनीतिक एवं साहसिक प्रयत्न करने होंगे, जिससे उसे फांसी की सजा देना संभव हो सके और वह भी कम से कम समय में। मुंबई हमले के दौरान पकड़े गए आतंकी अजमल कसाब को सजा देने में चार साल लग गए थे। इतनी देरी राणा के मामले में नहीं होनी चाहिए। यह ऐसा मामला है, जिस पर देश के साथ दुनिया की भी निगाह होगी। राणा की सजा से ही भारत के न्यायतंत्र की त्वरता एवं तत्परता सामने आयेगी। क्योंकि खूंखार आतंकियों को सजा देने में देरी से आतंक से लड़ने की प्रतिबद्धता पर प्रश्नचिह्न टंकते है।

17 साल बाद आज भी महानगर मुम्बई की वह काली रात एवं गोलियों की गूंज से सब दहल उठते है, सहम जाते हैं। उस दिन पाक प्रशिक्षित लश्कर-ए-तैयबा के 10 आतंकवादियों ने एक साथ कई जगहों पर हमला किया। लियो पोल्र्ड कैफे और छत्रपति शिवाजी टर्मिनल से शुरू हुआ मौत का दर्दनाक तांडव ताजमहल होटल में जाकर खत्म हुआ। जिसमें आतंकवाद निरोधक दस्ते यानि एटीएस प्रमुख हेमंत करकरे, मुम्बई पुलिस के अतिरिक्त आयुक्त अशोक कामटे और पुलिस इंस्पैक्टर विजय सालस्कर शहीद हुए। आतंकवादी कसाब को जिन्दा पकड़ने वाले साहसी सब इंस्पैक्टर तुकाराम को कौन भुला सकता है, जो एक दूसरे आतंकवादी की गोलियों का शिकार होकर भी, जान की बाजी लगाकर कसाब को पकड़ने में सफलता पायी, भले ही इस एकमात्र पाकिस्तानी आतंकवादी कसाब को सजा-ए-मौत दी गई लेकिन इस हमले ने क्रूरता के जो निशान छोड़े वे आज भी मुम्बई में मौजूद हैं, भारत के जन-जन के हृदय पटल पर अंकित है।

कौन नहीं जानता कि तहव्वुर राणा ने दाऊद सईद गिलानी यानि डेविड कोलमैन हेडली के साथ मिलकर हमले की साजिश रची थी। डेविड हेडली ने अपनी पहचान छिपाने के लिए मुम्बई में फर्स्ट वर्ल्ड इमीग्रेशन सर्विसिज के नाम से एक कम्पनी का कार्यालय खोला और खुद को बिजनेसमैन के रूप में पेश किया। धीरे-धीरे उसने फिल्म जगत में नामी-गिरामी हस्तियों से जान-पहचान बढ़ाई। भारत यात्रा के दौरान उसने मुम्बई एवं देश के अन्य हिस्सों की रेकी की जहां पर हमला किया जाना था। पाकिस्तानी पिता और अमरीकी माँ की औलाद हेडली अमरीका में एक समय रंगीन जिन्दगी गुजार चुका था जिसके दौरान ड्रग्स की तस्करी के लिए उसे जेल भी हुई थी। भारत ने हेडली के प्रत्यर्पण के लिए भी अनुरोध किया था, लेकिन अमेरिकी अधिकारियों ने उसे छोड़ने से इनकार कर दिया, क्योंकि कई मामलों और डेनमार्क में एक हमले की नाकाम साजिश सहित 12 आतंकवाद से संबंधित आरोपों में दोषी होने की बात स्वीकार की थी। उसने लश्कर, आईएसआई और अलकायदा के राज अमेरिका को बताए तब से ही हेडली अमेरिका की सम्पत्ति बन गया है। फिलहाल हेडली का अमेरिका में सुरक्षित रहना बड़े सवाल खड़े करता है। इस बीच भारत ने राणा को मोस्ट वॉन्टेड घोषित कर दिया और 28 अगस्त 2018 भारत के खिलाफ आतंकी साजिश रचने, युद्ध छेड़ने, हत्या, जालसाजी और आतंकवादी हमले के आरोपों पर गिरफ्तारी वारंट जारी किया। अब सवाल यह है कि अमेरिका ने राणा को तो भारत के हवाले कर दिया लेकिन वह डेविड हेडली के मामले में क्यों खामोश?है?

राणा को भारत लाया जाना, भारत के शिकंजे में आना भारत की बहुत बड़ी कूटनीतिक जीत है। राणा पाकिस्तानी सेना का पूर्व अधिकारी है। चूंकि उसने आतंकी संगठन लश्कर एवं पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आइएसआइ से मिलकर मुंबई हमले की साजिश रची थी, इसलिए उससे गहन पूछताछ करके पाकिस्तान को नए सिरे से न केवल बेनकाब करना होगा, बल्कि उस पर इसके लिए दबाव भी बनाना होगा कि वह मुंबई हमले के अन्य गुनहगारों को भी दंडित करे। इस हमले के गुनहगार पाकिस्तान में खुले घूम रहे हैं। अमेरिका की सुप्रीम कोर्ट ने प्रत्यर्पण संधि के तहत राणा को भारत भेजने के प्रस्ताव को मंजूरी दी थी। हालांकि राणा ने कई हथकंडे अपनाए लेकिन अमेरिकी अदालतों में उसकी सारी याचिकाएं ठुकरा दी गईं। आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भारत की यह आज तक की सबसे बड़ी जीत है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, विदेश मंत्री एस. जयशंकर और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल इसके लिए कूटनीतिक प्रयास करते रहे हैं। सर्वविदित है कि भारत विश्व के सर्वाधिक पाकिस्तान पोषित आतंकवाद प्रभावित देशों में से एक है। 26-11 के मुंबई हमलों के अलावा 2008 में ही जयपुर विस्फोट, काबुल में भारतीय दूतावास के अलावा अहमदाबाद, दिल्ली और असम के विस्फोट भी शामिल थे। यह संतोषजनक तो है कि अमेरिका ने देर से सही, राणा को भारत को सौंप दिया। यदि ट्रंप फिर से अमेरिका के राष्ट्रपति नहीं बनते तो शायद राणा को भारत लाना और मुश्किल होता। जो भी हो, भारत को केवल इतने से ही संतोष नहीं करना चाहिए कि अंततः एक बड़ा आतंकी उसके हाथ लग गया। भारत को देश के अन्य शत्रुओं एवं आतंकियों को भी दंडित करने-कराने के प्रति प्रतिबद्ध रहना होगा। उन्हें और पाकिस्तान सरीखे उनके आकाओं को यह संदेश नए सिरे से देना होगा कि भारत अपने दुश्मनों को न तो भूलता है और न माफ करता है।

तहव्वुर राणा का प्रत्यर्पण आतंकवाद के खिलाफ भारत की एक बड़ी जीत है, लेकिन इसे आतंकवाद के खिलाफ एक छोटा पडाव मानते हुए अभी कई मोर्चे पर आतंकवाद के खिलाफ कमर कसनी होगी, अब भारतीय सुरक्षा एजेंसियों का असली बड़ा काम यहां से शुरू हुआ है। मुंबई सहित देश के अन्य हिस्सों और विशेषतः जम्मू-कश्मीर में आतंकी हमले की पूरी प्लानिंग के पीछे पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई व उसकी जमीन पर सक्रिय आतंकवादी संगठनों का हाथ न केवल था, बल्कि आर्थिक एवं अन्य तरह का सहयोग भी शामिल है। राणा के बहाने पाकिस्तान के मनसूबों को बेनकाब करना ज्यादा जरूरी है, इससे कई राज खुलने और जांच को नई दिशा मिलने की उम्मीद है। तमाम सबूत होने के बाद भी पाकिस्तान इस हमले के पीछे अपनी कोई भूमिका होने से इनकार करता रहा है। हालांकि वह आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा के प्रमुख हाफिज सईद और जकी-उर-रहमान लखवी जैसे आतंकवादी सरगनाओं को बचाता भी रहा है। राणा के माध्यम पाकिस्तान का पूरा सच देश भी जाने एवं दुनिया भी समझे, तभी राणा का भारत आना सफल एवं सार्थक होगा।

संपादकीय

ट्रंप के पीछे हटने का अर्थ

अमेरिकी राष्ट्रपति ड़ोनाल्ड़ ट्रंप ज्यादातर देशों पर लगाए गए टैरिफ को अचानक 90 दिनों के लिए स्थगित करने का फैसला किया है। यह फैसला उनके स्वभाव के अनुरूप प्रतीत नहीं होता। हालांकि कदम उन्होंने उठा लिया है जिसका वैश्विक बाजार पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा है। उनके फैसले से वैश्विक बाजार में जो हलचल और अनिश्चितता का माहौल पैदा हुआ था, उसमें थोड़ा ठहराव आ गया है। ट्रंप के फैसले को लेकर स्वयं उनके देश अमेरिका और दुनिया के अन्य देशों में प्रतिक्रिया हो रही थीं। उन्होंने इसका संज्ञान लिया और अपने फैसले को 90 दिनों तक स्थगित कर दिया। हालांकि उनकी इस फैसले से चीन अपवाद रहा है। शायद ट्रंप को यह आभास हो गया है कि व्यापार युद्धके मसले पर पूरी दुनिया के विरुद्ध मोर्चा खोलने की बजाय अपने प्रमुख व्यापारिक प्रतिद्वंद्वी चीन को निशाना बनाया जाए। यही वजह है कि ट्रंप ने चीन से आयात शुल्क की दर बढ़ाकर 145 फीसद कर दी है। दूसरी ओर, चीन की प्रतिक्रियाओं से यह लग रहा है कि अमेरिका ने जो टैरिफ युद्ध शुरू किया है, उससे उसने आखिर तक लड़ने का मन बना लिया है। ऐसा प्रतीत हो रहा है कि चीन यह समझ रहा है कि वह अमेरिका से अकेले लड़. नहीं सकता है, इसीलिए वह विभिन्न देशों को साथलेकर एक संयुक्त मोर्चा बनाने का प्रयास कर रहा है। इतना ही नहीं, बल्कि चीन की ओर से यह भी कहा गया है कि भारत और चीन, दोनों बड़ी अर्थव्यवस्था वाले देश हैं, इसीलिए इस मामले में दोनों को साथ मिलकर काम करना चाहिए। लेकिन चीन को इस मामले में कोई खास सफलता नहीं मिल रही है। इस पूरे मामले में भारत का रुख बहुत सकारात्मक रहा है। उसने किसी तरह की जल्दबाजी नहीं की है, और प्रतिक्रियात्मक कदम नहीं उठाया है। भारत और अमेरिका के बीच इस मसले को लेकर द्विपक्षीय वार्ता चल रही है, उम्मीद है कि भारत इस पर अपना पक्ष मजबूती से रख सकेगा और जोर देगा कि भविष्य के व्यापार में उसे भारी टैरिफ का दबाव न झेलना पड़े.। लेकिन भारत के सामने दुविधा की स्थिति है कि उसे चीन और अमेरिका के साथ व्यापारिक संबंधों में संतुलन बनाकर चलना होगा क्योंकि दोनों बड़े. व्यापारिक साझेदार हैं। अब तक भारत ने धैर्य और समझदारी से काम लिया है, और उम्मीद है कि अपनी इसी तरह की नीतियों के चलते वर्तमान परिस्थितियों के अपने पक्ष में झुकाने में सफल हो जाएगा।

चिंतन-मनन

शुद्ध भक्त सर्वोत्तम

निर्विशेषवादी के लिए ब्रह्मभूत अवस्था अर्थात ब्रह्म से तदाकार होना परम लक्ष्म होता है। लेकिन साकारवादी शुद्धभक्त को इससे भी आगे शुद्ध भक्ति में प्रवृत्त होना होता है। इसका अर्थ हुआ जो भगवद्भक्ति में रत है, वह पहले ही मुक्ति की अवस्था, जिसे ब्रह्मभूत या ब्रह्म से तादात्म्य कहते हैं, प्राप्त कर चुका होता है। परमेर या परब्रह्म से तदाकार हुए बिना कोई उनकी सेवा नहीं कर सकता। परम ज्ञान होने पर सेव्य तथा सेवक में कोई अन्तर नहीं कर सकता, फिर भी उच्चतर आध्यात्मिक दृष्टि से अन्तर रहता ही है।

देहात्मबुद्धि के अन्तर्गत, जब कोई इन्द्रियतृप्ति के लिए कर्म करता है, तो दुख का भागी होता है, लेकिन परम जगत में शुद्ध भक्ति में रत रहने पर कोई दुख नहीं रह जाता। चूंकि ईश्वर पूर्ण है, अतएव ईश्वर से सेवारत जीव भी कृष्णभावना में रहकर अपने में पूर्ण रहता है। वह ऐसी नदी के तुल्य है, जिसके जल की सारी गंदगी साफ कर दी गई है। चूंकि शुद्ध भक्त में कृष्ण के अतिरिक्त कोई विचार ही नहीं उठते, अतएव वह प्रसन्न रहता है।

वह न किसी भौतिक क्षति पर शोक करता है, न किसी लाभ की आकांक्षा करता है, क्योंकि वह भगवद् भक्ति से पूर्ण होता है। वह भौतिक जगत में न किसी को अपने से उच्च देखता है और न निम्न। ये उच्च तथा निम्न पद क्षणभंगुर है और भक्त को क्षणभंगुर प्राकट? या तिरोधान से कुछ लेना-देना नहीं रहता। उसके लिए पत्थर तथा सोना बराबर होते हैं।

यह ब्रह्मभूत अवस्था है, जिसे शुद्ध भक्त सरलता से प्राप्त कर लेता है। उस अवस्था में स्वर्ग प्राप्त करने का विचार मृगतृष्णा और इन्द्रियां विषदंतविहीन सर्प की भांति प्रतीत होती हैं। जिस प्रकार विषदंतविहीन सर्प से कोई भय नहीं रह जाता उसी प्रकार स्वतः संयमित इन्द्रियों से कोई भय नहीं रह जाता। भक्त के लिए समग्र जगत वैपुंठ तुल्य होता

कृषि से खालसा तक, भारत की आत्मा का पर्व है बैसाखी

योगेश कुमार गोयल

कृषि प्रधान देश भारत में बैसाखी पर्व का संबंध फसलों के पकने के बाद उसकी कटाई से जोड़कर देखा जाता रहा है। इस पर्व को फसलों के पकने के प्रतीक के रूप में भी जाना जाता है। इसे विशेष तौर पर से पंजाब का प्रमुख त्यौहार माना जाता है। वैसे देशभर में बैसाखी को बड़ी धूमधाम एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया जाता है। सिख समुदाय बैसाखी से ही नए साल की शुरूआत मानते हैं। इस दिन एक-दूसरे को बधाईयां दी जाती हैं। पंजाब में किसान तब अपने खेतों को फसलों से लहलहाते देखता है तो इस दिन खुशी से झूम उठता है। खुशी के इसी आलम में शुरू होता है गिद्दा और भांगड़ा का मनोहारी दौर। पंजाब में ढ़ोल-नगाड़ों की धुन पर पारम्परिक पोशाक में युवक-युवतियां नाचते-गाते और जश्न मनाते हैं तथा सभी गुरूद्वारों को फूलों तथा रंग-बिरंगी रोशनियों से सजाया जाता है।

उत्तर भारत में और विशेषतः पंजाब तथा हरियाणा में गिद्दा और भांगड़ा की धूम के साथ मनाए जाने वाले बैसाखी पर्व के प्रति भले ही काफी जोश देखने को मिलता है लेकिन वास्तव में यह त्यौहार विभिन्न धर्म एवं मौसम के अनुसार देश के अलग-अलग हिस्सों में अलग-अलग नामों से मनाया जाता है। पर्व की खूब धूम रहती है। पश्चिम बंगाल में इसे ह्यनबा वर्षह्ण के नाम से मनाया जाता है तो केरल में ह्यविशूह्ण नाम से तथा असम में यह ह्यबीहूह्ण के नाम से मनाया जाता है। बंगाल में ह्यपोइला बैसाखीह्ण भी कहा जाता है और वे अपने नए साल की शुरूआत मानते हैं। हिन्दू धर्म की पौराणिक मान्यताओं के अनुसार हजारों साल पहले इसी दिन मां गंगा का पृथ्वी पर अवतरण हुआ था। इसीलिए इस दिन गंगा आरती करने तथा पवित्र नदियों में स्नान करने की भी परम्परा रही है।

13 अप्रैल 1919 का बैसाखी का दिन आज भी चीख-चीखकर अंग्रेजों के जुल्मों की दास्तान बखान करता है। दरअसल रोलट एक्ट के विरोध में अपनी आवाज उठाने के लिए राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के आव्हान पर इस दिन हजारों लोग जलियांवाला बाग में इकट्ठा हुए थे क्योंकि ह्यरोलट एक्टह्ण कानून के तहत न्यायाधीशों और पुलिस को किसी भी भारतीय को बिना कोई कारण बताए और उन पर बिना कोई मुकद्दमा चलाए जेलों में बंद करने का अधिकार दिया गया था। महात्मा गांधी के आव्हान पर भारतवासियों में इस कानून के खिलाफ जबरदस्त आक्रोश उमड़ पड़ा था। इस काले कानून के विरोध में अमृतसर के जलियांवाला बाग में हजारों लोगों की एक विशाल जनसभा हुई थी लेकिन अंग्रेज सरकार ने बहुत खतरनाक षड्यंत्र रचकर जलियांवाला बाग में एकत्रित हुए लोगों को चारों ओर से घेरकर बिना किसी पूर्व चेतावनी के अंधाधुंध गोलियां बरसानी शुरू कर दी। उस दर्दनाक हत्याकांड में सैंकड़ों भारतवासी शहीद हो गए थे। हालांकि बाद में उस नृशंस हत्याकांड के सूत्रधार जनरल डायर की हत्या कर उसका बदला ले लिया गया था।

बैसाखी को सूर्य वर्ष का प्रथम दिन माना गया है क्योंकि इसी दिन सूर्य अपनी पहली राशि मेष में प्रविष्ट होता है और इसीलिए इस दिन को ह्यमेष संक्रांतिह्ण भी कहा जाता है। यह मान्यता रही है कि सूर्य के मेष राशि में प्रवेश करने के साथ ही सूर्य अपनी कक्षा के उच्चतम बिन्दुओं पर पहुंच जाता है और सूर्य के तेज के कारण शीत की अवधि खत्म हो जाती है। इस प्रकार सूर्य के मेष राशि में आने पर पृथ्वी पर नवजीवन का संचार होने लगता है। इस तरह बैसाखी खुशियों का त्यौहार है। बैसाखी का पवित्र दिन हमें गुरू गोबिन्द सिंह जैसे महापुरूषों के महान् आदर्शों एवं संदेशों को अपनाने तथा उनके पदि्चन्हों पर चलने के लिए प्रेरित करता है और हमें यह संदेश भी देता है कि हमें अपने राष्ट्र में शांति, सद्भावना एवं भाईचारे के नए युग का शुभारंभ करने की दिशा में सार्थक पहल करनी चाहिए।

(लेखक 35 वर्षों से पत्रकारिता में निरंतर सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार हैं)

जाति की जंजीरें: आजादी के बावजूद मानसिक गुलामी

प्रियंका सौरभ

भारत, जिसे आध्यात्मिकता और विविधता का देश कहा जाता है, अपने भीतर विरोधाभासों का ऐसा संसार छुपाए बैठा है जो कभी-कभी चौंका देता है। एक ओर हम विज्ञान, तकनीक, अंतरिक्ष और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की बात करते हैं, वहीं दूसरी ओर सामाजिक और सांस्कृतिक परतों में आज भी मध्ययुगीन सोच जड़ें जमाए बैठी है।

एक ही समाज में ऐसे दृश्य देखने को मिलते हैं, जहां लोग किसी बाबा के चरणामृत को 'अमृत' मान कर पी जाते हैं, यहां तक कि गोमूत्र और गोबर को औषधि बता कर सेवन करते हैं; और उसी समाज में एक दलित के हाथ का पानी पीना 'पाप' मान लिया जाता है। यही वह विडंबना है जिसे इस तीखे वाक्य ने पूरी ताकत से उजागर किया है- 'आस्था पेशाब तक पिला देती है, जाति पानी तक नहीं पीने देती।' यह पंक्ति महज व्यंग्य नहीं, बल्कि भारतीय समाज की गहराई से जमी हुई दो बड़ी बीमारियों की पहचान है-एक है अंधविश्वास में डूबी आस्था और दूसरी है जातिगत भेदभाव। दोनों ही एक हद तक इंसानियत, तर्कशक्ति और समानता के मूल सिद्धांतों को चुनौती देती हैं। आस्था किसी भी समाज की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक रीढ़ होती है। यह इंसान को एक उद्देश्य देती है, उसे नैतिकता और आत्मबल प्रदान करती है। लेकिन जब यही आस्था तर्क, विज्ञान और मानवाधिकारों की सीमा लांघ कर अंधश्रद्धा में बदल जाती है, तब खतरनाक रूप ले लेती है। भारत में ऐसे अनेक उदाहरण हैं जहां धर्मगुरु ओं ने अनुयायियों को गोमूत्र पीने, मल-मूत्र का सेवन करने, या स्वयं को 'भगवान' घोषित कर देने जैसे कृत्य करवाए और लोग आंख मूंद कर उनका पालन करते रहे। एक बाबा द्वारा 'चमत्कारी जल' के नाम पर अपना पेशाब पिलाने की खबरें भी समय-समय पर आती रही हैं। श्रद्धालु इसे 'आशीर्वाद' मान कर पीते हैं, और मीडिया जब इन घटनाओं पर सवाल उठाता है, तो आरोप लगाया जाता है कि वह धर्म का अपमान कर रहा है। यह कैसी आस्था है जो इंसान को अपनी सोच और विवेक को पूरी तरह त्यागने को विवश कर देती है? कैसी श्रद्धा है जो सवाल उठाने वालों को अपराधी बना देती है?

अब बात करें उस दूसरी बड़ी सामाजिक बीमारी जातिवाद की। भारत में जाति ऐसी संरचना है जो जन्म के आधार पर व्यक्ति की सामाजिक हैसियत, पेशा, अधिकार और यहां तक कि जीवनझ्रमरण के अवसर भी तय करती है। भारतीय संविधान ने भले ही जातिवाद को गैर-कानूनी घोषित कर दिया हो लेकिन सामाजिक मानसिकता में इसकी जड़ें आज भी बेहद गहरी हैं। आज भी देश के कई हिस्सों में दलितों को मंदिरों में प्रवेश नहीं मिलता, उनके लिए अलग कुएं या नल होते हैं, स्कूलों में उनके बच्चों को अलग बैठाया जाता है, और उनके स्पर्श मात्र से वस्तुएं 'अपवित्र' मानी जाती हैं। हाथ से मैला उठाने जैसी अमानवीय प्रथा आज भी समाप्त नहीं हुई है। ऐसे उदाहरण रोज सामने आते हैं जब दलित को ऊंची जाति की लड़की से प्रेम करने के लिए मार दिया जाता है, या किसी गांव में सिर्फ इस वजह से घरों में आग लगा दी जाती है कि उन्होंने 'मयार्दा' लांघी। कितना त्रासद है कि वही समाज जो गोमूत्र को औषधि मान सकता है, वह एक इंसान के छूने मात्र से पानी को अपवित्र मानता है। इस विरोधाभास की जड़ें कहीं और नहीं, बल्कि हमारी सामाजिक, धार्मिक और राजनीतिक संरचना में छिपी हुई हैं।

शिक्षा वह उपकरण है जो समाज को तर्कशील और न्यायप्रिय बनाता है। लेकिन भारत की शिक्षा व्यवस्था में तर्क और मानवाधिकार की शिक्षा बहुत सीमित है। हम बच्चों को विज्ञान पढ़ाते हैं, लेकिन उनकी सोच में वैज्ञानिक दृष्टिकोण नहीं भरते। उन्हें नैतिक शिक्षा देते हैं, लेकिन जातिवाद और सामाजिक न्याय के सवालों पर चुप रहते हैं। समाज भी अपनी सुविधानुसार संवेदनशीलता चुनता है। गोमूत्र बेचने वाले को 'आधुनिक ऋषि' कहा जाता है, लेकिन मैनहोल की सफाई करते मजदूर की मौत पर कोई आवाज नहीं उठती। बच्चों को बचपन से सिखाना जरूरी है कि आस्था का मतलब अंधश्रद्धा नहीं होता, और हर इंसान समान है। जाति आधारित भेदभाव के खिलाफ बने कानूनों को सिर्फ कागज पर नहीं, जमीन पर भी लागू करना होगा। मीडिया को इस विषय पर ईमानदार विमर्श शुरू करना चाहिए। जाति की संरचना अगर किसी को उसका मानवाधिकार नहीं देती तो वह टूटनी ही चाहिए। इसलिए आज की सबसे बड़ी जरूरत है कि हम इस पाखंड को पहचानें और उसके खिलाफ बोलें। इंसान की पहचान उसकी जाति से नहीं, उसके कर्म और चरित्र से हो-यही असली धर्म है, यही सच्ची आस्था है।

स्वामी, प्रकाशक और मुद्रक डा0 सरवर जमाल ने आर0 डी0 प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स प्रा0 लि0 प्लाट नं0 16-17 पाटलिपुत्रा इंडस्ट्रीयल एरिया, रोड नं0 झ्र 09 पटना झ्र 800013 से छपवाकर कार्यालय 203 बी, ब्लाक रंजीत रेसीडेंसीज, साकेतपुरी, मछली गली, राजा बाजार पटना- 800014 से प्रकाशित किया ।सम्पादकः श्रीमती शबाना प्रवीन पी0 आर0 बी0 एक्ट के तहत खबरों की जिम्मेवार मैनेजिंग एडिटरः डा0 राजीव कुमार, स्थानीय सम्पादकः डा0 नूतन कुमारी, उप सम्पादकः तबस्सुम नवाज PRGI NO:- BIHHIN/2023/86924 E-mail- Newsindogulf730@gmail.com,Mob-9472871824/8544031786 समस्त विवादों का निवारण पटना न्यायालय के अधीन ही होंगे।

साउथ निर्देशक बॉबी कोली के साथ धमाल मचाने की तैयारी में ऋतिक

तेलुगु सिनेमा के मशहूर निर्देशक बॉबी कोली ने अपनी पिछले दो फिल्मों वाल्टेयर वीरैया और डाकू महाराज से दर्शकों का दिल जीत है। इन फिल्मों में उन्होंने सीनियर हीरो चिरंजीवी और बालकृष्ण को जिस शानदार अंदाज में पेश किया, उसकी हर तरफ तारीफ हुई। अब फैंस उनकी अगली फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

ऋतिक रोशन के साथ फिल्म बनाएंगे बॉबी?

सोशल मीडिया पर चल रही चर्चाओं के मुताबिक बॉबी कोली जल्द ही बॉलीवुड के ग्रीक गॉड कहलाने वाले ऋतिक रोशन के साथ काम कर सकते हैं। कहा जा रहा है कि हाल ही में बॉबी ने ऋतिक से मुलाकात की और उन्हें एक कहानी सुनाई। ये कहानी ऋतिक को इतनी पसंद आई कि दोनों के बीच बात आगे बढ़ रही है। अगर सब कुछ ठीक रहा तो बॉबी अपनी पहली हिंदी फिल्म ऋतिक के साथ बना सकते हैं।

इस प्रोडक्शन हाउस के बैनर तले बन सकती है फिल्म

इस बड़े प्रोजेक्ट को तेलुगु फिल्मों की जानी-मानी प्रोडक्शन कंपनी मैत्री मूवी मेकर्स प्रोड्यूस कर सकती है। ये बैनर कई भाषाओं में फिल्में बना रहा है और नए-नए प्रयोगों के लिए जाना जाता है। अगर ये फिल्म बनती है तो ये इस प्रोडक्शन हाउस की बॉलीवुड में बड़ा कदम होगा।

इन फिल्मों में व्यस्त हैं ऋतिक

फिलहाल ऋतिक रोशन वॉर 2 की शूटिंग में व्यस्त हैं, जिसमें उनके साथ जूनियर एनटीआर भी नजर आएंगे। इस फिल्म के बाद ऋतिक कृष 4 में काम शुरू करेंगे, जिसका निर्देशन वह खुद ही करेंगे। ऋतिक की पिछली फिल्मों की बात करें तो उन्हें फिल्म फाइटर में देखा गया था। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास कमाल नहीं दिखा सकी थी।

मैंने अपनी किस्मत और कामयाबी खुद अपनी मेहनत और दृढ़ निश्चय से लिखी है

एक 21 साल की लड़की का पैरंट्स के खिलाफ होते हुए भी जबलपुर जैसे छोटे शहर से मुंबई आकर बॉलीवुड एक्ट्रेस बनना किसी फिल्मी कहानी से कम नहीं, लेकिन शालिनी पांडे ने यह असंभव सपना सच कर दिखाया। आज अर्जुन रेड्डी, जयेश भाई जोरदार, महाराज, डब्बा कार्टेल जैसी बड़ी फ़िल्में और वेब शो कर चुकी शालिनी बिल्कुल ठीक कहती हैं कि उन्होंने अपनी ये किस्मत और कामयाबी खुद अपनी मेहनत और दृढ़ निश्चय से लिखी है।

अर्जुन रेड्डी की प्रीति हो या जयेशभाई जोरदार की मुद्रा, महाराज की किशोरी या डब्बा कार्टेल की राजी, पर्दे पर आप भोली-भाली, सहमी हुई मासूम लड़कियों के रूप ज्यादा दिखी हैं। असल जिंदगी में आप खुद कैसी हैं?

असल जिंदगी में मैं इन सबसे एकदम अलग हूं। मैं बहुत बेबाक हूं। बिंदास अपनी राय जाहिर करती हूं। बचपन से ही मैं अपनी बात रखने में कभी नहीं झिझकी। जब भी मुझे कुछ गलत लगता है तो मैं उस पर सवाल करती हूं। जबकि, मैं एक छोटे शहर के रूढ़िवादी परिवार से हूं। हमें सिखाया जाता है कि ऐसे बात मत करो। वो चाहे आपके पैरंट्स हों या रिश्तेदार, वे हमेशा बताते हैं कि ये नहीं करो, वो नहीं करो। मैं बहुत मुंहफट इंसान हूं। ऐसे में, ये अजीब बात है कि मुझे ऐसी लड़कियों के किरदार ही ज्यादा मिले, जो अपनी आवाज नहीं उठा सकती थीं।

ऐक्टिंग का चस्का कैसे लगा?

ऐसा कोई एक दिन नहीं था। जबसे मुझे याद है, मुझे ऐक्टर ही बनना है। जबकि, बचपन में हमें फिल्में देखने की भी इजाजत नहीं थी। पैरंट्स टीवी का केबल कनेक्शन तक काट देते थे, क्योंकि सारा जोर पढ़ाई पर था, पर मुझे लगता है कि इसकी कई वजहें रहीं। जैसे, शुरू में टीवी देखते हुए लगता था कि मुझे भी टीवी पर आना है, मगर बड़ी वजह यह थी कि मुझे जबलपुर से बाहर निकलना है। मुझे अपनी पहचान बनानी है। मैं 9 से 5 वाली नौकरी कर ही नहीं सकती हूं। मुझे अपनी भावनाओं को दिखाने के लिए जरिया चाहिए और इसके लिए ऐक्टिंग से बेहतर कुछ नहीं हो सकता। ये मेरे लिए एक थेरपी है।

आपने अर्जुन रेड्डी और जयेशभाई जोरदार जैसी बड़ी फिल्मों से शुरुआत की। कम समय में कई बड़े प्रोजेक्ट्स का हिस्सा रहीं। किस्मत या मेहनत, किसका हाथ ज्यादा मानती हैं?

मैं किसी भी फिल्मी बैकग्राउंड से नहीं हूं। मेरे पीछे किसी का हाथ नहीं रहा, मैंने अपनी ये किस्मत खुद बनाई है। मेरी मेहनत, दृढ़ता, डटे रहना कि कुछ भी हो, मैं ये करके रहूंगी, इन चीजों ने मेरे लिए यह रास्ता बनाया। वह कहते हैं ना कि जहां चाह होती है, वहीं राह होती है, मेरा मानना है कि किस्मत भी उसी का साथ देती है, जो कड़ी मेहनत करते हैं। उसके बगैर कुछ नहीं होता, तो मेरे लिए कड़ी मेहनत सबसे आगे आती है। बाकी सब उसके बाद आता है।

अपनी सीरीज डब्बा कार्टेल में शबाना आजमी जैसी दिग्गज ऐक्ट्रेस के साथ काम करने का अनुभव कैसा रहा? क्या सीखा?

शबाना आजमी सबसे कूलेस्ट इंसान हैं, जिनसे मैं मिली हूं। मैंने उनसे इतना सीखा कि पता नहीं कि कहां से शुरू करूं और कहां खत्म करूं। उन्होंने मुझे जिंदगी के सबसे बड़े सबक सिखाए हैं। इतनी अनुभवी होने के बाद भी उन्होंने एक यंग वुमन के तौर पर मुझे ऊपर उठाया। मुझे बराबरी का दर्जा दिया कि आप अपनी राय रखो, आप हम जितनी ही बराबर हो। वह मेरा ह्यूमर समझती थीं। जबकि, मेरे मजाक व्यंग्यात्मक होते हैं तो अगर आप उसे नहीं समझें तो आपको बुरा लग सकता है, लेकिन शबाना मैम ने मेरे ह्यूमर को मान्यता दी।

प्रोजेक्ट पसंद न आने पर एटली की फिल्म से प्रियंका ने किया किनारा

प्रियंका चोपड़ा इन दिनों सुर्खियों में हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, एक्ट्रेस को एटली की अपकमिंग फिल्म ऑफर की गई थी, लेकिन उन्होंने इसे ठुकरा दिया। क्योंकि उन्हें प्रोजेक्ट पसंद नहीं आया और चीजें ठीक से नहीं चलीं। वहीं, कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया था कि प्रियंका को एटली ने अल्लू अर्जुन के साथ कभी कोई फिल्म ऑफर नहीं की। उन्हें एटली द्वारा निर्देशित एक फिल्म के लिए विचार किया जा रहा था, जिसमें सलमान खान लीड रोल में नजर आते। लेकिन वो फिल्म अब नहीं बन रही है। हालांकि, करीबी सूत्रों की मानें तो एटली ने प्रियंका को फिल्म का प्रस्ताव भेजा था, लेकिन प्रोजेक्ट पसंद नहीं आने के कारण उन्होंने मना कर दिया।

राजामौली की फिल्म में नजर आएंगी प्रियंका चोपड़ा

राजामौली की फिल्म एसएसएमबी29 में लीड एक्टर के तौर पर महेश बाबू है। खास बात यह है कि पांच साल बाद प्रियंका चोपड़ा भी इसी फिल्म से भारतीय सिनेमा में वापसी कर रही हैं। प्रियंका और महेश बाबू ने फिल्म की शूटिंग भी शुरू कर दी है। एसएस राजामौली इन दिनों महेश बाबू के साथ फिल्म एसएसएमबी29 की शूटिंग में व्यस्त हैं। हाल ही में सेट से कुछ तस्वीरें भी सोशल मीडिया पर वायरल हुई थी, जिससे इस बात की पुष्टि भी हो गई थी कि इस फिल्म में पृथ्वीराज भी नजर आएंगे। रिपोर्ट के अनुसार, एसएसएमबी29 को दो पार्टों में रिलीज किया जाएगा। पहला पार्ट 2027 में और दूसरा पार्ट 2029 में रिलीज हो सकता है।

पहली बार एटली के साथ काम करेंगे अल्लू अर्जुन

अल्लू अर्जुन ने अपने फैंस को जन्मदिन के मौके पर खास तोहफा दिया था। उन्होंने अपनी अगली फिल्म का ऐलान किया है। इस बार वह डायरेक्टर एटली के साथ पहली बार काम करने जा रहे हैं। सन पिक्चर्स ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो भी शेयर किया है, जिसमें एटली और अल्लू अर्जुन अपने नए प्रोजेक्ट के लिए साथ नजर आ रहे हैं।

लोग मुझे फुटबॉल जैसे फेस वाली कहकर बुलाते थे

टीवी की मशहूर अभिनेत्री तेजस्वी प्रकाश इन दिनों रियलिटी शो सेलेब्रिटी मास्टर शेफ में नजर आ रही हैं। जिसको लेकर वो लगातार चर्चाओं में बनी हुई हैं। उनके फैंस अपनी पसंदीदा कलाकार को शो का विनर बनाना चाहते हैं। वहीं दूसरी ओर तेजस्वी अपने लॉन्ग टाइम बॉयफ्रेंड करण कुंद्रा के साथ शादी की खबरों को लेकर भी चर्चाओं में बनी हुई हैं। इस बीच अभिनेत्री ने बॉडी शेमिंग को लेकर अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने ये भी बताया कि कब उन्हें बॉडी शेमिंग का सामना करना पड़ा।

मुझे नहीं पसंद लोगों का किसी के शरीर पर कमेंट करना बातचीत में तेजस्वी प्रकाश ने बॉडी शेमिंग पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, मैं हमेशा पतली रही हूं और मुझे ये अजीब लगता है जब लोग किसी के वजन पर या किसी पर शारीरिक टिप्पणी करने को ठीक समझते हैं। जैसे लोग कहते हैं, तुम बहुत पतली हो, या अब तुम स्वस्थ हो। लेकिन अगर किसी का वजन ज्यादा है तो शायद कोई ऐसा नहीं कहेगा।

मैं लोगों के कमेंट को पॉजिटिव लेती हूं

तेजस्वी ने आगे कहा, मेरा शरीर अजीब है। शरीर पतला है और चेहरा गोल-मटोल है। मुझे लेकर लोग कन्फ्यूज हो जाते थे और मुझ पर 'फुटबॉल फेस' जैसे कमेंट किया करते थे। यहां तक कि अभी भी मेरा चेहरा गोल-मटोल ही है और मुझे नहीं लगता कि मैं इसे बदल सकती हूं। हालांकि, मैं इन टिप्पणियों को नकारात्मक तौर पर नहीं लेती, बल्कि इन्हें पॉजिटि तरीके से लेती हूं और खुद में बदलाव करने का सोचती हूं। जैसे प्रोटीन का सेवन बढ़ाना या योगा करना।

सही फीडबैक को गंभीरता से लेकर, उस पर काम करना चाहिए

अभिनेत्री ने आगे उनके ऊपर होने वाली टिप्पणियों पर कहा, ऐसा नहीं है कि मैं इन कमेंट से अनजान हूं, लेकिन मैं इन टिप्पणियों से खुद को प्रभावित नहीं होने देती हूं। अगर मैं उनके फीडबैक से सहमत होती हूं, तो उन पर काम करती हूं। मेरा मानना है कि शारीरिक बनावट और आत्मविश्वास के बीच संतुलन बनाना काफी जरूरी है। सही फीडबैक को आपको गंभीरता से लेना चाहिए और उस पर काम करना चाहिए।

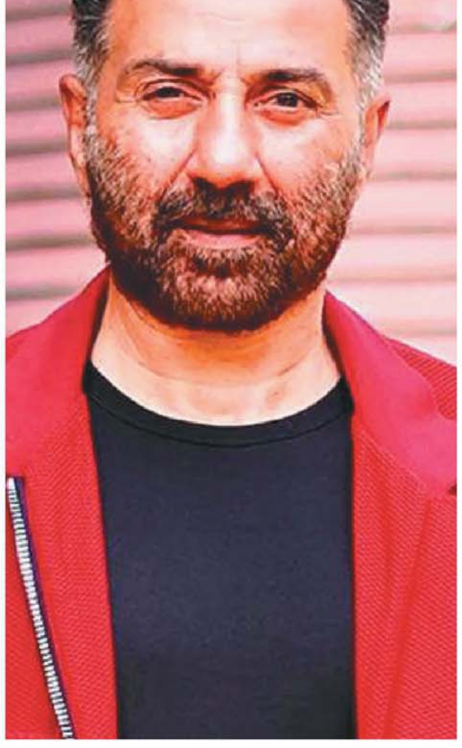

सनी देओल का ओटीटी प्रोजेक्ट्स को लेकर खुलासा

सनी देओल इन दिनों अपनी आगामी फिल्म जाट को लेकर लगातार सुर्खियों में बने हुए हैं। इस फिल्म में सनी का एक्शन अवतार एक बार फिर से देखने को मिलेगा। हालांकि, सनी की सभी फिल्में एक्शन बेस्ड ही होती हैं। इसी बीच एक इवेंट के दौरान सनी ने अपने ओटीटी प्रोजेक्ट्स के बारे में खुलकर बातचीत की।

गदर 2 से बॉक्स ऑफिस पर कई रिकॉर्ड तोड़े। अब सनी फिल्म जाट के लिए अपनी कमर कस रहे हैं। एक इवेंट के दौरान सनी ने बताया कि उनके कुछ आगामी प्रोजेक्ट्स हैं, जो सिनेमा हॉल के लिए नहीं बल्कि ओटीटी के लिए बने हैं। सनी के फैंस गदर 2 की सफलता के बाद उनकी आने वाली एक्शन-थ्रिलर जाट में भी उनके शानदार प्रदर्शन की उम्मीद कर रहे हैं। फिल्म का निर्देशन गोपीचंद मालिनेनी ने किया है। यह गोपीचंद की पहली हिंदी फिल्म है, जिसे उन्होंने लिखा और निर्देशित किया गया है। इस फिल्म को मैथरी मूवी मेकर्स और पीपल मीडिया फैक्ट्री द्वारा निर्मित किया गया है।बातचीत के दौरान सनी ने बताया कि उनके पास कई आगामी ओटीटी प्रोजेक्ट हैं। सनी ने कहा कि उनके कुछ प्रोजेक्ट ओटीटी प्लेटफॉर्म पर आएंगे क्योंकि सिनेमा के दर्शक अलग होते हैं। उन्होंने कहा, ओटीटी पर जाना अच्छा है क्योंकि लोग वहां आपकी फिल्में अलग-अलग प्लेटफॉर्म पर देख सकते हैं। सनी ने यह भी बताया कि ओटीटी अभिनेताओं और निर्देशकों के लिए एक दिलचस्प जरिया है क्योंकि इससे डाइवर्सिटी मिलती है। सनी ने कहा कि उनकी फिल्में ओटीटी पर आने से आज की जनरेशन के लिए भी रिलेवेंसी बढ़ गई हैं। जाट के बारे में बात करते हुए, सनी ने कहा कि गोपीचंद मालिनेनी के साथ काम करना एक बेहतरीन अनुभव रहा है। उन्होंने कहा, यह मेरी पहली फिल्म है, जो साउथ के डायरेक्टर के साथ है और यह बहुत अच्छा रहा है। जाट के अलावा सनी देओल लाहौर 1947 में नजर आएंगी। वहीं सनी बॉर्डर 2 में भी नजर आएंगे। बॉर्डर 2 एक वॉर फिल्म होगी, जिसका निर्देशन अनुराग सिन्हा करेंगे और इसका निर्माण भूषण कुमार, कृष्ण कुमार, जेपी दत्ता और निधि दत्ता करेंगे। यह 1997 की हिट बॉर्डर का सीक्वल है। इस फिल्म में सनी देओल के अलावा वरुण धवन, दिलजीत दोसांझ, अहान शेट्टी भी महत्वपूर्ण किरदार में नजर आएंगे।

हॉरर-कॉमेडी फिल्म से कंपकंपी छुड़ाने आ रहे तुषार कपूर-श्रेयस तलपदे

बॉलीवुड की पसंदीदा कॉमिक जोड़ी श्रेयस तलपदे और तुषार कपूर एक रोमांचक हॉरर-कॉमेडी फिल्म कंपकंपी के लिए फिर से एक साथ आ रहे हैं। बीते साल यानी 2024 में इस फिल्म का एलान हुआ था। श्रेयस और तुषार ने फिल्म का पहला पोस्टर भी जारी किया था, जिसके बाद से फैंस इस हॉरर कॉमेडी फिल्म के लिए उत्साहित थे। वहीं, अब इस फिल्म की रिलीज की तारीख से भी पर्दा उठा दिया गया है। दिवंगत संगीत सिवन द्वारा निर्देशित यह फिल्म उनके आखिरी प्रोजेक्ट में से एक है, जो पोस्ट प्रोडक्शन के दौरान पूरा हो गया। निर्देशक का निधन मई 2024 में हुआ था। अब उनके निधन के बाद उनकी यह फिल्म सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है। निर्माताओं ने अब फिल्म का नया पोस्टर जारी करते हुए इसकी रिलीज डेट भी बताई है। कंपकंपी इस साल 23 मई को दुनियाभर के सिनेमाघरों में धमाल मचाने के लिए तैयार है। कंपकंपी जीतू माधवन द्वारा निर्देशित 2023 की मलयालम ब्लॉकबस्टर रोमांचक की हिंदी रीमेक है। इस फिल्म का निर्माण जयेश पटेल और उमेश केआर बंसल ने जी स्टूडियोज और ब्रावो एंटरटेनमेंट के बैनर तले किया है, जिसकी दुनिया भर में रिलीज की योजना जी स्टूडियोज ने बनाई है।

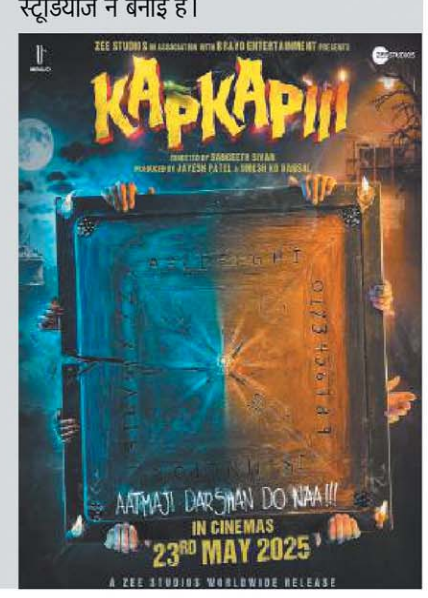

लखनऊ ने गुजरात को 6 विकेट से हराया, पूरन, मार्करम और पंत की फिफ्टी

लखनऊ (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग में शनिवार को दिन के पहले मुकाबले में लखनऊ ने अपने होम ग्राउंड पर गुजरात टाइटंस को 6 विकेट से हरा दिया। गुजरात ने लखनऊ को 181 रनों का लक्ष्य दिया था, जिसे लखनऊ ने 19.3 ओवरों में 6 विकेट बाकी रहते 186 रन बनाकर हांसिल कर लिया। लक्ष्य का पीछा करते हुए लखनऊ के बल्लेबाज एडेन मार्करम (58) और कप्तान ऋषभ पंत ने पहले विकेट के लिए 65 रन जोड़कर अच्छी शुरुआत दी, लेकिन पंत के आउट होने के बाद लेफ्टी निकोलस पूरन (61 रन, 34 गेंद 1 चौका, 7 छक्के) ने ऐसा प्रचंड प्रहार किया कि फिर मैच में औपचारिकता के अलावा कुछ बचा ही नहीं। इस पर आयुष बडोनी (नाबाद 28 रन, 20 गेंद, 2 चौके, 1 छक्के) ने 19.3 ओवरों में 6 विकेट बाकी रहते मुहर लगा दी। प्रसिद्ध कृष्णा ने 2 विकेट लिए।

इससे पहले मेहमान टीम गुजरात टाइटंस ने लखनऊ के इकाना स्टेडियम में बल्लेबाजी का न्योता पाने के बाद लखनऊ सुपर जॉयंट्स के सामने जीत के लिए 181 रनों का लक्ष्य रखा। हालांकि, साई सुदर्शन (56 रन, 37 गेंद, 7 चौके, 1 छक्का) और कप्तान शुभमन गिल (60 रन, 38 गेंद, 6 चौके, 1 छक्का) द्वारा दी गई शतकीय साझेदारी को देखते हुए स्कोर कहीं बड़ा बनना चाहिए था, लेकिन इन दोनों के बाद के बल्लेबाज टिक कर नहीं खेल सके। नियमित अंतराल पर विकेट गिरते रहे, तो गुजरात 20 ओवरों में 6 विकेट पर 180 ही रन बना सका। लखनऊ के लिए शार्दूल ठाकुर और रवि बिश्नोई ने दो-दो, तो दिग्वेश सिंह राठी और आवेश खान ने एक-एक विकेट लिया।

चेन्नई सुपर किंग्स की पांचवी हार पर कोच हसी ने खिलाड़ियों का पूरा समर्थन किया

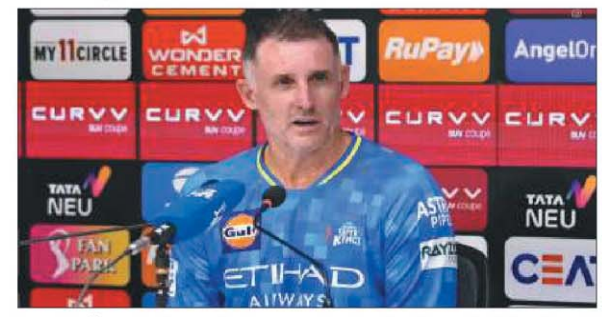

चेन्नई (एजेंसी)। चेन्नई सुपर किंग्स को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में लगातार पांचवी हार मिली है। लेकिन टीम के बल्लेबाजी कोच माइकल हसी अपने खिलाड़ियों का पूरा समर्थन कर कह रहे हैं कि अभी हार स्वीकार करने की कोई जरूरत नहीं है और पांच बार के चैंपियन के पास सही खिलाड़ी हैं। हसी ने कहा, ''मेरा अब भी मानना है कि हमारे पास सही खिलाड़ी हैं। हमें बस उन्हें कुछ आत्मविश्वास और निरंतरता हासिल करनी होगी। इसके बाद हम सही राह पर आगे बढ़ सकते हैं फिर चाहे बल्लेबाजी हो या गेंदबाजी। उन्होंने कहा, हमारे खेल की शैली के बारे में बहुत चर्चा हो रही है। लेकिन हमारे पास जो खिलाड़ी हैं, मैं उन खिलाड़ियों को बिल्कुल अलग तरीके से खेलने के लिए नहीं कहना चाहते हैं। हम चाहते हैं कि वे अपना स्वाभाविक खेल खेलते रहें।''

हसी ने कहा, ''वे अपने तरीके से खेलने और वास्तव में अच्छा प्रदर्शन करने के लिए आईपीएल में हैं। मैं निश्चित रूप से उन लोगों में से नहीं हूं जो उन्हें अलग तरीके से खेलने की कोशिश करते हैं। हसी ने उन सुझावों को खारिज कर दिया कि चेन्नई ने अपनी प्लेइंग इलेवन में कुछ शीर्ष खिलाड़ियों को शामिल किया है और वह अपने युवा खिलाड़ियों को मौका देने में झिझक रहे हैं। चेन्नई के मिडिल ऑर्डर में राहुल त्रिपाठी, शिवम दुबे, विजय शंकर और दीपक हुडा शामिल हैं, जो इस सत्र में अभी तक नाकाम रहे हैं।

इस सवाल पर कोच हसी ने कहा कि मैं इससे सहमत नहीं हूं। हमारे पास अतीत में इसतरह के कई खिलाड़ी रहे हैं जो अपने करियर के अंतिम पड़ाव में चेन्नई की ओर से मैदान में उतरे जैसे कि शेन वॉटसन और अजिंक्य रहाणे का नाम प्रमुख है। उन्होंने चेन्नई के लिए वास्तव में अच्छा प्रदर्शन किया है। मुझे लगता है कि हमारे पास जो खिलाड़ी हैं, वे वास्तव में अच्छा प्रदर्शन करने में सक्षम हैं। हसी ने कहा, ''इसमें कोई संदेह नहीं कि हमारे पास कुछ अच्छे युवा खिलाड़ी है जो मौके का इंतजार कर रहे हैं लेकिन कभी-कभी मुझे लगता है कि जब टीमें हार मान लेती हैं और सोचती हैं, अब हम टूर्नामेंट नहीं जीत सकते और अब हम युवा खिलाड़ियों को आजमाएंगे।

शिखर धवन के योगदान से उभरते सितारे, आईपीएल में चमक रहे हैं

नई दिल्ली (एजेंसी)। टीम इंडिया का गब्बर यानि शिखर धवन, जिन्होंने हाल ही में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कहा, की छाप क्रिकेट जगत में अभी भी गहरी और प्रेरणादायक बनी हुई है। आईपीएल 2025 में उभरते सितारे आयुष बदोनी, प्रियांश आर्य और दिग्वेश राठी अपनी प्रतिभा से सबका ध्यान आकर्षित कर रहे हैं, और इनका एक खास संबंध दिल्ली की क्रिकेट संस्कृति और शिखर धवन की दूरदर्शिता से जुड़ा है। यह तीनों युवा खिलाड़ी दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) की प्रमुख टीम साउथ दिल्ली सुपरस्टार्ज का हिस्सा रहे हैं, जो शिखर धवन की सोच और समर्पण का परिणाम है।

धवन ने आयुष लालवानी (लालवानी ग्रुप) और इश्विन सिंह होरा (रीच ग्रुप) के साथ मिलकर इस फ्रेंचाइजी को खरीदा था। साउथ दिल्ली सुपरस्टार्ज ने हमेशा उन खिलाड़ियों को अवसर दिया है जो जुनून, निडरता और आत्मविश्वास से भरे हुए हों। आज इनमें से कई खिलाड़ी घरेलू क्रिकेट और आईपीएल जैसे बड़े मंचों पर अपनी छाप छोड़ रहे हैं। शिखर धवन ने अपनी खुशी और गर्व का इज़हार करते हुए कहा, आयुष, प्रियांश और दिग्वेश की प्रगति को देखना मेरे लिए बेहद गर्व की बात है। इन युवाओं को चुनौतियों का सामना करते हुए बड़े मंचों पर सफलता हासिल करते देखना एक खास अनुभव है। उनकी मेहनत और लगन उनके अच्छे प्रदर्शन में साफ झलकती है। मैं बस एक समर्थक की तरह उनके लिए ताली बजा रहा हूं।

आयुष बदोनी अब आईपीएल में एक प्रमुख नाम बन चुके हैं, वहीं प्रियांश आर्य अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से तहलका मचा रहे हैं और दिग्वेश राठी अपनी चतुर स्पिन गेंदबाजी से बल्लेबाजों को परेशान कर रहे हैं। इन तीनों ने डीपीएल और साउथ दिल्ली सुपरस्टार्ज जैसी टीमों से मिले अवसरों का भरपूर फायदा उठाया। आज के समय में, जब युवा खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने के लिए सही मंच की जरूरत होती है, साउथ दिल्ली सुपरस्टार्ज जैसे प्रयास भारतीय क्रिकेट के लिए वरदान साबित हो रहे हैं। यह शिखर धवन जैसे दिग्गजों का योगदान है, जो केवल मैदान पर ही नहीं, बल्कि मैदान के बाहर भी क्रिकेट को नई दिशा दे रहे हैं।

दिल्ली का विजय रथ रोकने मुंबई को लगाना होगा ऐडी चोटी का दम

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल 2025 के 29वें मुकाबले में रविवार को दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) जब अरुण जेटली स्टेडियम में मुंबई इंडियंस (एमआई) से भिड़ेगी, तो उसका लक्ष्य जीत की लय को बरकरार रखना होगा। अपने घरेलु मैदान पर दिल्ली कैपिटल्स का जोश वैसे ही हाई होगा, वहीं एमआई की टीम दो लगातार हार के बाद वापसी के लिए संघर्ष करती नजर आएगी। डीसी ने इस सीजन में चार मुकाबले खेले हैं और चारों में जीत दर्ज कर 8 अंकों के साथ तालिका में दूसरे स्थान पर बनी हुई है, जबकि एमआई पांच में से सिर्फ एक मुकाबला जीतकर आठवें स्थान पर है। अब इस मैच में अगर एमआई को डीसी का विजय रथ रोकना है तो उसे ऐडी चोटी का जोर लगाना पड़ेगा।

डीसी की जीत का सबसे बड़ा आधार कप्तान केएल राहुल की शानदार फॉर्म है। उन्होंने अब तक तीन पारियों में 169.72 की स्ट्राइक रेट से 185 रन बनाए हैं। पिछले मुकाबले में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ 93 रन की नाबाद पारी खेलकर उन्होंने 58 रन पर चार विकेट गंवाने के बाद टीम को जीत दिलाई। ट्रिस्टन स्टब्स के साथ उनकी 111 रन की साझेदारी निर्णायक रही। स्टब्स भी मिडिल ऑर्डर में लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं।

गेंदबाजी में डीसी के पास मिशेल स्टार्क जैसे अनुभवी तेज गेंदबाज हैं, जिन्होंने चार मैचों में 9 विकेट चटकाए हैं। कुलदीप यादव अपनी कलाई की जादूगरी से आठ विकेट ले चुके हैं और उनकी इकोनॉमी भी सिर्फ 5.66 रही है। युवा विप्रज निगम भी खासे प्रभावशाली रहे हैं। उन्होंने आरसीबी के खिलाफ 18 रन देकर दो विकेट लिए थे।

मुंबई इंडियंस की बात करें तो टीम लगातार बल्ले और गेंद दोनों विभागों में जूझ रही है। सूर्यकुमार यादव को छोड़कर बाकी बल्लेबाजों से उम्मीद के मुताबिक योगदान नहीं मिल पाया है। रोहित शर्मा और रयान रिकेल्टन लय में नहीं दिखे हैं, जबकि विल जैक्स ने अच्छी शुरुआत के बावजूद बड़ी पारी नहीं खेली। हार्दिक पंड्या ने गेंदबाजी में 10 विकेट जरूर लिए हैं, लेकिन कप्तान के तौर पर टीम को जीत दिलाने में सफल नहीं हो पाए हैं। जसप्रीत बुमराह की वापसी टीम के लिए राहत की बात है, लेकिन वह भी लय पकड़ने की कोशिश में हैं।

अरुण जेटली स्टेडियम का ट्रेंड पहले बल्लेबाजी के पक्ष में रहा है, जहां आईपीएल 2024 के सभी पांच मैच टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने वाली टीम ने जीते। ऐसे में टॉस अहम भूमिका निभाएगा। डीसी मौजूदा फॉर्म में खिताब की प्रबल दावेदार दिख रही है, जबकि एमआई को प्लेऑफ की दौड़ में बने रहने के लिए यहां से हर मैच में जीत दर्ज करनी होगी।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

मुंबई इंडियंस ः हार्दिक पांड्या (कप्तान), जसप्रित बुमरा, सूर्यकुमार यादव, रोहित शर्मा, तिलक वर्मा, ट्रेंट बोल्ट, नमन धीर, रॉबिन मिंज, कर्ण शर्मा, रयान रिकेलटन, दीपक चाहर, अल्लाह गजनफर, विल जैक, अश्विनी कुमार, मिशेल सेंटनर, रीस टॉपले, कृष्णन श्रीजीत, राज अंगद बावा, सत्यनारायण राजू, बेवोन जैकब्स, अर्जुन तेंदुलकर, लिज़ाद विलियम्स, विग्नेश पुथुर।

दिल्ली कैपिटल्स ः अक्षर पटेल (कप्तान), फाफ डु प्लेसी, करुण नायर, समीर रिजवी, जेक फ्रेजर-मैकगर्क, आशुतोष शर्मा, केएल राहुल, अभिषेक पोरेल, डोनोवन फरेरा, ट्रिस्टन स्टब्स, माधव तिवारी, त्रिपुराना विजय, मनवंत कुमार, विप्रज निगम, अजय मंडल, दर्शन नालकंडे, मुकेश कुमार, मोहित शर्मा, टी नटराजन, मिशेल स्टार्क, दुष्मंथा चमीरा, कुलदीप यादव।

4-दिवसीय मैचों के लिए इंग्लैंड जाएगी भारत ए टीम

मुम्बई। भारत-ए टीम आईपीएल 2025 के बाद तीन 4-दिवसीय मैचों के लिए इंग्लैंड जाएगी। इस दौरे में उसका मुकाबला इंग्लैंड लायंस की टीम से होगा। इससे इसमें शामिल खिलाड़ियों के पास बेहतर प्रदर्शन कर जून में होने वाले भारतीय टीम के टेस्ट दौरे के लिए अपना दावा पेश करने का अच्छा अवसर होगा। भारत ए की टीम यह दौरा 25 मई से 20 जून के बीच चल सकता है, हालांकि अभी इसकी तारीखों की घोषणा नहीं हुईहै। 25 मई को आईपीएल का फ़ाइनल मुक़ाबला होगा, जबकि 20 जून से टेस्ट सीरीज़ की शुरुआत होगी। भारतीय बल्लेबाज़ टेस्ट मैचों के अलावा मुश्किल से ही कोई लाल गेंद की क्रिकेट खेलते हैं। कुछ नियमित टेस्ट खिलाड़ी भी इस इंडिया ए के दौरे पर जा सकते हैं जिससे कि आगामी इंग्लैंड दौरे के लिएस अपनी दावेदारी पक्की की जा सके। भारत-इंग्लैंड एकदिवसीय सीरीज़ शुरू होने से पहले एक रणजी ट्रॉफ़ी मुक़ाबला खेला जाएगा उसमें भी ये बल्लेबाज़ लाल गेंद की क्रिकेट का अभ्यास कर सकते हैं। बीसीसीआई ने अपने बल्लेबाज़ों को संदेश दिया है कि वह इस सीरीज़ को चयन का एक पैमाना मानें। पिछले साल जब इंग्लैंड लायंस की टीम भारत आई थी तो सरफ़राज़ ख़ान, ध्रुव जुरेल, प्रसिद्ध कृष्णा और आकाश दीप जैसे खिलाड़ियो ने इंडिया ए की ओर से खेला था। वहीं इसके बाद इन्हें राष्ट्रीय टीम से खेलने का अवसर मिला है।

शुभमन गिल ने हासिल की बड़ी उपलब्धि, गुजरात टाइटंस के लिए ऐसा करने वाले पहले खिलाड़ी बने

लखनऊ (उत्तर प्रदेश)। गुजरात टाइटन्स के कप्तान शुभमन गिल शनिवार को अपनी फ्रेंचाइजी के लिए 2,000 रन पूरे करने वाले पहले खिलाड़ी बन गए हैं। गिल ने लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ उन्हीं के होम ग्राउंड में यह उपलब्धि हासिल की। अपनी पारी के दौरान गिल ने सिर्फ 38 गेंदों में छह चौकों और एक छक्के की मदद से 60 रन बनाए। उनके रन 157.89 के स्ट्राइक रेट से आए। उन्होंने सलामी बल्लेबाज साई सुदर्शन के साथ 120 रन की साझेदारी की, जिन्होंने 37 गेंदों में सात चौकों और एक छक्के की मदद से 56 रन बनाए। 2022 में अपने डेब्यू के बाद से अब तक फ्रैंचाइजी के लिए 51 मैचों में गिल ने जीटी के लिए 51 पारियों के बाद 44.60 की औसत और 147.89 की स्ट्राइक रेट से 2,007 रन बनाए हैं। उन्होंने चार शतक और 12 अर्द्धशतक बनाए हैं, जिसमें उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 129 रहा है। मौजूदा सीजन में गिल ने छह पारियों में 41.60 की औसत और 149.64 की स्ट्राइक रेट से 208 रन बनाए हैं। उन्होंने दो अर्धशतक बनाए हैं जिसमें 61* का सर्वश्रेष्ठ स्कोर है। वह इस सीजन में छठे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। गिल ने जीटी के साथ अपना अब तक का सर्वश्रेष्ठ आईपीएल सीजन 2023 सीजन में खेला था जब 17 मैचों और पारियों में 59.33 की औसत और 157.80 की स्ट्राइक रेट से 890 रन बनाए। उन्होंने तीन शतक और चार अर्द्धशतक लगाए जिसमें उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 129 रहा। 2018-2021 तक कोलकाता नाइट राइडर्स के साथ अपने रन सहित, गिल ने अपने आईपीएल करियर में 109 मैचों और 106 पारियों में 3,424 रन बनाए हैं। ये रन 38.04 के औसत और 136.46 के स्ट्राइक रेट से आए हैं। उन्होंने चार शतक और 22 अर्द्धशतक बनाए हैं।

आईपीएल सुपर संडे : दो रॉयल्स होगें आमने-सामने

जयपुर (एजेंसी)। आईपीएल 2025 के सुपर संडे में क्रिकेट प्रेमियों को रोमांचक मुकाबला देखने को मिलेगा। सुपर संड़े में दो मैच खेले जाने है पहला दो रॉयल्य (राजस्थान रॉयल और रॉयल रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु) के बीच तथा दूसरे मुकाबला दिल्ली कैपिटल्स और मुंबई इंडियंस के बीच खेला जाना हैं।

राजस्थान रॉयल्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की टीमें जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में आमने-सामने होंगी। दोनों ही टीमें पिछली हार के बाद जीत की पटरी पर लौटने की कोशिश में होंगी। आरसीबी ने अब तक पांच में से तीन मैच जीते हैं और अंकतालिका में चौथे स्थान पर है, जबकि राजस्थान रॉयल्स दो जीत के साथ सातवें पायदान पर है।

इस मुकाबले में जोफ्रा आर्चर बनाम विराट कोहली और फिल सॉल्ट की भिड़ंत देखने को मिल सकती है। आर्चर ने पिछली दो पारियों में जबरदस्त वापसी करते हुए तेज रफ्तार गेंदों से कहर बरपाया है। पंजाब किंग्स के खिलाफ उन्होंने श्रेयस अय्यर को 148.6 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार वाली गेंद पर बोल्ड किया, जबकि गुजरात के खिलाफ शुभमन गिल को 147.7 किलोमीटर प्रति घंटे की इनस्विंगर पर आउट किया था। रविवार को उनके सामने कोहली और सॉल्ट की आक्रामक जोड़ी होगी, जो किसी भी गेंदबाजी आक्रमण को ध्वस्त करने का माद्दा रखती है।

राजस्थान की गेंदबाजी में फिलहाल आर्चर और संदीप शर्मा ही प्रभावी नजर आ रहे हैं। स्पिन आक्रमण को मजबूती देने के लिए वानिंदु हसरंगा और महीश तीक्षणा से अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद की जा रही है। दूसरी ओर, आरसीबी की बल्लेबाजी क्रम कोहली, सॉल्ट, पडिक्कल, पाटीदार, टिम डेविड और लियाम लिविंगस्टोन जैसे नामों से सजी है, जो किसी भी परिस्थिति में रन बनाने का दम रखते हैं। राजस्थान की टीम बल्लेबाजी में स्थिरता की तलाश में है। पिछले मैच में गुजरात के खिलाफ टीम 159 रन पर सिमट गई थी। हालांकि संजू सैमसन, यशस्वी जायसवाल, रियान पराग और नितीश राणा जैसे खिलाड़ी टीम को मजबूत शुरुआत दिलाने की क्षमता रखते हैं। वहीं, निचले क्रम में हेटमायर और ध्रुव जुरेल जैसे विस्फोटक बल्लेबाज मैच का रुख पलट सकते हैं। यह मुकाबला दोपहर 3ः30 बजे शुरू होगा और फैंस को एक हाई-वोल्टेज क्लैश देखने को मिल सकता है, जिसमें दोनों ही टीमें पूरे दमखम के साथ मैदान में उतरेंगी।

टीमें -

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरुः रजत पाटीदार (कप्तान), फिल साल्ट, विराट कोहली, देवदत्त पडिक्कल, लियाम लिविंगस्टोन, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), टिम डेविड, ऋुणाल पंड्या, भुवनेश्वर कुमार, जोश हेजलवुड, यश दयाल, सुयश शर्मा, रसिख डार सलाम, मनोज भंडागे, जैकब बेथेल, स्वप्निल सिंह, अभिनंदन सिंह, रोमारियो शेफर्ड, लुंगी एनगिडी, नुवान तुषारा, मोहित राठी, स्वास्तिक चिकारा।

राजस्थान रॉयल्सः संजू सैमसन (कप्तान), यशस्वी जयसवाल, शुभम दुबे, नितीश राणा, रियान पराग, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), शिमरोन हेटमायर, जोफ्रा आर्चर, महीश तीक्षाना, तुषार देशपांडे, संदीप शर्मा, फजल हक फारूकी, कुणाल सिंह राठौड़, आकाश मधवाल, कुमार कार्तिकेय, क्रेन मफाका, वानिंदु हसरंगा, युद्धवीर सिंह चरक, अशोक शर्मा, वैभव सूर्यवंशी।

ग्लेन फिलिप्स चोटिल, बाकी बचे आईपीएल से हुए बाहर

-गुजरात टाइटंस के लिए रबाडा के बाद दूसरा झटका

नई दिल्ली। गुजरात टाइटंस के ऑलराउंडर ग्लेन फिलिप्स आईपीएल 2025 का बाकी सत्र नहीं खेल सकते, क्योंकि उन्हें ग्रोइन इंजरी हुई है। चोट लगने के बाद वे अपने देश लौट गए हैं। यह चोट उन्हें 6 अप्रैल को सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मैच के दौरान लगी, उस मैच में गुजरात टाइटंस ने सात विकेट से जीत दर्ज की थी। मैच में फिलिप्स बतौर फील्डिंग सब्स्टिट्यूट पॉवरप्ले के आखिरी ओवर में मैदान पर आए थे। एक थ्रो फेंकते समय उनकी ग्रोइन मसल्स में खिंचाव आ गया। फिजियो की देखरेख में उन्हें तुरंत मैदान से बाहर ले जाया गया। गुजरात टाइटंस ने कहा, हम ग्लेन की जल्दी ठीक होने की कामना करते हैं। फिलिप्स को पिछले साल की बड़ी नीलामी में 2 करोड़ रुपये के बेस प्राइस पर खरीदा गया था। लेकिन उन्हें इस सीजन एक भी मैच खेलने का मौका नहीं मिला था और चोट के कारण अब वे टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं। फिलहाल यह पता नहीं हैं कि गुजरात टाइटंस उनकी जगह किस खिलाड़ी को मौका देगा। पहले से ही टीम के तेज गेंदबाज कगिसो रबाडा भी निजी कारणों से दक्षिण अफ्रीका लौट चुके हैं। गुजरात टाइटंस के विदेशी खिलाड़ियों में फिलहाल इंग्लैंड के विकेटकीपर-बल्लेबाज जोस बटलर, वेस्टइंडीज के ऑलराउंडर शेरफेन रदरफोर्ड, द.अफ्रीका के तेज गेंदबाज जेराल्ड कोएत्ज़ी और अफगानिस्तान के गेंदबाज ऑलराउंडर राशिद खान व करीम जनत शामिल हैं। शुभमन गिल की कप्तानी में गुजरात टाइटंस ने अब तक 5 मैचों में से 4 में जीत हासिल की है और वे अंक तालिका में पहले स्थान पर हैं।

श्रीकांत ने सीएसके की आलोचना की, पृथ्वी शॉ को मौका देने की दी सलाह

नई दिल्ली। पूर्व भारतीय ओपनर कृष्णमाचारी श्रीकांत ने चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के प्रदर्शन को लेकर कड़ी आलोचना की। शुक्रवार को एमएस धोनी की कप्तानी में खेल रही सीएसके को कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ चेन्नई में 8 विकेट से शर्मनाक हार का सामना करना पड़ा। श्रीकांत ने इस हार को सीएसके की सबसे खराब हारों में से एक बताया और टीम के प्रदर्शन पर सवाल उठाए। 1983 के विश्व कप विजेता टीम के सदस्य रहे श्रीकांत ने पावरप्ले के दौरान सीएसके की बल्लेबाजी की तुलना टेस्ट मैच की रिहर्सल से की। उनका मानना था कि पूरी टीम पुराने खेल के पैटर्न पर चल रही है और अब समय आ गया है कि कुछ नया किया जाए। श्रीकांत ने सुझाव दिया कि सीएसके को पृथ्वी शॉ जैसे अनसोल्ड खिलाड़ियों को मौका देना चाहिए, जो आईपीएल 2025 के मेगा ऑक्शन में अनसोल्ड रह गए थे। श्रीकांत ने अपने ट्वीट में लिखा, यह हार सीएसके की सबसे खराब हारों में से एक। पावरप्ले की बल्लेबाजी टेस्ट मैच की रिहर्सल जैसी लग रही थी। पूरी टीम ऐसा लग रहा है जैसे पुरानी यादों पर चल रही हो। अब कुछ नया सोचने का समय है, क्यों न इस समय पृथ्वी शॉ जैसे अनसोल्ड खिलाड़ियों को आजमाया जाए? क्या आप इसे आजमाएंगे? यहां तक कि अराजकता भी एक रणनीति हो सकती है।'

एमएस धोनी के विवादास्पद आउट होने पर सिद्धू ने उठाए सवाल

नई दिल्ली। आईपीएल 2025 में महेंद्र सिंह धोनी के लिए चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) बनाम कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) मैच निराशाजनक साबित हुआ। इस मुकाबले में सीएसके को बुरी तरह हार का सामना करना पड़ा, और धोनी भी महज एक रन बना कर पवेलियन लौट गए। हालांकि, धोनी के आउट होने पर विवाद की स्थिति भी उत्पन्न हुई, जब अंपायर ने उन्हें एलबीडब्ल्यू करार दिया, लेकिन नवजोत सिंह सिद्धू ने टीवी रीप्ले देखने के बाद साफ तौर पर कहा कि यह नॉटआउट था। कोलकाता नाइट राइडर्स ने चेन्नई सुपर किंग्स को 8 विकेट से करारी शिकस्त दी। सीएसके इस मुकाबले में महज 103 रन बना सकी, जो उनके घरेलू मैदान पर अब तक का सबसे कम स्कोर था। धोनी जब बैटिंग करने आए, तो टीम का स्कोर 6 विकेट पर 71 रन था, और उन्होंने इसे 72 तक पहुंचाया ही था कि वे एक विवादित फैसले का शिकार हो गए। अंपायर ने एमएस धोनी को एलबीडब्ल्यू करार दिया, जब सुनील नारायण की ऑफ स्पिन गेंद ऑफ स्टंप की लाइन में गिरी और लेग स्टंप की ओर बढ़ी। धोनी ने इसे स्क्वेयर लेग पर खेलने की कोशिश की, लेकिन चूक गए और एलबीडब्ल्यू की अपील हुई। धोनी ने बल्ला उठाकर यह दिखाने की कोशिश की कि गेंद बल्ले से टकराई थी, लेकिन अंपायर ने इसे पैड से टकराने का मानते हुए उंगली उठा दी। इसके बाद धोनी ने डीआरएस लिया, और टीवी रीप्ले में दिखा कि जब गेंद बल्ले के पास से गुज़री, तो बारीक स्पाइक्स बन रही थीं। हालांकि, टीवी अंपायर विनोद सेशन ने इसे नॉटआउट नहीं माना और धोनी को आउट करार दिया।

मुझे इस बात पर एक प्रतिशत भी शर्म नहीं आती कि मैं अंग्रेजी नहीं बोल सकता: मोहम्मद रिजवान

स्पोर्ट्स डेस्क मुल्तान सुल्तान्स के कप्तान मोहम्मद रिजवान ने अपनी इंग्लिश पर आलोचनाओं का जवाब देते हुए कहा कि उनका प्राथमिक कर्तव्य पाकिस्तान के लिए क्रिकेट खेलना है। पाकिस्तान को आईसीसी पुरुष चैंपियंस ट्रॉफी 2025 और उसके बाद न्यूजीलैंड के व्हाइट-बॉल दौरा बुरे सपने से कम नहीं रहा जिसमें टीम को करारी हार मिली।

यह मामला तब शुरू हुआ जब ऑस्ट्रेलिया के पूर्व क्रिकेटर ब्रैड हॉग ने वीडियो शेयर किया जिसमें रिजवान जैसे दिखने वाले एक व्यक्ति से बात की। वह व्यक्ति मजाकिया अंदाज में जवाब देता है, 'मैं और विराट एक जैसे हैं। वह पानी पीता है, मैं पानी पीता हूं। हम दोनों एक जैसे हैं, कोई अंतर नहीं है।' हॉग द्वारा रिजवान की अंग्रेजी कौशल की प्रशंसा करने से पहले वह व्यक्ति यह भी कहता है, 'जीतना है या सीखना है।' इसके बाद जवाब आता है, 'हां, पाकिस्तान में हर कोई कहता है कि मेरी अंग्रेजी बहुत अच्छी है।'

कराची किंग्स के खिलाफ मुल्तान सुल्तान्स के क्ष्रु10 अभियान के पहले मैच की तैयारी के लिए यहां एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान विकेटकीपर बल्लेबाज से सोशल मीडिया पर उनकी अंग्रेजी कौशल के लिए ट्रोल किए जाने के बारे में उनके रुख के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि मेरा काम अपने देश के लिए क्रिकेट खेलना है।

रिजवान ने कहा, 'मुझे (सोशल मीडिया ट्रोलिंग) परवाह नहीं है। मुझे एक बात पर गर्व है और वह यह कि मैं जो कुछ भी कहता हूं, दिल से कहता हूं। सर्वशक्तिमान अल्लाह की कृपा से, मुझे अंग्रेजी नहीं आती। एकमात्र अफसोस यह है कि मुझे पर्याप्त शिक्षा नहीं मिली, लेकिन मुझे इस बात पर एक प्रतिशत भी शर्म नहीं है कि मैं पाकिस्तान क्रिकेट टीम का कप्तान होने के बावजूद अंग्रेजी नहीं बोल सकता। मुझसे क्रिकेट की मांग की जा रही है, अंग्रेजी की नहीं। मुझे इस बात का अफसोस है कि मैंने अपनी शिक्षा पूरी नहीं की, जिसकी वजह से मुझे अंग्रेजी बोलने में दिक्कत होती है। अगर ऐसा है तो पाकिस्तान मुझसे अंग्रेजी की मांग नहीं कर रहा है, मैं क्रिकेट छोड़कर प्रोफेसर बन जाऊंगा, लेकिन मेरे पास इतना समय नहीं है।'

संक्षिप्त समाचार

नॉर्थ डकोटा में पाइपलाइन से हजारों गैलन कच्चा तेल बहा

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के नॉर्थ डकोटा के फार्मलैंड में एक भूमिगत पाइपलाइन से कच्चा तेल फैल गया है। पाइपलाइन की मालिक कंपनी साउथ बो ने गुरुवार को बताया कि अब तक हजारों गैलन तेल इकट्ठा कर लिया गया है, लेकिन यह साफ नहीं है कि तेल रिफाइनरियों तक दोबारा कब पहुंचेगा। यह तेल रिसाव मंगलवार को फोर्ट रैनसम के पास हुआ, जो फार्गो शहर से करीब 97 किलोमीटर दूर है। कंपनी के अनुसार, लगभग 3,500 बैरल (यानि करीब 1,47,000 गैलन) कच्चा तेल जमीन पर फैल गया था। अब तक 700 बैरल (करीब 29,400 गैलन) तेल वापस निकाला जा चुका है। हालांकि तेल फैलने के कारणों की जांच अभी जारी है। सफाई और जांच के काम में 200 से ज्यादा लोग लगे हुए हैं। बता दें कि यह पाइपलाइन कनाडा के अल्बर्टा से अमेरिका के इलिनॉय, ओक्लाहोमा और टेक्सस राज्यों में स्थित रिफाइनरियों तक जाती है, जिसकी लंबाई करीब 4,327 किलोमीटर है। कंपनी का कहना है कि जब तक जरूरी सरकारी मंजूरी नहीं मिलती, तब तक पाइपलाइन से तेल भेजना शुरू नहीं किया जाएगा।

म्यांमार में भूकंप के बाद अब डेंगू का प्रकोप, डब्ल्यूएचओ की पुष्टि

नेपीडॉ , एजेंसी। म्यांमार के विनाशकारी भूकंप के बाद, हजारों विस्थापित परिवारों को अब बढ़ते स्वास्थ्य संकट का सामना करना पड़ रहा है, क्योंकि अस्थायी शिविरों में डेंगू के प्रकोप का खतरा तेजी से बढ़ रहा है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने इसकी पुष्टि की है। उसने कहा, स्थानीय स्वास्थ्य अधिकारियों के साथ समन्वय में, संगठन ने देश के कुछ सबसे अधिक प्रभावित क्षेत्रों में तत्काल रोकथाम व नियंत्रण प्रयास शुरू करने के लिए कदम उठाया है। म्यांमार में मांडले और नेपीता समेत कई क्षेत्रों में न सिर्फ भूकंप के चलते संरचनात्मक क्षति हुई है बल्कि अब नाजुक आश्रय स्थलों में बारिश का पानी जमा होने से मच्छरों का प्रकोप बढ़ गया है। मलबे में दबे कई जीवों के सड़ने से उठ रही सड़ांध के चलते भी प्रदूषण बढ़ने के चलते कई तरह की महामारियां फैल रही हैं। यह बीमारी बच्चों और गर्भवती महिलाओं के लिए और भी खतरनाक साबित हो रही है।

बलोचों पर तिलमिलाए मुनीर बोले–पूरी ताकत से करें हमला

रावलपिंडी , एजेंसी। बलूचिस्तान में तेज होती आजादी की मांग और विरोध प्रदर्शमों के बीच पाकिस्तान के सेना प्रमुख जनरल आसिम मुनीर की तिलमिलाहट सामने आई है। रावलपिंडी स्थित जनरल हेडक्वार्टर में 268वें कोर कमांडर कॉन्फ्रेंस की अध्यक्षता करते हुए कहा, अब अगर बलोच खैबर पख्तूनख्वा या फिर बलूचिस्तान में कहीं भी हिंसा करते हैं तो उसका पूरी ताकत के साथ जवाब दिया जाए। मालूम हो कि पिछले करीब दो दशक से बलोच पाकिस्तान से अलगक स्वतंत्र राष्ट्र की मांग कर रहे हैं। साथ ही पाकिस्तान पर मूलभूत सुविधाओं से वंचित करने के आरोप भी लगा रहे हैं। उधर पूर्व पीएम व सत्तारूढ़ पार्टी के अध्यक्ष नवाज शरीफ ने संकटग्रस्त प्रांत के लिए ‘सियासी हल’ का आह्वान किया है। नवाज ने इस संदर्भ में बलूचिस्तान से पूर्व सीएम ड. अब्दुल मलिक बलोच से भी मुलाकात की।

जापान में स्कूल के मैदान पर बिजली गिरने से 5 छात्र घायल

टोक्यो, एजेंसी। गुरुवार को पश्चिमी जापान के नारा शहर में एक स्कूल के खेल मैदान पर अचानक बिजली गिरने से 5 छात्र घायल हो गए। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार ये सभी जूनियर हाई स्कूल के छात्र थे, जो उस समय फुटबॉल की प्रैक्टिस कर रहे थे। बिजली गिरने से एक छात्र बेहोश हो गया, जबकि बाकी चार को भी चोटें आईं। सभी घायलों को तुरंत अस्पताल ले जाया गया। हादसे के समय मौसम खराब था और अचानक आंधी–तूफान के साथ बिजली गिरी।

यूक्रेन में अमेरिका की राजदूत ब्रिजेट ब्रिंक इस्तीफा देंगी

कीव, एजेंसी। यूक्रेन और रूस के बीच शांति समझौते को लेकर कोई फिक्स डेट सामने नहीं आ रहा है। इसी बीच एक बड़ी खबर सामने आ रही है कि अमेरिका की यूक्रेन में राजदूत ब्रिजेट ब्रिंक अपने पद से इस्तीफा देने जा रही हैं। उन्होंने कीव में लगभग तीन साल तक अपनी सेवाएं दीं। यह फैसला ऐसे समय पर आया है जब ट्रंप प्रशासन रूस–यूक्रेन युद्ध खत्म करने के लिए शांति समझौते की कोशिशों में जुटा है। मामले में जानकारी देते हुए अमेरिकी विदेश विभाग ने गुरुवार को बताया कि ब्रिंक जल्द ही अपना पद छोड़ेंगी, हालांकि अभी यह साफ नहीं है कि वह कब तक पद पर रहेंगी। ब्रिंक को पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन के कार्यकाल में यूक्रेन में राजदूत नियुक्त किया गया था।

चीन और उत्तर कोरिया द्वारा रूस को दी जा रही मदद एशिया–प्रशांत क्षेत्र के लिए खतरा

बीजिंग, एजेंसी। अमेरिका के इंडो–पैसिफिक कमान प्रमुख एडमिरल सैमुअल पापारो ने गुरुवार को सीनेट में बताया कि चीन और उत्तर कोरिया द्वारा रूस को यूक्रेन युद्ध में दी जा रही मदद एशिया–प्रशांत क्षेत्र की सुरक्षा के लिए खतरा बन सकती है। पापारो ने बताया कि चीन ने रूस को उसके सैन्य उपकरणों को फिर से तैयार करने में मदद के लिए 70ब मशीन टूल्स और 90ब पुराने चिप्स दिए हैं। इसके बदले में रूस संभवत: चीन को ऐसी तकनीक दे रहा है जिससे उसकी पनडुब्बियां और शांत रूप से चल सकें।

शेख हसीना के करीबी 5 सैन्य अधिकारी नजरबंद: इनमें दो ब्रिगेडियर शामिल

ढाका, एजेंसी। ढाका बांग्लादेश में छात्र आंदोलन में कथित भूमिका को लेकर सेना के 5 अफसरों को नजरबंद किया गया। इनमें ब्रिगेडियर जकारिया हुसैन, ब्रिगेडियर जनरल इमरान, आरएबी से कर्नल अब्दुल्ला अल-मोमेन, बीजीबी के लेफ्टिनेंट कर्नल मोहम्मद रिदवानुल इस्लाम और ईस्ट बंगाल रेजिमेंट से मेजर मोहम्मद नोमान अल फारुक शामिल हैं। इन सभी अधिकारियों को सभी को ढाका कैंटोनमेंट में नजरबंद रखा गया है। इन पर छात्र आंदोलन के दौरान प्रदर्शनकारियों पर गोलीबारी का आदेश देने के आरोप लगाए गए हैं। इन्हें ऐसे वक्त पर नजरबंद किया गया है जब आर्मी चीफ जनरल वकार उज जमान 6 अप्रैल से पांच दिन के रूस दौरे पर गए हुए हैं। अफसरों पर अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण में आरोप लगाए हैं। जनरल हामिद पूर्व पीएम शेख हसीना के एडीसी भी थे। वहीं, भ्रष्टाचार केस में वारंट जारी बांग्लादेश की पूर्व पीएम शेख हसीना की मुश्किलें कम नहीं हो रही हैं। बांग्लादेश की एक कोर्ट ने गुरुवार को भ्रष्टाचार के मामले में पूर्व पीएम शेख हसीना, उनकी बेटी साइमा वाजेद पुतुल व 17 अन्य लोगों के खिलाफ नया गिरफ्तारी वारंट जारी किया है। इन पर धोखाधड़ी के जरिए आवासीय भूखंड हासिल करने का आरोप लगाया गया है।

आरक्षण के खिलाफ आंदोलन ने किया था तख्तापलट : शेख हसीना पिछले साल 5 अगस्त को देश छोड़कर भारत आ गई थीं। दरअसल, उनके खिलाफ देशभर में छात्र प्रदर्शन कर रहे थे। बांग्लादेश में 5 जून को हाईकोर्ट ने जॉब में 30प्रतिशत कोटा सिस्टम लागू किया था, इस आरक्षण के खिलाफ ढाका में यूनिवर्सिटीज के स्टूडेंट्स प्रोटेस्ट कर रहे थे। यह आरक्षण स्वतंत्रता सेनानियों के परिवारों को दिया जा रहा था। हालांकि हसीना सरकार ने यह आरक्षण बाद में खत्म कर दिया था। लेकिन इसके बाद छात्र उनके इस्तीफे की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन करने लगे। बड़ी संख्या में छात्र और आम लोग हसीना और उनकी सरकार के खिलाफ सड़क पर उतर आए। इस प्रोटेस्ट के दो महीने बाद 5 अगस्त को उन्होंने प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था। इसके बाद अंतरिम सरकार की स्थापना की गई।

ट्रंप प्रशासन को झटका, भारतवंशी जज के फैसले से लाखों प्रवासियों की मिली राहत

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन को अमेरिकी कोर्ट की एक भारतवंशी जज ने तगड़ा झटका दिया है। संघीय जज ने गुरुवार को संयुक्त राज्य अमेरिका में रह रहे हजारों क्यूबाई, हैती, निकारागुआ और वेनेजुएला के लोगों की कानूनी संरक्षण देने वाली स्थिति को रद्द करने के फैसले पर रोक लगा दी है। इस फैसले से लाखों प्रवासियों के राहत मिली है। डोनाल्ड ट्रंप के पूर्ववर्ती बाइडेन ने इन प्रवासियों को अमेरिका में दो साल तक रहने की मोहलत दी थी। बोस्टन में यूएस डिस्ट्रिक्ट जज भारतवंशी इंदिरा तलवानी ने ट्रंप प्रशासन को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि होमलैंड सिक्योरिटी का फैसला कानून की गलत व्याख्या पर आधारित था। उन्होंने कहा कि किसी भी कानून के तहत उन लोगों को अमेरिका से निकाला जा सकता है जिन्होंने अवैध रूप से सीमा पार की होज्इसमें उन लोगों को हाथ नहीं लगाया जा सकता जिन्हें सरकार ने पहले से ही दो वर्ष की मोहलत दी हो। बराक ओबामा प्रशासन द्वारा नियुक्त जज तलवानी ने कहा कि अगर प्रशासन इन लोगों पर कार्रवाई करता है। तो वह उन लोगों पर ध्यान नहीं दे रहा जो अवैध रूप से आए हैं.. बल्कि उन लोगों पर निशाना साध रहा है, जिन्होंने नियमों का पालन किया है और जो अभी भी नियमों के अनुसार ही अमेरिका में रह रहे हैं।

मार्टिन लूथर किंग और कैनेडी हत्याकांड के दस्तावेज जल्द होंगे सार्वजनिक : तुलसी गबार्ड

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में मार्टिन लूथर किंग जूनियर और सीनेटर रॉबर्ट एफ कैनेडी की 1968 में हुई हत्याओं से जुड़े गोपनीय दस्तावेज जल्द ही सार्वजनिक किए जा सकते हैं। यह जानकारी अमेरिकी राष्ट्रीय खुफिया निदेशक तुलसी गबार्ड ने दी है। उन्होंने बताया कि इन ऐतिहासिक दस्तावेजों को स्कैन करने के लिए 100 से ज्यादा लोग दिन-रात काम कर रहे हैं।

कैबिनेट बैठक में गबार्ड ने दी जानकारी : गबार्ड ने एक कैबिनेट बैठक में कहा कि ये दस्तावेज दशकों से बक्सों में बंद थे और इन्हें पहले कभी स्कैन नहीं किया गया था। उन्होंने कहा कि हम इन्हें जल्द ही जारी करने के लिए तैयार हो जाएंगे। बैठक में मौजूद स्वास्थ्य सचिव और रॉबर्ट एफ कैनेडी के बेटे, रॉबर्ट एफ कैनेडी जूनियर ने इस कदम का स्वागत किया और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को इसके लिए धन्यवाद दिया। हालांकि ट्रंप ने भी इस मामले में जोर देते हुए कहा कि हम सब कुछ सार्वजनिक करना चाहते हैं, क्योंकि दुनिया को सच्चाई जानने का हक है। बता दें कि ट्रंप ने जनवरी में अमेरिका के राष्ट्रपति का पद संभालने के साथ ही एक कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर किए थे, जिसमें हत्याओं से संबंधित सरकारी दस्तावेजों को जारी करने का आह्वान किया गया था।

अन्य दस्तावेजों की भी हो रही जांच : गबार्ड ने बताया कि एक विशेष टास्क फोर्स भी बनाई गई है, जो यह तय करेगी कि क्या कोविड-19 की उत्पत्ति, ऑनलाइन भाषण पर नियंत्रण और हवाना सिंड्रोम जैसे अन्य महत्वपूर्ण मुद्दों से जुड़े दस्तावेज भी सार्वजनिक किए जाएं। इसको लेकर गबार्ड ने बताया कि एफबीआई, सीआईए और अन्य एजेंसियों के गोपनीय दस्तावेजों की भी जांच की जा रही है, ताकि और जानकारी मिल सके। गौरतलब है कि मार्टिन लूथर किंग जूनियर की 4 अप्रैल 1968 को टेनेसी के मेम्फिस में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी।

‘ट्रेड वॉर से किसी को फायदा नहीं’, यूएस टैरिफ का ब्रिटेन और जापान के प्रधानमंत्रियों ने जताया विरोध

लंदन , एजेंसी। ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने जापानी प्रधानमंत्री शिगेरु इशिबा से बात की। दोनों नेता इस बात पर सहमत हुए कि ट्रेड वॉर से किसी को फायदा नहीं होगा। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के मुताबिक, यह बैठक ऐसे समय में हुई, जब अमेरिका ने अधिकांश देशों पर 10 प्रतिशत का टैरिफ लगाया है। इसके साथ ही स्टील, एल्यूमीनियम और कार के पार्ट्स पर 25 प्रतिशत का आयात टैरिफ लगाया हुआ है। अमेरिका के नए और विवादास्पद टैरिफ सेट ने हाल के हफ्तों में तनाव बढ़ा दिया है, जिसने वैश्विक बाजारों को बुरी तरह प्रभावित किया है। अमेरिका की तरफ से लगाए गए टैरिफ पर अन्य देशों की भी तीखी प्रतिक्रिया आई हैं। अर्थशास्त्रियों और निवेशकों की ओर से इस फैसले की आलोचना की गई है। फाइनेंशियल टाइम्स की एक रिपोर्ट के अनुसार, ब्रिटिश पीएम स्टार्मर ने पहले स्वीकार किया था कि यह संभावना नहीं है कि अमेरिका सभी ब्रिटिश आयातों पर नया 10 प्रतिशत टैरिफ हटाएगा। प्रधानमंत्री, अमेरिकी राष्ट्रपति को ब्रिटिश कारों पर लगे 25 प्रतिशत टैरिफ को हटाने के लिए मनाने की कोशिश कर रहे हैं। ब्रिटिश अर्थशास्त्रियों ने चेतावनी दी है कि बढ़ती अनिश्चितता, कमजोर निर्यात और बढ़ती लागत से देश के प्रमुख क्षेत्रों में विकास और रोजगार पर असर पड़ने की संभावना है।

रूस में देशद्रोह की सजा काट रही अमेरिकी महिला रिहा

अबु धावी, एजेंसी। रूस ने देशद्रोह के आरोप में 12 साल की सजा काट रही रूसी-अमेरिकी नागरिक कसेनिया कैरिलिना को रिहा कर दिया है। कसेनिया पर यूक्रेन की मदद के लिए 50 डॉलर का चंदा देने का आरोप था। उन्हें पिछले साल रूस में गिरफ्तार कर सजा सुनाई गई थी। कसेनिया के बदले में अमेरिका ने जर्मन-रूसी नागरिक और कथित तस्कर आर्थर पेत्रोव को छोड़ा है, जो अमेरिका में सैन्य उपकरणों की तस्करी और मनी लॉन्ड्रिंग जैसे आरोपों में बंद था। पेत्रोव पर अमेरिका में बनी माइक्रो-इलेक्ट्रॉनिक्स को रूस में तस्करी करने का आरोप है। इनका इस्तेमाल रूसी सेना के लिए हथियार बनाने में होता था। कसेनिया की रिहाई की पुष्टि अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने की और बताया कि वह अमेरिका के लिए रवाना हो चुकी हैं। यह कैदियों की अदला-बदली गुरुवार को अबू धाबी में हुई। इसकी पुष्टि संयुक्त अरब अमीरात (‹श्च) ने भी की है।

दादी से मिलने रूस आई थी कसेनिया : कसेनिया को पिछले साल फरवरी में रूसी शहर येकातेरिनबर्ग से गिरफ्तार किया गया था। यह मॉस्को से 1600 किमी दूर पूर्व में स्थित है। यहां वह अपनी दादी से मिलने आई थी। शादी से पहले उसका नाम कसेनिया कैरिलिना था। उस पर पिछले साल ट्रायल चला था, जिसमें उसे दोषी ठहराया गया। यूक्रेन से जुड़ी एक चैरिटी संस्था रजोम को 50 डॉलर (करीब 4200 रुपए) चंदा दिया था। महिला का नाम कसेनिया खवाना (33) है। उसके पास अमेरिकी नागरिकता है। कोर्ट में कसेनिया पर आरोप लगा कि उसने यूक्रेनी संगठन को पैसे दिए जो यूक्रेनी सेना को हथियार और गोला-बारूद खरीदने में मदद करती है।

फोन जब्त हुआ तो पकड़ में आई : कसेनिया के वकील के मुताबिक उन्होंने पैसे ट्रांसफर करने की गलती मानी थी, लेकिन उसे नहीं पता था कि ये संस्था यूक्रेनी सेना को पैसा भेजती है जिसका इस्तेमाल रूस के खिलाफ होता है। उसे कहा गया था कि इस फंड का इस्तेमाल रूस-यूक्रेन जंग के पीड़ितों को मदद पहुंचाने में होगा।

कसेनिया पूर्व बैले डांसर है। उसने एक अमेरिकी नागरिक से शादी की और अमेरिका जाने के बाद 2021 में वहां की नागरिकता ले ली। कसेनिया जनवरी 2024 में रूस पहुंची थी। अमेरिका से आने की वजह से पुलिस ने उसका फोन जब्त कर लिया गया था। पुलिस को फोन में फंडिंग का सबूत मिला। वह अमेरिकी वापस लौटने वाली थी, लेकिन इससे पहले ही उसे गिरफ्तार कर लिया गया। उन पर देशद्रोह का मुकदमा चलाकर 12 साल की सजा सुनाई गई। रूस-अमेरिका ने पिछले साल भी रिहा किए कैदी रूस और अमेरिका ने पिछले साल अगस्त में भी कैदियों की अदला-बदली की थी। इस डील को तुर्किये की राजधानी अंकारा में कराया गया। इसके तहत अमेरिका, रूस और जर्मनी सहित 7 देशों की जेलों में कैद 26 कैदी रिहा किए गए थे। इसे शीत युद्ध के बाद से अब तक की सबसे बड़ी माना गया था। इनमें से 2 नाबालिग सहित 10 कैदियों रूस भेजा गया। वहीं 13 कैदियों को जर्मनी और 3 कैदी अमेरिका भेजे गए थे। 2022 से अमेरिका और रूस की बीच कैदियों की अदला-बदली से जुड़ी ये तीसरी डील थी। इससे पहले अप्रैल 2022 और दिसंबर 2022 में दोनों देश के बीच कैदियों की अदला-बदली हुई थी।

अमेरिका: मैनहट्टन के पास हडसन नदी में हेलिकॉप्टर क्रैश, पायलट समेत 6 लोगों की मौत

मैनहट्टन, एजेंसी। अमेरिका के मैनहट्टन में गुरुवार को हडसन नदी में एक हेलिकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिसमें सवार सभी छह लोगों की मौत हो गई. स्थानीय मीडिया ने अधिकारियों के हवाले से जानकारी देते हुए बताया कि यह दुर्घटना लोअर मैनहट्टन और जर्सी सिटी के बीच हुई, जिससे दोनों ओर बड़े पैमाने पर आपातकालीन प्रतिक्रिया शुरू हो गई. न्यूयॉर्क के मेयर एरिक एडम्स ने बताया कि एक पर्यटक हेलिकॉप्टर हडसन नदी में क्रैश हो गया, जिसमें सवार तीन बच्चों सहित सभी छह लोगों की मौत हो गई. मृतकों में पायलट और स्पेन के एक परिवार के पांच यात्री शामिल हैं. न्यूयॉर्क हेलिकॉप्टर्स टूर विमान दोपहर 2:59 बजे रवाना हुआ और बाद में नियंत्रण खो बैठा. दोपहर करीब 3:15 बजे लोअर मैनहट्टन के पास नदी में क्रैश हो गया और डूब गया. न्यूयॉर्क पुलिस विभाग ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर जानकारी साझा करते हुए कहा, हडसन नदी में वेस्ट साइड हाईवे और स्प्रिंग स्ट्रीट के पास एक हेलिकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त हो गया है. क्षेत्र में आपातकालीन वाहन और यातायात जाम की संभावना है. हादसा

स्थानीय समयानुसार दोपहर लगभग 3:15 बजे पियर 40 के पास, वेस्ट ह्यूस्टन स्ट्रीट और वेस्ट स्ट्रीट के मिलन स्थल के पास हुआ. न्यूयॉर्क सिटी फायर डिपार्टमेंट के अनुसार, उन्हें 3:17 बजे एक कॉल प्राप्त हुई जिसमें हेलिकॉप्टर के पानी में गिरने की सूचना दी गई. इसके बाद राहत एवं बचाव दल तुरंत मौके पर पहुंचा. सोशल मीडिया पर साझा किए गए वीडियो में बेल 206 मॉडल का हेलिकॉप्टर उल्टा और लगभग पूरी तरह से पानी में डूबा हुआ दिखाई दे रहा है. कई रेस्क्यू बोट्स हेलिकॉप्टर के चारों ओर मंडराती नजर आई. यह हादसा हॉलैंड टनल के एक वेंटिलेशन टावर के पास स्थित लंबे मेंटेनेंस पियर के अंत में हुआ. मौके पर कई आपातकालीन वाहन, फायर ट्रक सहित, सायरन के साथ तैनात थे, और बचावकर्मी घटनास्थल पर राहत कार्य में जुटे हुए थे. गौरतलब है कि न्यूयॉर्क सिटी में इससे पहले भी कई हवाई दुर्घटनाएं हो चुकी हैं. वर्ष 2009 में एक छोटे विमान और एक सैर कराने वाले हेलिकॉप्टर के बीच हडसन नदी के ऊपर टक्कर में नौ लोगों की मौत हो गई थी. वहीं, 2018 में ईस्ट रिवर में एक ओपन डोर चार्टर्ड हेलिकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त हो गया था।

इस्राइली सेना ने 10 और फलस्तीनियों को किया रिहा, उम्मीद में बैठे परिजनों में दौड़ी खुशी की लहर

गाजा, एजेंसी। गाजा में जारी भीषण संघर्ष के बीच इस्राइली सेना ने गुरुवार को गाजा से हिरासत में लिए गए 10 फलस्तीनियों को रिहा कर दिया। इन सभी को एक बस के जरिए गाजा के मध्य शहर देइर अल-बलाह के अस्पताल लाया गया, जहां कई सप्ताहों से इंतजार में बैठ इन फलस्तीनियों के परिजनों में खुशी की लहर दौड़ पड़ी। रिहा किए गए लोगों ने बताया कि हिरासत में उनके साथ बहुत बुरा व्यवहार हुआ। साथ ही कुछ ने यह भी कहा कि उन्हें कई दिनों तक बिना किसी कारण के बंद रखा गया। बता दें कि इस्राइल ने 7 अक्तूबर 2023 को हमास के हमले के जवाब में गाजा में सैन्य अभियान शुरू किया था। इसके बाद से अब तक हजारों फलस्तीनियों को हिरासत में लिया जा चुका है। हालांकि, बीच-बीच में कुछ लोगों को रिहा भी किया गया है। जहां मार्च के मध्य में जब युद्धविराम टूटा और लड़ाई फिर से शुरू हुई, तब से यह पहली बार है जब इस्राइल ने बंदियों को रिहा किया है। रिहा हुए सभी लोग साधारण ग्रे रंग की स्वेटपैंट और शर्ट पहने हुए थे। अपने पिता से मिलकर विलख पड़ी माराह अयूब रिहा हुए इन 10 फलस्तीनियों में एक कैदी फैज अयूब के अस्पताल पहुंचते ही उनकी बेटी माराह अयूब विलख पड़ी। उन्होंने रोते हुए कहा कि मैं अपने पिता हर पल हमने आपकी रिहाई का इंतजार किया। जब भी कोई रिहा होता था हम बस यही पूछते थे, क्या

मेरे पापा भी आए हैं?, साथ ही फैज के बेटी माराह ने यह भी कहा कि इस्राइली सैनिकों ने उनके पिता को उस समय पकड़ लिया था जब वे गाजा के कमाल अदवान अस्पताल से डिस्चार्ज हुए थे। उस समय उनकी श्रोणि और रीढ़ की हड्डी टूट चुकी थी।

हमें ठीक से सोने नहीं दिया गया- फैज : इसके अलावा फैज ने अपने साथ हुए व्यवहार को लेकर बताया कि उन्हें 6 नवंबर को पकड़ा गया था। इन 156 दिन उनके लिए बहुत बुरे रहे। उन्होंने कहा कि हर दिन हमारे साथ दुर्व्यवहार होता था। हमें ठीक से सोने नहीं दिया जाता था। हालांकि मामले में अभी तक इस्राइली सेना की ओर से किसी भी प्रकार की टिप्पणी नहीं की गई है। वहीं जेल प्रशासन का कहना है कि वे कानून के अनुसार काम करते हैं और किसी भी शिकायत की जांच की जाती है।

अब पाकिस्तान ने रद्द कर दी वायरल चायवाले की नागरिकता

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के राष्ट्रीय डेटाबेस और पंजीकरण प्राधिकरण (नादरा) ने सोशल मीडिया पर वायरल हुए मशहूर चायवाला अरशद खान की नागरिकता को निलंबित कर दिया है। अरशद खान 2016 में अपनी नीली आंखों और आकर्षक तस्वीर के कारण अंतरराष्ट्रीय सुर्खियों में आए थे। लेकिन अब वह अपनी पहचान और नागरिकता को लेकर कानूनी लड़ाई लड़ रहे हैं। इस कार्रवाई के तहत उनका कम्प्यूटरीकृत राष्ट्रीय पहचान पत्र (सीएनआईसी) और पासपोर्ट को ब्लॉक कर दिया गया है, जिसके बाद उन्होंने लाहौर उच्च न्यायालय (एलएचसी) का दरवाजा खटखटाया है।

क्या है पूरा मामला : अरशद खान ने अपनी याचिका में दावा किया है कि नादरा और पासपोर्ट विभाग ने उनकी नागरिकता को बिना किसी ठोस सबूत के निलंबित कर दिया। उनके वकील, बैरिस्टर उमर इजाज गिलानी ने कोर्ट में तर्क दिया कि अरशद का परिवार लंबे समय से पाकिस्तान में रहता आया है और उनकी नागरिकता का इतिहास दर्ज है। फिर भी, नादरा ने उनसे 1978 से पहले के निवास का सबूत मांगा, जिसे वकील ने दुर्भावनापूर्ण और गैर-कानूनी करार दिया। गिलानी ने कहा, अरशद खान पाकिस्तानी सपने का प्रतीक हैं, जो एक साधारण चायवाले से वैश्विक पहचान तक पहुंचे। नादरा का यह कदम उनकी प्रतिष्ठा और आजीविका को नुकसान पहुंचा रहा है।

कोर्ट ने मांगा जवाब : लाहौर उच्च न्यायालय ने इस मामले में केंद्र सरकार, नादरा और इमिग्रेशन विभाग को नोटिस जारी किया है। कोर्ट ने 17 अप्रैल को सभी संबंधित पक्षों को पूरी जानकारी के साथ पेश होने का आदेश दिया है। सुनवाई के दौरान अरशद के

वकील ने नादरा के फैसले को नेशनल डेटाबेस एंड रजिस्ट्रेशन अथॉरिटी अधिनियम, 2000 की धारा 18 का उल्लंघन बताया। उनका कहना था कि यह कार्रवाई बिना किसी कानूनी आधार के की गई है।

अरशद का सफर : अरशद खान की कहानी किसी फिल्मी स्क्रिप्ट से कम नहीं है। अरशद खान, जिन्हें चायवाला के नाम से जाना जाता है, वह पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के रहने वाले हैं, और उनकी जड़ें मरदान क्षेत्र से जुड़ी हैं, जोकि पेशावर के पास स्थित एक बडा शहर है। 2016 में, जब वह इस्लामाबाद के एक बाजार में चाय बेच रहे थे, उनकी एक तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल हो गई। उनकी नीली आंखों और सौम्य चेहरे ने दुनिया भर में लोगों का ध्यान खींचा। रातोंरात मशहूर होने के बाद उन्हें मॉडलिंग और अभिनय के ऑफर मिले। 2020 में, अरशद ने इस्लामाबाद में कैफे चायवाला नाम से अपना खुद का कैफे खोला, जो ट्रक कला और पाकिस्तानी संस्कृति से प्रेरित है। हाल ही में उन्होंने शार्क टैंक पाकिस्तान में 1 करोड़ रुपये की फंडिंग भी हासिल की थी, जिससे उनका ब्रांड लंदन तक पहुंच गया।

नागरिकता निलंबन का असर : अरशद ने कोर्ट में कहा कि उनकी पहचान पत्र और पासपोर्ट के ब्लॉक होने से उनकी रोजगार और व्यापारिक संभावनाएं प्रभावित हुई हैं। उनकी सामुदायिक प्रतिष्ठा को भी ठेस पहुंची है। उनके समर्थकों का मानना है कि यह कार्रवाई उनकी सफलता से जलन का नतीजा हो सकती है। वहीं, नादरा का कहना है कि अरशद ने नागरिकता के सबूत पेश नहीं किए, जिसके आधार पर यह कदम उठाया गया।

आगे क्या : अब सभी की नजरें लाहौर उच्च न्यायालय के अगले कदम पर टिकी हैं। यह मामला न केवल अरशद खान की निजी लड़ाई है, बल्कि पाकिस्तान में नागरिकता और पहचान के मुद्दों पर भी सवाल उठा रहा है। अरशद के प्रशंसक सोशल मीडिया पर उनके समर्थन में उतर आए हैं और इसे एक अन्यायपूर्ण कदम बता रहे हैं। कोर्ट का फैसला न केवल अरशद के भविष्य को तय करेगा, बल्कि यह भी संदेश देगा कि क्या सपनों को हकीकत में बदलने की राह इतनी आसान है।

अंबेडकर प्रतिमा पर बवाल, पथराव में महिला इंस्पेक्टर समेत 6 घायल

-हिंसा बढ़ती देख पुलिस ने छोड़े आंसू गैस के गोले, भारी फोर्स और पीएसी तैनात

लखनऊ. (एजेंसी)। राजधानी लखनऊ के बख्शी का तालाब (बीकेटी) थाना क्षेत्र के मवई खातरी गांव में शनिवार को डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा को लेकर विवाद हिंसक हो गया। विवाद ने उस वक्त तूल पकड़ लिया जब पुलिस की समझाइश को न मानते हुए ग्रामीणों ने पथराव शुरू कर दिया। इस हिंसक घटना में महिला इंस्पेक्टर मेनका सिंह सहित 6 लोग घायल हो गए। गांव के एक पक्ष ने प्राथमिक स्कूल के सामने ग्राम समाज की जमीन पर 3 दिन पहले अंबेडकर की मूर्ति स्थापित कर दी थी। इसका गांव के दूसरे पक्ष ने विरोध किया, जिसके बाद दोनों पक्षों में तनाव बढ़ गया। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची, लेकिन समझाने की कोशिश असफल रही और प्रदर्शनकारियों ने पथराव शुरू कर दिया।

पथराव और पुलिस की जवाबी कार्रवाई

घटना दोपहर करीब 2 बजे की है। जैसे ही हालात बेकाबू हुए, पुलिस ने आंसू गैस के 5 गोले छोड़े और प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने की कोशिश की। पथराव में जहां कई पुलिसकर्मी घायल हुए, वहीं महिला इंस्पेक्टर को सिर पर गंभीर चोटें आईं हैं। उन्हें और अन्य घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए बीकेटी, इटौंजा, महिगवा, मड़ियांव और महिला थाने की पुलिस के साथ-साथ पीएसी की टुकड़ियां भी मौके पर तैनात कर दी गई हैं। फिलहाल गांव में तनावपूर्ण शांति है और अतिरिक्त फोर्स हालात पर नजर बनाए हुए है।

मुर्शिदाबाद में फिर भड़की हिंसा, हिंदू देवी-देवताओं की मूर्तियां बनाने वाले पिता-पुत्र की हत्या

मुर्शिदाबाद (एजेंसी)। वक्फ कानून के विरोध में पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में शनिवार को फिर हिंसा भड़क गई। हिंसक भीड़ ने पीट-पीटकर पिता-बेटे की हत्या कर दी। मारे गए पिता-पुत्र की पहचान हरगोबिंद और चंदन दास के रूप में हुई है। दोनों हिंदू देवी-देवताओं की मूर्तियां बनाते थे। वहीं, गोली लगने से एक अन्य घायल हो गया। हिंसा धुलियान में हुई। एडीजी (लॉ एंड ऑर्डर) जावेद शमीम ने बताया कि घटना का ब्यौरा अभी उपलब्ध नहीं है। गोली पुलिस की ओर से नहीं चली है, बीएसएफ की ओर से हो सकता है। ये शुरुआती जानकारी है। घायल खतरे से बाहर है। वहीं, मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने प्रदर्शनकारियों से कहा कि वक्फ कानून राज्य में लागू नहीं किया जाएगा। कानून केंद्र ने बनाया है, इसलिए जो जवाब आप चाहते हैं, वह केंद्र से मांगा जाना चाहिए। मेरी अपील है कि शांत रहें। सबकी जान कीमती है, राजनीति के लिए दंगे न भड़काएं। मुर्शिदाबाद में निषेधाज्ञा लागू कर दी गई है और इंटरनेट सेवाएं निलंबित कर दी गई हैं, जहां हिंसा हुई थी। अधिकारी ने कहा कि सुती और समसेरगंज इलाकों में गश्त जारी है। किसी को भी कहीं भी इकट्ठा होने की अनुमति नहीं है। कानून और व्यवस्था की स्थिति को बाधित करने के किसी भी प्रयास की अनुमति नहीं दी जा रही है। उन्होंने लोगों से सोशल मीडिया पर अफवाहों पर ध्यान न देने की अपील की गई है। पुलिस ने बताया कि सुती में झड़प के दौरान कथित पुलिस गोलीबारी में घायल हुए एक किशोर को कोलकाता के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बीजेपी ने ममता सरकार की आलोचना कर कहा कि अगर वह स्थिति को संभालने में असमर्थ है, तब केंद्र से सहायता मांगनी चाहिए। शुभेंदु अधिकारी ने कहा कि यह विरोध का कार्य नहीं था, बल्कि हिंसा का एक पूर्वनियोजित कार्य था, जो अपने प्रभुत्व का दावा करने और हमारे समाज के अन्य समुदायों में भय पैदा करने के लिए अराजकता फैलाना चाहते हैं।

बीजापुर के जंगलों में सुरक्षा बल और माओवादियों के बीच मुठभेड़

बीजापुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में सुरक्षा बलों और माओवादियों के बीच इंद्रावती नदी से सटे जंगलों में मुठभेड़ शुरू हुई। पुलिस अधिकारियों ने इसकी पुष्टि कर बताया कि मुठभेड़ में माओवादियों को भारी नुकसान होने की खबर है। सर्च अभियान अभी भी जारी है। पुलिस के अनुसार, माओवादियों की मौजूदगी की सूचना मिलने पर सुरक्षा बलों की संयुक्त टीम माओवादी विरोधी अभियान के लिए निकली थी। बीजापुर के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (एएसपी) चंद्रकांत गवर्ना ने बताया, हमारी टीमें पूरी सतर्कता के साथ अभियान चला रही हैं। मुठभेड़ में नक्सलियों को नुकसान पहुंचा है, लेकिन अभी सटीक जानकारी नहीं मिली है। उन्होंने कहा कि सुरक्षा बलों की ओर से किसी नुकसान की खबर नहीं है। यह मुठभेड़ उन जंगली इलाकों में हुई, जो माओवादियों का गढ़ माने जाते हैं। बीजापुर में पिछले कुछ महीनों से सुरक्षा बलों ने नक्सल विरोधी अभियानों को तेज किया है, जिससे माओवादी संगठनों को काफी नुकसान हुआ है। वहीं लोगों का कहना है कि इन अभियानों से क्षेत्र में शांति और सुरक्षा बढ़ रही है। पुलिस का कहना है कि सर्च अभियान के बाद मुठभेड़ से जुड़ी सारी जानकारी साझा होगी। माओवादियों के पास से हथियार और अन्य सामग्री बरामद होने की भी संभावना है। पिछले कुछ दिनों से नक्सल विरोधी अभियान में सुरक्षाबलों को काफी सफलता मिली है। इसका ही नतीजा है कि आठ अप्रैल को बीजापुर में नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया था, जिसमें 6 महिला नक्सली भी शामिल थीं। आत्मसमर्पण करने वाले इन नक्सलियों पर कुल 26 लाख रुपये का इनाम घोषित किया गया था।

महिला की हत्या कर नीले ड्रम में टुकड़े, पुलिस में हड़कंप...फिर हुआ क्या

प्रयागराज (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मेरठ में हुआ सौरभ हत्याकांड अभी तक चर्चा में है। वहीं इसतरह का एक और मामला सामने आया है। दरअसल, यूपी पुलिस को फोन कर बताया कि एक महिला की हत्या कर उसके 15 टुकड़े कर नीले ड्रम में भर दिए गए। यूपी 112 पुलिस को एक नंबर से कॉल आया। कॉलर ने कहा, हैलो सर! एक महिला की हत्या के बाद उसके 15 टुकड़े कर ड्रम में सील कर दिए। यह घटना बलीपुर गांव में हुई है। यहां पर एक महिला की हत्या कर दी गई और फिर उसके शव के 15 टुकड़े किए गए। उसके बाद नीले रंग के ड्रम में डालकर सीमेंट से सील कर दिया गया। यह सुनते ही पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया और पुलिस फौरन गांव में पहुंची।

राजनीतिक समीकरणों के बीच अमित शाह का महाराष्ट्र दौरा: महायुति की कलह पर निगाहें

रायगढ़ (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह इस समय महाराष्ट्र के दो दिवसीय दौरे पर हैं। शनिवार को उनका मुख्य कार्यक्रम छत्रपति शिवाजी महाराज की 345वीं पुण्यतिथि पर रायगढ़ किले में श्रद्धांजलि अर्पित करने का है, लेकिन यह यात्रा केवल सांस्कृतिक नहीं, बल्कि गहराई से राजनीतिक भी मानी जा रही है, खासकर जब राज्य में महायुति गठबंधन के भीतर खटास चल रही है।

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के रायगढ़ किले पर छत्रपति शिवाजी महाराज की समाधि पर पुष्पांजलि अर्पित करने से लेकर शिवाजी महाराज की माता जीजामाता के स्मारक पर भी जाने और श्रद्धांजलि अर्पित करने को विशेष राजनीतिक दृष्टि से देखा जा रहा है। रायगढ़ किला, जो मराठा साम्राज्य की राजधानी रहा, मराठा गौरव का प्रतीक है, और इस दौरे का सांस्कृतिक महत्व भी अपार है।

तटकरे के घर पर भोजन: सियासी संदेश?

सबसे दिलचस्प पहलू है गृह मंत्री का राकांपा नेता और रायगढ़ से सांसद सुनील तटकरे के आवास पर भोजन का कार्यक्रम। तटकरे ने अमित शाह को व्यक्तिगत निमंत्रण दिया था, जिसे उन्होंने स्वीकार कर लिया। यह राजनीतिक गलियारों में संकेत माना जा रहा है कि महायुति में दरारों को भरने की कोशिशें चल रही हैं।

दरअसल एकनाथ शिंदे ने कुछ माह पहले अदिति तटकरे (सुनील तटकरे की बेटी) को रायगढ़ का संरक्षक मंत्री बनाए जाने का विरोध किया था। इसके बाद देवेंद्र फडणवीस ने रायगढ़ और नासिक की नियुक्तियों पर रोक लगा दी थी। यह घटनाक्रम गठबंधन के भीतर सामंजस्य की कमी और आपसी अविश्वास को उजागर करता है।

यहां बताते चलें कि केंद्रीय मंत्री अमित शाह की पहचान एक मास्टर स्ट्रैटजिस्ट के रूप में रही है। उनके दौरे का प्रतीकात्मक और रणनीतिक दोनों महत्व है। वे न सिर्फ मराठा जनता के गौरव को सम्मान दे रहे हैं, बल्कि रायगढ़ में रहकर यह संदेश दे रहे हैं कि भाजपा अब भी गठबंधन को संगठित रखने में सक्षम है।

ऐसे में राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि शाह का यह दौरा शिवाजी महाराज की पुण्यतिथि से जुड़ा ज़रूर है, लेकिन गठबंधन में नई ऊर्जा फूंकने और तनाव कम करने की कोशिश भी है। अमित शाह की मौजूदगी से संभव है कि रायगढ़ में अदिति तटकरे को लेकर जो असहमति थी, उस पर समाधान निकले।

सुरक्षित सेल में आत्महत्या निगरानी के तहत रखा गया तहव्वुर राणा को

नई दिल्ली। 26/11 मुंबई आतंकी हमले के मास्टरमाइंड तहव्वुर राणा को राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) मुख्यालय के भीतर अत्यधिक सुरक्षित सेल में आत्महत्या निगरानी के तहत रखा गया है। 64 वर्षीय राणा से साजिश की गहरी परतों को उजागर करने के लिए गहन पूछताछ की गई, क्योंकि एनआईए ने एक विशेष अदालत को बताया कि उन्हें संदेह है कि वह इसी तरह के बड़े पैमाने पर हमलों के साथ अन्य भारतीय शहरों को भी निशाना बनाने की योजना बना रहा था।

राणा वर्तमान में 24/7 मानव और सीसीटीवी निगरानी में है। रिपोर्ट के अनुसार, एजेंसी के सूत्र ने कहा कि राणा को ग्राउंड फ्लोर पर खुफिया सेल में रखा गया है। आतंकी राणा को लिखने के लिए केवल सॉफ्ट-टिप पेन की अनुमति होगी ताकि वह खुद को नुकसान न पहुंचा सके। जांच एजेंसी द्वारा राणा से की जाने वाली पूछताछ में भारत में स्लीपर सेल के साथ उसकी संलिप्तता के अलावा आईएसआई के साथ उसके संबंधों, खासकर उसके सहयोगी डेविड कोलमैन हेडली उर्फ दाउद गिलानी से जुड़े लोगों पर ध्यान केंद्रित करने की उम्मीद है। एजेंसी सूत्रों ने बताया कि हेडली ने राजस्थान के पुष्कर, दिल्ली, गोवा और देश भर के अन्य स्थानों पर स्लीपर सेल की भर्ती करने का संदेह है। एनआईए ने कहा कि आपराधिक षड्यंत्र के तहत आरोपी संख्या एक डेविड कोलमैन हेडली ने अपनी भारत यात्रा से पहले पूरी साजिश पर राणा से बात की थी।

गिरिराज को दिखा बंगाल में डर का माहौल, बोले- क्या सीएम चाहती हैं कि हिंदू राज्य छोड़ दें?

पटना (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में हाल ही में भड़की हिंसा के बाद राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप का दौर चल पड़ा है। इसी कड़ी में केंद्रीय मंत्री और भाजपा नेता गिरिराज सिंह ने शनिवार को पश्चिम बंगाल की स्थिति को लेकर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि राज्य में हिंदू समुदाय डर के साए में जी रहा है और यह स्थिति देश के लिए गंभीर चिंता का विषय बनती जा रही है। मीडिया से एक बातचीत के दौरान केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा, कि क्या ममता बनर्जी चाहती हैं कि हिंदू बंगाल छोड़ दें? उन्हें केवल एक वर्ग का वोट बैंक दिखाई देता है, जबकि उनकी जिम्मेदारी पूरे राज्य के नागरिकों की सुरक्षा करना है। उन्होंने यह भी कहा, जब रक्षक ही भक्षक बन जाएं, तो जनता की रक्षा कौन करेगा? जो कुछ बंगाल में हो रहा है, वह संविधान और लोकतंत्र दोनों के लिए खतरे की घंटी है।

तेजस्वी पर भी साधा निशाना

केंद्रीय मंत्री गिरिराज ने बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव पर भी हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि तेजस्वी बिहार में सत्ता में आने से पहले ही लोगों को डराने की राजनीति कर रहे हैं। उन्होंने कहा, तेजस्वी कहते हैं कि वे सत्ता में आए तो बंगाल जैसी स्थिति बिहार में पैदा करेंगे। क्या यह लोकतंत्र है? गिरिराज सिंह ने कहा कि जनता अब जागरूक है और ऐसे नेताओं को पहचानती है जो समाज को बांटने की कोशिश करते हैं। उन्होंने ममता बनर्जी और तेजस्वी यादव दोनों से अपनी संवैधानिक जिम्मेदारी निभाने और समाज में शांति बनाए रखने की अपील की।

गिरिराज सिंह के इस बयान से एक बार फिर पश्चिम बंगाल की राजनीति में धर्म और सुरक्षा का मुद्दा गरमा गया है। विपक्ष जहां ममता सरकार को कटघरे में खड़ा कर रहा है, वहीं राज्य सरकार और उनके समर्थक इसे राजनीतिक साजिश करार दे रहे हैं।

राहुल गांधी का सिस्टम पर हमला, काबिल युवा 'अन्याय के चक्रव्यूह' में फंसे हुए

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कपड़ा और फैशन कारोबार में बहुजनों की उपेक्षा का मुद्दा उठाकर कहा कि इस क्षेत्र में बहुजन समुदाय का न प्रतिनिधित्व है, न ही उनके पास शिक्षा और नेटवर्क की पहुंच है। उन्होंने मुद्दे को समाज में व्याप्त सामाजिक असमानताओं और अन्याय के संदर्भ में बताया। उनका कहना था कि इस स्थिति में काबिल युवाओं को भी उचित मौके नहीं मिल पाते।

दरअसल राहुल गांधी ने अपनी हालिया यात्रा के दौरान एक कपड़ा डिजाइन फैक्ट्री का दौरा किया था। इस दौरे की वीडियो क्लिप उन्होंने अपने सोशल मीडिया अकाउंट 'एक्स' पर साझा की। वीडियो में उन्होंने फैक्ट्री से जुड़े एक व्यक्ति से की गई बातचीत का जिक्र किया। राहुल ने बताया कि फैक्ट्री में काम कर रहे व्यक्ति ने कहा था, मैं आज तक कपड़ा डिजाइन के उद्योग में किसी ओबीसी (अवधि में पिछड़ा वर्ग) से नहीं मिला। यह बात उस युवा व्यापारी ने मुझसे कही, जो कि अपनी कड़ी मेहनत और हुनर के दम पर इस क्षेत्र में अपनी पहचान बनाई है।

राहुल गांधी ने कहा कि इस युवा के पास सुई और धागे से काम करने का अद्भुत हुनर था, लेकिन उसकी मेहनत की कोई कद्र नहीं हो रही थी। वे 12-12 घंटे काम करता था, लेकिन उद्योग में उसकी मेहनत और हुनर का उचित मूल्यांकन नहीं हो रहा था। राहुल ने कहा कि बाकी उद्योगों की तरह कपड़ा और फैशन उद्योग में भी बहुजनों का प्रतिनिधित्व न के बराबर है। उनका कहना था कि यह क्षेत्र उन युवाओं के लिए बहुत ही अवसरहीन बना हुआ है, जो मेहनत करने के बावजूद अपनी स्थिति सुधारने में असमर्थ हैं।

राहुल गांधी का कहना था कि इसतरह के काबिल युवा 'अन्याय के चक्रव्यूह' में फंसे हुए हैं, जिनका कोई मोल नहीं है। राहुल गांधी ने सिस्टम की गलती बताकर कहा कि इन हुनरमंद युवाओं को समाज में उचित स्थान नहीं मिल पा रहा। राहुल गांधी ने अपनी इस लड़ाई को सामाजिक न्याय और श्रम के सम्मान के संघर्ष के रूप में पेश किया। उनका कहना था कि इस अन्याय को खत्म करने की जरूरत है, ताकि हर हुनरमंद युवा को अपनी मेहनत का उचित फल मिल सके और वह सिस्टम में अपना स्थान पा सके। उन्होंने कहा, मेरी लड़ाई इसी चक्रव्यूह को तोड़ने की है, ताकि हर हुनरमंद को सिस्टम में घुसने का रास्ता मिल सके।

राहुल गांधी ने जोर देकर कहा कि कपड़ा और फैशन उद्योग में भी बहुजन समुदाय के युवाओं को मौका मिलना चाहिए, ताकि उनका हुनर और मेहनत सराहा जा सके। राहुल गांधी ने इस पूरे मुद्दे को उठाकर फिर बहुजन समाज के लिए शिक्षा, रोजगार और समाज में अवसरों की कमी को प्रमुखता से पेश किया।

कर्नाटक में मनरेगा घोटाला: पुरुष बने महिला, साड़ी पहनकर की मजदूरी

बेंगलुरु। कर्नाटक के यादगीर जिले के मालदार गांव में मजदूरी घोटाले का मामला उजागर हुआ है। यहां कुछ पुरुष मजदूरों ने साड़ी पहनकर महिलाओं के नाम पर मजदूरी की, जबकि असली महिला श्रमिकों ने काम ही नहीं किया। यह फर्जीवाड़ा नाला गहरीकरण परियोजना के दौरान तब सामने आया जब सोशल मीडिया पर कुछ तस्वीरें वायरल हो गईं। इनमें पुरुष साड़ी पहनकर काम करते नजर आए। यह कार्य मल्हार गांव के एक किसान, निंगप्पा पुजारी के खेत में किया जा रहा था और परियोजना की कुल लागत 3 लाख रुपए बताई गई है। जिला पंचायत के सीईओ ने इस घोटाले की पुष्टि करते हुए बताया कि मौके पर दर्ज पुरुष और महिला श्रमिकों की संख्या आधिकारिक रिकॉर्ड से मेल नहीं खा रही है। रिकॉर्ड के मुताबिक 6 पुरुष और 4 महिलाएं काम कर रहीं थीं, लेकिन महिलाओं की जगह पुरुषों ने साड़ी पहनकर उनकी उपस्थिति दर्ज कराई और फर्जी मजदूरी का दावा किया। इस घोटाले की योजना वीरेश बेयरफुट टेक्नीशियन ने बनाई थी, जो पंचायत विभाग के साथ अनुबंध पर कार्यरत था। उसे निलंबित कर दिया गया है। सीईओ ने बताया कि इस संबंध में फरवरी में ही शिकायतें मिली थीं और उस पर कार्रवाई शुरू हो गई थी। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि इस परियोजना के तहत अब तक किसी को मजदूरी का भुगतान नहीं किया गया है। जांच में पता चला है कि नेशनल मोबाइल मॉनिटरिंग सॉफ्टवेयर ऐप के जरिए उपस्थिति में भी हेराफेरी की गई थी। फर्जी तस्वीरें अपलोड कर वास्तविक मजदूरों की जगह गलत लोगों को हाजिर दिखाया गया, जिससे महिलाओं के नाम पर मजदूरी का फर्जी भुगतान किया गया। मल्हार गांव के पंचायत विकास अधिकारी चन्नबसवा ने खुद को इस घोटाले से अलग करते हुए कहा कि मुझे इस फर्जीवाड़े की जानकारी नहीं थी। जैसे ही मामला सामने आया अनुबंध कर्मचारी वीरेश को निलंबित कर दिया गया है।

कुल्लू में टूटा मंगलौर पुल, सीमेंट लदा ट्रक नदी में गिरा, चालक बाल-बाल बचा, यातायात ठप

कुल्लू (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश के कुल्लू जिले में शनिवार सुबह एक बड़ा हादसा हो गया, जबकि राष्ट्रीय राजमार्ग-305 पर स्थित मंगलौर पुल का एक हिस्सा टूट गया। हादसे के वक्त पुल से एक सीमेंट से भरा ट्रक गुजर रहा था, जो सीधे नीचे नदी में जा गिरा। राहत की बात यह रही कि ट्रक चालक को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया, हालांकि इस हादसे में वह घायल हो गया है।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, यह हादसा शनिवार सुबह करीब 8 बजे हुआ, जब सीमेंट से लदा भारी ट्रक पुल पार कर रहा था। पुल जो पहले से जर्जर हालत और लगातार भारी वाहनों की आवाजाही के चलते उसकी संरचना कमजोर हो गई थी। जैसे ही ट्रक बीच में पहुंचा, पुल का एक हिस्सा धंस गया और ट्रक संतुलन खो बैठा और सीधे नदी में जा गिरा।

यातायात ठप, पर्यटक और स्थानीय लोग फंसे

इस हादसे के बाद ओट-बंजार मार्ग पर यातायात पूरी तरह से बंद कर दिया गया। यह मार्ग कुल्लू को बंजार, आनी और निरमंड जैसे क्षेत्रों से जोड़ता है, जहां इन दिनों पर्यटन सीजन चरम पर है। मार्ग बंद होने से सैकड़ों पर्यटक और स्थानीय लोग फंस गए और कई किलोमीटर तक लंबा जाम लग गया।

प्रशासन ने सतर्कता के साथ राहत कार्य किया शुरू

स्थानीय प्रशासन और पुलिस ने राहत कार्य शुरू कर दिया है। कुल्लू प्रशासन ने बताया कि एनएचएआई को सूचित किया गया है और विशेषज्ञों की एक टीम जल्द ही घटनास्थल पर पहुंचकर मरम्मत का काम शुरू करेगी। वैकल्पिक मार्गों की तलाश की जा रही है, लेकिन फिलहाल कोई आसान रास्ता उपलब्ध नहीं है। ऐसे हालात में प्रशासन ने लोगों से अनुरोध किया है कि वे इस मार्ग पर यात्रा करने से फिलहाल परहेज करें और प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करें। साथ ही, पर्यटकों को वैकल्पिक मार्गों और ठहराव की जगहों के बारे में जानकारी देने के लिए हेल्पलाइन भी सक्रिय की गई है।

पश्चिम बंगाल में वक्फ कानून के खिलाफ प्रदर्शन, सड़क, रेल यातायात बाधित

-सुती में हिंसक प्रदर्शन के दौरान सुरक्षाकर्मियों पर पथराव, कई वाहन जलाए

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में वक्फ कानून के खिलाफ प्रदर्शन हुए। प्रदर्शनकारियों ने वाहनों में आग लगा दी और सड़क एवं रेल यातायात को बाधित कर दिया। भीड़ को नियंत्रित करने में कुछ पुलिसकर्मी भी घायल हुए हैं। अधिकारियों ने बताया कि मुर्शिदाबाद जिले के सुती में प्रदर्शन हिंसक हो गया, जब निषेधाज्ञा के बावजूद प्रदर्शनकारी एकत्र हुए और सड़कों को अवरुद्ध कर दिया।

प्रदर्शनकारियों ने सुरक्षाकर्मियों पर पथराव किया, जुलूस के दौरान पुलिस वैन और सार्वजनिक बसों को आग लगा दी गई। अधिकारी ने बताया कि समस्या तब शुरू हुई जब जुमे की नमाज के बाद मुस्लिम समुदाय के लोग एकत्र हुए और वक्फ कानून के खिलाफ प्रदर्शन करने लगे। उन्होंने शमशेरगंज में डाकबंगला मोड़ से सुतिर सजुर मोड़ तक राष्ट्रीय राजमार्ग-12 के एक हिस्से को रोक दिया। उन्होंने कहा कि प्रदर्शन तब हिंसक हो गया, जब प्रदर्शनकारियों ने एक पुलिस वैन पर पथराव किया। इसके परिणामस्वरूप पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच झड़प हुई, जिसमें करीब 10 पुलिसकर्मी भी घायल हो गए।

अधिकारी ने बताया कि पुलिस ने अनियंत्रित भीड़ को नियंत्रित करने के लिए लाठीचार्ज किया और बाद में प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के लिए आंसू गैस के गोले छोड़े। हिंसा के बीच कुछ पुलिसकर्मियों को मस्जिद में शरण दी गई। वहीं, जिला प्रशासन ने सामान्य स्थिति बहाल करने के लिए सीमा सुरक्षा बल से हस्तक्षेप करने का अनुरोध किया है। अधिकारियों के मुताबिक मालदा में प्रदर्शनकारियों ने रेल पटरियों पर धरना दिया जिससे ट्रेन की आवाजाही रुक गई। उन्होंने बताया कि पूर्वी रेलवे के फरक्का-आजमिगंज खंड पर भी ट्रेन सेवाएं प्रभावित हुईं। इस बीच राज्यपाल सीवी आनंद बोस ने राज्य सरकार को संवेदनशील क्षेत्रों में गड़बड़ी के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ तत्काल और प्रभावी कार्रवाई करने को कहा है।

बिहार में 15 अप्रैल तक आंधी-तूफान और वज्रपात के साथ होगी बारिश, लोगों से सतर्क रहने की अपील

पटना (एजेंसी)। बिहार में अभी बारिश का दौर थमा नहीं है। मौसम विभाग ने 15 अप्रैल तक अलर्ट जारी किया है। बताया जा रहा है कि 15 अप्रैल तक आंधी-तूफान और वज्रपात के साथ मूसलाधार बारिश की संभावना है। उधर पिछले तीन दिनों से राज्य के कई जिलों में आंधी तूफान और वज्रपात के साथ बारिश हो रही है। मौसम विभाग के अनुसार अभी 15 अप्रैल तक राज्य के सभी जिलों में मौसम खराब रहने की संभावना है। इस दौरान 40 से 50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवा, मेघ गर्जन और वज्रपात हो सकती है। इसके अलावा कई इलाकों में हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। 12 अप्रैल को उत्तर पश्चिम, उत्तर मध्य, उत्तर पूर्व, दक्षिण पश्चिम, दक्षिण मध्य और दक्षिण पूर्व इलाके के एक या दो से अधिक इलाकों में बारिश होगी। इन इलाकों में आंधी-तूफान के साथ बारिश भी हो सकती है। जबकि 13 से 14 अप्रैल को उत्तर-पूर्वी सुपौल, अररिया, किशनगंज, मधेपुरा, सहरसा, पूर्णिया और कटिहार तथा दक्षिण बिहार के भागलपुर, बांका, जमुई, मुंगेर और खगड़िया में अनेकों स्थानों पर झमाझम बारिश होगी। वहीं 15 अप्रैल को भी बिहार में एक या दो स्थानों पर आंधी-तूफान और वज्रपात के साथ बारिश होगी। आपको बता दें कि मौसम विभाग द्वारा 3 से 15 अप्रैल तक कई जिलों में ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। सुपौल, अररिया, किशनगंज, मधेपुरा, सहरसा, पूर्णिया, खगड़िया, भागलपुर, मुंगेर, जमुई, बांका, बेगूसराय, शेखपुरा, नवादा, नालंदा, जहानाबाद, पटना और गया में ऑरेंज अलर्ट रहेगा।

* बिहार में वज्रपात से 64 लोगों की मौत

बिहार में पिछले तीन दिनों के दौरान वज्रपात से कुल 64 लोगों की मौत हुई है। इसमें नालंदा जिले में सबसे अधिक 23 लोगों की मौत हुई है जबकि दरभंगा में 6, बेगूसराय 5, भोजपुर 5, मधुबनी 4, सहरसा 4, जमुई 3, पटना 3, गया 3, समस्तीपुर 2, औरंगाबाद 2, अररिया में 1, जहानाबाद 1, अरवल 1 और मुजफ्फरपुर में 1 व्यक्ति की मौत हुई।

* 19 जिलों में चमकेगी आकाशीय बिजली

मौसम विभाग के अनुसार बिहार में अगले दो से तीन दिनों तक मौसम का खराब रह सकता है। 15 अप्रैल तक आंधी, बारिश और वज्रपात के लगातार जारी रहने की संभावना जताई गई है। खराब मौसम को देखते हुए प्रशासन और मौसम विभाग ने लोगों को सतर्क रहने को कहा है। वहीं बिना जरूरत घर से बाहर न निकलने की सलाह दी है। खासकर खेतों, खुले मैदानों और पेड़ों के नीचे जाने से बचने की हिदायत दी गई है। पटना मौसम केंद्र के अनुसार, पूरे राज्य में 15 अप्रैल तक आकाशीय बिजली गिरने का खतरा बना रहेगा। मौसम को देखते हुए प्रशासन ने लोगों से सतर्क रहने की अपील की है।